सुविचार

धन का मोह जीवन को अशांत बनाता है।

-प्रेमचंद

Daily

THE PHOTON NEWS

सच के हक में...

द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Kareena Kapoor Khan Shares... 12

Ranchi ● Saturday, 05 April 2025 ● Year : 03 ● Issue : 80 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

संसेक्स	:	75,364.69
निफ्टी	:	22,904.45

SARAFA

सोना	:	8,575
चांदी	:	108.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

NEW DELHI : शुक्रवार को संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बताया कि सत्र के दौरान 10 सरकारी विधेयक पुनर्स्थापित किए गए तथा वक्फ संशोधन विधेयक सहित कुल 16 विधेयक पारित किए गए। लोकसभा अध्यक्ष बिरला ने विपक्षी सदस्यों के हंगामे के बीच कहा कि सत्र में 26 बैठकें हुईं तथा कुल उत्पादकता 118 प्रतिशत से अधिक रही। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में 173 सदस्यों ने भागीदारी की। इसी प्रकार केन्द्रीय बजट पर चर्चा में 169 सदस्यों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि तीन अप्रैल को शून्यकाल में 202 सदस्यों ने लोक महत्व के विषय सदन में उठाए, जो अभी तक किसी भी लोकसभा के लिए एक दिन में शून्यकाल के दौरान उठाए जाने वाले विषयों का रिकॉर्ड है। वहीं, राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बताया कि इस सत्र में उनकी उत्पादकता 119 प्रतिशत रही।

कुएं में गिरा ट्रैक्टर, आठ महिला मजदूरों की मौत

MUNBAI : शुक्रवार को नांदेड़ जिले में स्थित अलेगांव शिवरा में मजदूरों को ले जा रहा ट्रैक्टर अचानक कुएं में गिर गया, जिससे आठ महिला मजदूरों की मौत हो गई। इस घटना में तीन मजदूर घायल हो गए हैं, जिन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। नांदेड़ पुलिस मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य कर रही है। राजस्व विभाग के सूत्रों के अनुसार हिंगोली जिले के वासमत तहसील के गुंज निवासी मजदूर आज सुबह नांदेड़ जिले के अलेगांव शिवरा में दगडू शिंदे के खेत में हल्दी काटने का काम करने ट्रैक्टर से जा रहे थे। अलेगांव शिवरा में पहुंचते ही अचानक चालक का नियंत्रण बिगड़ गया, जिससे ट्रैक्टर कुएं में गिर गया। इस घटना के बाद ट्रैक्टर चालक फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही नांदेड़ पुलिस गांव वालों के साथ मौके पर पहुंची और पंप लगाकर कुएं का पानी निकाला जा रहा है।

लेबनान में मारा गया हमास कमांडर हसन फरहत

NEW DELHI : इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान के सिडोन क्षेत्र में ड्रोन हमला करके आतंकवादी समूह हमास कमांडर हसन फरहत को मार गिराने का दावा किया है। शुक्रवार को शहर के दलाह्मआ इलाके में हुए इस हमले में फरहत के बेटे और बेटी की भी मौत हो गई। अल जजीरा न्यूज चैनल ने कुद्स न्यूज नेटवर्क के हवाले से बताया कि हसन फरहत लेबनान में हमास के पश्चिमी क्षेत्र का कमांडर था। वह इजराइल के खिलाफ लंबे समय से साजिश रचता रहा है। पिछले साल फरवरी में उत्तरी इजराइल में रॉकेटों की बड़ी शृंखला लॉन्च करने के लिए जिम्मेदार था। इस हमले में एक निगरानी चौकी में एक इजराइली सैनिक मारा गया था।

मोरहाबादी, बरियातू, पीपी कंपाउंड, चिरौंदी व लालपुर समेत रांची के कई प्रमुख इलाकों में भी छापा

आयुष्मान घोटाला : बन्ना गुप्ता के पीएस ओम प्रकाश सहित 21 ठिकानों पर ईडी रेड

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को आयुष्मान भारत योजना घोटाला मामले में झारखंड के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के पीएस ओम प्रकाश, टीपीए (थर्ड पार्टी असेसमेंट) सहित अन्य लोगों के 21 ठिकानों पर एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) की टीम ने रेड मारी। टीम ने सुबह से राजधानी रांची के मोरहाबादी, बरियातू, पीपी कंपाउंड, चिरौंदी और लालपुर समेत रांची के कई प्रमुख इलाकों में एक साथ छापेमारी शुरू की। इस दौरान मेडिकल से जुड़ी कंपनियों, इंश्योरेंस फर्मों और दवा कंपनियों की जांच की गई। गौरतलब है कि साल 2025 में ईडी की यह पहली छापेमारी है। रांची के बरयातू थाना क्षेत्र स्थित अरविंद मार्ग के रश्मि एनक्लेव और रामेश्वरम लेन के श्यामा एनक्लेव में थर्ड फ्लोर पर रहने वाले सुजीत यादव के ठिकानों पर यह रेड पड़ी। इस दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। जानकारी के अनुसार, आयुष्मान भारत योजना घोटाला मामले में कुल 21 ठिकानों पर ईडी की ने ताबड़तोड़ छापेमारी की। इसमें झारखंड के 17, पश्चिम बंगाल के दो और दिल्ली व उत्तर प्रदेश के एक-एक ठिकाने शामिल हैं।

झारखंड के 17, पश्चिम बंगाल के दो, दिल्ली व उत्तर प्रदेश के एक-एक ठिकाने में जांच एजेंसी ने दी दस्तक

- मेडिकल से जुड़ीं कंपनियों, इंश्योरेंस फर्मों और दवा कंपनियों की हुई जांच
- ओम प्रकाश सिंह गुड्डू के परिजनों से भी पूछताछ, किसी को अंदर जाने की नहीं थी इजाजत
- प्रवर्तन निदेशालय ने झारखंड स्टेट हेल्थ सोसाइटी और स्वास्थ्य विभाग से मांगी थी रिपोर्ट
- 200 से अधिक अस्पताल, इंश्योरेंस और दवा कंपनियां जांच के दायरे में
- सीएजी रिपोर्ट में मुर्दों का इलाज करने सहित अन्य प्रकार की गड़बड़ी का भी उल्लेख

झारखंड में गड़बड़ियों को लेकर दर्ज ईसीआईआर की शुरू की गई जांच

ईडी ने आयुष्मान भारत योजना के तहत झारखंड में हुई गड़बड़ियों को लेकर दर्ज ईसीआईआर की जांच शुरू की है। कुछ दिन पहले सीएजी रिपोर्ट में इसका खुलासा भी हुआ था। इसमें कहा गया था कि कुछ अस्पताल फर्जी मरीजों का इलाज कर करोड़ों की राशि का भुगतान ले लिया। यहां तक कि कई ऐसे लोगों के नाम पर बिल बना दिया गया जिसकी पहले ही मौत हो चुकी है। इसके बाद प्रर्वतन निदेशालय ने झारखंड स्टेट हेल्थ सोसाइटी और स्वास्थ्य विभाग से रिपोर्ट मांगी थी। ऐसी संभावना जताई जा रही है कि इसी रिपोर्ट के आधार पर ईडी ने जांच शुरू की और शुक्रवार को संदिग्ध लोगों के ठिकानों पर छापा मार दिया। कुल 200 से अधिक अस्पताल, इंश्योरेंस और दवा कंपनियां जांच के दायरे में है।

जमशेदपुर के कई अन्य इलाकों में भी पड़ा छापा

आयुष्मान घोटाला से संबंधित मामले में ईडी ने जमशेदपुर के एनएच-33 मार्ग के बिग बाजार से पीछे स्थित नीलगिरी कॉलोनी में बन्ना गुप्ता के आप्त सचिव ओम प्रकाश सिंह गुड्डू के ठिकानों पर छापा मारा। जमशेदपुर के कई इलाकों पर प्रर्वतन निदेशालय ने रेड मारी, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी। ईडी के अधिकारी ओम प्रकाश सिंह गुड्डू के परिजनों से भी पूछताछ की। किसी को भी अंदर जाने की इजाजत नहीं दी गई थी।

संसद में पेश की गई थी नियंत्रक महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट

बता दें कि आयुष्मान भारत योजना में हुई गड़बड़ी के मामले में भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट (सीएजी) संसद में पेश की गयी थी। इसके बाद ईडी ने इसीआईआर दर्ज की थी। सीएजी की रिपोर्ट में झारखंड में आयुष्मान योजना में गड़बड़ी करने का उल्लेख किया गया था। इसमें मुर्दों का इलाज करने सहित अन्य प्रकार की गड़बड़ी का भी उल्लेख था। सीएजी की रिपोर्ट संसद में पेश होने और उसमें वर्णित तथ्यों के मद्देनजर ईडी ने स्वास्थ्य विभाग और झारखंड स्टेट हेल्थ सोसाइटी से आयुष्मान योजना में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी मांगी थी। जवाब में स्वास्थ्य विभाग ने आयुष्मान योजना में हुई गड़बड़ी के मामले में कुछ अस्पतालों के खिलाफ दर्ज कराई गई प्राथमिकी की सूचना ईडी को भेजी थी।

200 से अधिक अस्पतालों में करोड़ों का घोटाला किया गया : इधर, ईडी की कार्रवाई पर जमशेदपुर पश्चिमी से जदयू विधायक सरयू राय ने कहा- कोरोना के समय आयुष्मान योजना के नाम पर करोड़ों का घोटाला हुआ है। अभी भी 40 करोड़ रुपये का फर्जी बिल पड़ा हुआ है। पूरे राज्य में 200 से अधिक अस्पतालों में आयुष्मान योजना के तहत करोड़ों का घोटाला किया गया है।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चैती छठ संपन्न

शुक्रवार को लोक आस्था का महापर्व चैती छठ उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ संपन्न हो गया। व्रतियों ने सुबह 05 बजकर 37 मिनट पर भगवान भास्कर को अर्घ्य दिया। धन-धान्य और आरोग्य की कामना की। अर्घ्य देने के बाद व्रतियों ने पारण कर निर्जला उपवास तोड़ा। बता दें कि छठ पूजा का अंतिम दिन चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि को मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, सूर्य भगवान का व्रत आरोग्य की प्राप्ति, सौभाग्य और संतान के लिए रखा जाता है। आस्था का यह महापर्व साल में दो बार चैत्र और कार्तिक माह में मनाया जाता है। चार दिनों तक चलने वाला यह चैती छठ शुक्रवार को संपन्न हुआ।

एक केस को मैनेज करने के नाम पर मांग रहा था पैसा, एसीबी ने की कारवाई

30 हजार घूस लेते नामकुम थाने का दरोगा अरेस्ट

CRIME REPORTER RANCHI : शुक्रवार को एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने राजधानी रांची के नामकुम थाने के दारोगा चंद्रदीप प्रसाद को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। एक केस को मैनेज करने के नाम पर दरोगा 30 हजार रुपये रिश्वत लेते पकड़ा गया। एंट्री करप्शन ब्यूरो ने दरोगा की गिरफ्तारी की पुष्टि की गई है। बता दें कि इससे पहले कोतवाली थाने के एक सब-इंस्पेक्टर को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था।

एंट्री करप्शन ब्यूरो ने सत्यापन में मामले को पाया सही, इसके बाद रंगे हाथ दबोचा

एक लाख रुपये की थी डिमांड

एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा जारी किए गए प्रेस रिलीज में बताया गया है कि आशीष यादव नाम के व्यक्ति ने ब्यूरो में यह शिकायत की थी कि उनकी एक लड़की के साथ सगाई हुई थी, लेकिन किसी कारणवश सगाई टूट गई। इस दौरान पंचों के माध्यम से सभी सामान का आदान-प्रदान हो गया था। पूर्व में मामले को लेकर नामकुम थाने में लड़की के परिजनों के द्वारा भी नामकुम थाने में कांड संख्या 262/24 दर्ज करवाया गया था। कांड के अनुसंधानकर्ता चंद्रदीप प्रसाद थे। मामले को लेकर पीड़ित ने न्यायालय से जमानत भी ले ली थी। लेकिन, केस को मैनेज करने के नाम पर चंद्रदीप प्रसाद एक लाख रुपये की लगातार डिमांड कर रहा था।

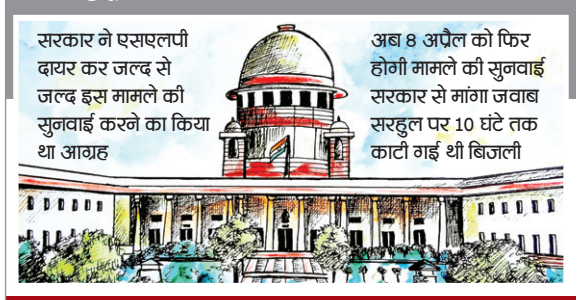

झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर शीर्ष अदालत ने लगाई रोक

रामनवमी पर काटें बिजली, लेकिन कम समय के लिए : सुप्रीम कोर्ट

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने सरहुल के दौरान की गई बिजली कटौती वाले मामले पर झारखंड हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। साथ ही इस संबंध में राज्य सरकार से जवाब मांगा है। केस की अगली सुनवाई रामनवमी के बाद 8 अप्रैल को होगी। राज्य सरकार ने झारखंड हाई कोर्ट द्वारा बिजली नहीं काटने को लेकर सुनाए गए फैसले को सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी थी, जिसमें उन्होंने एसएलपी दायर कर जल्द से जल्द इस मामले की सुनवाई करने का आग्रह किया था। राज्य सरकार के अनुरोध पर सुप्रीम कोर्ट ने झारखंड हाईकोर्ट द्वारा सुनाए गए फैसले पर सुनवाई की। इसमें उन्होंने अदालत के फैसले पर रोक लगाते हुए जेबीवीएनएल के एमडी को निर्देश दिया कि वे सरहुल, रामनवमी जैसे खास मौके पर कम से कम बिजली कटौती करें, ताकि जनजीवन अधिक प्रभावित न हो। निर्देशित किया कि अस्पताल समेत अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़े स्थानों पर किसी प्रकार की बिजली आपूर्ति बाधित न की जाए।

उच्च न्यायालय ने रामनवमी और मोहर्रम पर निकलने वाले जुलूस के दौरान बिजली कटौती पर लगा दी थी रोक

सरकार ने एसएलपी दायर कर जल्द से जल्द इस मामले की सुनवाई करने का किया था आग्रह

अब 8 अप्रैल को फिर होगी मामले की सुनवाई सरकार से मांगा जवाब सरहुल पर 10 घंटे तक काटी गई थी बिजली

शोभायात्रा को लेकर काटी जाती है बिजली

सामान्य रूप से हर साल सरहुल और रामनवमी के दिन निकाले जाने वाली शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा के लिए बिजली काट दी जाती है। सभी मार्ग के जुलूस जब लौट जाते हैं, तब बिजली की आपूर्ति की जाती है। एक अप्रैल को सरहुल की शोभायात्रा के लिए दस घंटे से अधिक बिजली काटी गयी थी। छह अप्रैल को रामनवमी जुलूस के दौरान भी बिजली काटे जाने की घोषणा की गई है। गुरुवार के हाईकोर्ट के आदेश को राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। राज्य सरकार की ओर से वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने बहस की। बता दें कि गुरुवार को झारखंड हाईकोर्ट ने रांची में त्योहारों में निकाले जाने वाले जुलूस के कारण दस-दस घंटे बिजली काटे जाने पर स्वतः सज्ञान लिया था।

बड़ी उपलब्धि दोहरी आवृत्ति का उपयोग करने वाला पहला रडार इमेजिंग सैटेलाइट

किसानों के लिए वरदान साबित होगा नासा-इसरो का उपग्रह 'निसार'

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : दुनिया के किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी। अब उन्हें सैटेलाइट के सहारे बहुत कुछ वैसी जानकारियां हासिल हो सकेंगी, जिनके माध्यम से वे कृषि के क्षेत्र को और तेजी से विकसित कर सकेंगे। नासा-इसरो सिंथेटिक एपर्चर रडार या निसार मिशन के माध्यम से यह संभव होगा। यह उपग्रह दोहरी आवृत्ति का उपयोग करने वाला पहला रडार इमेजिंग सैटेलाइट होगा। इसे धरती के प्राकृतिक प्रक्रियाओं को समझने के लिए रिमोट सेंसिंग में इस्तेमाल किया जाएगा। यह अमेरिकी अंतरिक्ष संस्थान नासा और इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाइजेशन की संयुक्त परियोजना है। निसार से प्राप्त डाटा न केवल भारत, बल्कि दुनियाभर के किसानों के लिए उपयोगी होगा। इससे प्राप्त आंकड़ों का उपयोग फसलों की वृद्धि को ट्रैक करने, पौधों के स्वास्थ्य पर नजर रखने और मिट्टी की नमी की निगरानी के लिए किया जाएगा। यह जानकारी इसरो विज्ञान टीम के हवाले से एक रिपोर्ट में दी गई है। यह मिशन रोपाई से लेकर कटाई तक फसलों की वृद्धि पर नजर रखेगा, जिससे सही समय पर बुवाई, सिंचाई और अन्य कृषि कार्यों के बारे में जानकारी मिलेगी।

प्राकृतिक प्रक्रियाओं को समझने के लिए रिमोट सेंसिंग में किया जाएगा इस्तेमाल

नीति निर्माताओं और कृषि अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्णय लेने में देगा सहायता

- पूरी दुनिया में धरती पर फसलों की निगरानी और कृषि सुधार में करेगा मदद
- पौधों के स्वास्थ्य पर नजर रखने और मिट्टी की नमी को पहचाने का बनाएगा आधार
- सैटेलाइट से प्राप्त आंकड़ों के माध्यम से फसलों की वृद्धि को ट्रैक करना होगा संभव

12 दिनों में दो बार पृथ्वी की लगभग पूरी भूमि की तस्वीर लेने में सक्षम

कृषि भूमि का होगा समग्र विश्लेषण

सिंथेटिक अपर्चर रडार तकनीक की मदद से निसार उपग्रह फसलों की विशेषताओं, पौधों में मौजूद नमी की मात्रा और उनकी मिट्टी की स्थिति की पहचान करेगा। यह छोटे खेतों से लेकर बड़े कृषि क्षेत्रों तक व्यापक रूप से डाटा प्रदान करेगा, जिससे कृषि भूमि का समग्र विश्लेषण संभव होगा।

ईकोसिस्टम में परिवर्तन की देगा जानकारी

यह उपग्रह 12 दिनों में दो बार पृथ्वी की लगभग पूरी भूमि की तस्वीर लेगा। यह 10 मीटर तक के छोटे भूखंडों की निगरानी करने में सक्षम होगा। यह नीति निमार्ताओं और कृषि अधिकारियों को महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मदद करेगा, जैसे कि धान की रोपाई का समय, पौधों की ऊंचाई और खेतों की नमी का स्तर। इसके अलावा यह भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं से पहले और बाद में पृथ्वी की सतह के लचीलेपन को देखेगा। यह ग्लेशियरों और बर्फ की चादरों की गति पर नजर रखेगा। जंगलों की वृद्धि और पेड़ों के काटे जाने सहित पारिस्थितिकी तंत्र में होने वाले बदलावों पर भी नजर रखेगा। विशेषज्ञों की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, यह उपग्रह भारत के दक्षिण-पूर्वी तट स्थित इसरो के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से लॉन्च किया जाएगा।

पलामू में कार और बाइक की टक्कर में तीन युवकों की चली गई जान

PLAMU : पलामू जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार की देर रात एनएच 98 पर सड़क दुर्घटना में बाइक सवार तीन युवकों की जान गई। तीनों युवक हेलमेट नहीं पहने थे। दो की मौत घटनास्थल पर ही हो गई थी, जबकि एक युवक ने मेदिनीनगर के एमआरएमसीएच में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृत युवकों की पहचान श्याम परहिया, उपेंद्र परहिया और संतन परहिया के रूप में हुई। घटना की जानकारी मिलने पर छतरपुर पुलिस मौके पर पहुंचीं और बोलेरो और बाइक को कब्जे में ले लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए एमआरएमसीएच में भेजा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है। जानकारी के अनुसार, नेशनल हाईवे पर रुदवा के बैराही मोड़ में बोलेरो से बाइक सवार युवकों की आमने सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और बोलेरो के अगले हिस्से को नुकसान पहुंचा है।

मुंबई के धीरूभाई अंबानी अस्पताल में ली अंतिम सांस

नहीं रहे बॉलीवुड के अभिनेता और निर्देशक मनोज कुमार

AGENCY MUMBAI : शुक्रवार को बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता और निर्देशक मनोज कुमार ने दुनिया को अलविदा कह दिया। फिल्म निर्देशक और अभिनेता मनोज कुमार अपनी देशभक्ति फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 87 वर्ष की आयु में मुंबई के धीरूभाई अंबानी अस्पताल में अंतिम सांस ली। उन्होंने उपकार, पूरब-पश्चिम, शोर रोटी कपड़ा और मकान और क्रांति समेत कई फिल्मों में काम किया। वह भारत कुमार के नाम से प्रसिद्ध रहे। कई फिल्मों में उनके कैरेक्टर का नाम भी भारत कुमार ही रहा।

- उपकार, पूरब-पश्चिम, शोर, रोटी कपड़ा और मकान तथा क्रांति जैसी यादगार फिल्में बनाई
- पद्मश्री और दादा साहब फाल्के पुरस्कार से किए गए थे सम्मानित

अप्रेंटिस की मौत से भड़का आक्रोश, बोकारो स्टील प्लांट के बाहर किया गया उग्र प्रदर्शन

प्लांट प्रबंधन ने आंदोलनकारियों से किया कंपनी गेट से हटने का आग्रह, प्लांट व शहर पर मंडरा रहा खतरा

PHOTON NEWS BOKARO : बोकारो इस्पात संयंत्र (बीएसएल) के बाहर गुरुवार को लाठीचार्ज में घायल अप्रेंटिस की मौत से आक्रोश भड़क गया है। इसके बाद शुक्रवार से कंपनी गेट के बाहर उग्र प्रदर्शन हो रहा है। कंपनी प्रबंधन ने आंदोलनकारियों से संयंत्र के गेट से अविलंब जाम हटाने की अपील की है। प्रबंधन का कहना है कि संयंत्र एक थर्मो-सेंसिटिव इकाई है, जहां संवेदनशील गैस पाइपलाइन नेटवर्क का संचालन 24 घंटे कड़ी सुरक्षा के तहत किया जाता है। प्लांट के सभी गेट जाम होने के कारण लगभग 5000 कर्मचारी 18 घंटे से अधिक समय से भूखे-प्यासे भीतर फंसे हैं, जिससे सुरक्षा मानकों का पालन करना कठिन होता जा रहा है।

कंपनी गेट के बाहर जुटे आंदोलनकारी ● फोटोन न्यूज

जनहित में संयम बरतने की अपील

बोकारो इस्पात संयंत्र प्रशासन ने आंदोलनकारियों से संयंत्र गेट से जाम हटाने की अपील करते हुए कहा है कि यह मामला सिर्फ संयंत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे शहर की सुरक्षा से जुड़ा है। संयंत्र प्रबंधन ने सभी पक्षों से संयम बरतने और स्थिति को जल्द सामान्य करने में सहयोग की अपील की है।

गैस पाइपलाइन की सुरक्षा को लेकर चिंता

संयंत्र प्रबंधन के अनुसार, ब्लास्ट फर्नेस, कोकओवेन, सिंटर प्लांट, स्टील मेल्टिंग शॉप और हॉट स्ट्रिप मिल जैसी प्रमुख उत्पादन इकाइयां बीती रात से बंद हैं। इन इकाइयों के ठप होने से न केवल उत्पादन बाधित हुआ है, बल्कि अब तक करोड़ों रुपये का नुकसान हो चुका है। इन इकाइयों के संचालन में कोकओवेन गैस, ब्लास्ट फर्नेस गैस, सिंटर गैस और अन्य औद्योगिक गैसों का उपयोग होता है। इन गैसों का प्रवाह बाधित होने से पाइपलाइनों में दबाव, असंतुलन, रिसाव या विस्फोट जैसी घटनाएं हो सकती हैं, जिससे न सिर्फ प्लांट बल्कि पूरे शहर की सुरक्षा पर खतरा मंडरा सकता है। प्रबंधन के सूत्रों का कहना है कि संयंत्र कर्मी अब तक सेफ्टी प्रोटोकॉल बनाए रखने का भरसक प्रयास कर रहे हैं, लेकिन भूख, थकान और लगातार जागने के कारण यह स्थिति लंबे समय तक नहीं संभाली जा सकती। यदि जल्द ही संयंत्र संचालन सामान्य नहीं हुआ, तो सुरक्षा से जुड़ी गंभीर घटनाएं हो सकती हैं।

बीएसएल के मुख्य महाप्रबंधक हरिमोहन झा गिरफ्तार, सभी मांगें मानी गईं

मृतक के परिजन को मिलेगा 20 लाख मुआवजा, सभी अप्रेंटिस को 3 माह में मिलेगी नौकरी

PHOTON NEWS BOKARO : नौकरी की मांग को लेकर बीएसएल प्लांट के एडीएम बिल्डिंग के समीप गुरुवार को विस्थापित अप्रेंटिस संघ द्वारा प्रदर्शन पर संज्ञान लेते हुए उपायुक्त (डीसी) विजया जाधव ने गुरुवार की देर रात कार्यालय में बैठक की। बैठक में पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी, बीएसएल के ईडी, पुलिस उप महानिरीक्षक सीआइएसएफ, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी-चास प्रांजल ढांडा आदि शामिल थे। उपायुक्त ने घटना के लिए जिम्मेदार मानते हुए मुख्य महाप्रबंधक बीएसएल प्लांट हरिमोहन झा को गिरफ्तार करने का निर्देश दिया। वहीं, विस्थापित अप्रेंटिस संघ की सभी मांगों को बीएसएल प्रबंधन ने मान लिया है। इसमें मुख्य निम्न बातें शामिल हैं। ट्रेनिंग पूरी कर चुके सभी विस्थापित अप्रेंटिस प्रशिक्षुओं को बीएसएल प्रबंधन 21 दिनों में पद सृजित कर तीन माह के अंदर उन्हें नियुक्ति देगा। वहीं, प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए कोचिंग की सुविधा उपलब्ध कराएगा। मृतक के परिजनों को 20 लाख रुपये मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को नियोजन देना साथ ही, बीएसएल प्रबंधन घायलों को बीजीएच में मुफ्त उपचार और 10 हजार रुपये मुआवजा देने की बात कही। वहीं, अन्य मांगों के लिए बीएसएल विस्थापितों के साथ प्रति माह 15 तारीख को जिला नियोजन पदाधिकारी और अपर समाहर्ता की उपस्थिति में बैठक कर अनुश्रवण करेंगे। उपरोक्त सभी बातों को लेकर उपायुक्त ने अपर समाहर्ता और अनुमंडल पदाधिकारी चास को प्रत्येक माह अनुश्रवण कर अनुपालन सुनिश्चित कराने को कहा है।

उपायुक्त विजया जाधव और पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी ने संयुक्त रूप से जिले वासियों से अपील की है कि वे शांति बनाएं रखें। सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाएं एवं जिला प्रशासन को विधि व्यवस्था संधारण में सहयोग करें।

BRIEF NEWS

रामनवमी जुलूस के रास्तों का किया निरीक्षण

CHAKRADHARPUR : रामनवमी का त्योहार 6 अप्रैल को मनाया जाएगा। उस दिन बजरंगबली और महावीर झंडा का पूजा-अर्चना करने के पश्चात शाम के समय चक्रधरपुर में लाइसेंसी अखाड़ा समिति द्वारा शोभायात्रा निकाली जाएगी। सभी अखाड़ा समिति महावीर झंडा लेकर शहर के पवन चौक पहुंचते हैं और वहां अपने निर्धारित स्थल पर तरह-तरह के लाठी-तलवार आदि से करतब दिखाएंगे। इसे लेकर शुक्रवार को पोड़ाहाट एसडीओ श्रुति राजलक्ष्मी, सहायक जिला पुलिस अधीक्षक सह पोड़ाहाट डीएसपी शिवम प्रकाश, प्रखंड विकास पदाधिकारी कांचन मुखर्जी, अंचलाधिकारी सुरेश कुमार सिन्हा आदि ने रास्तों का निरीक्षण किया। रुट में झूलने वाले बिजली तार को ठीक करने का निर्देश विभाग को दिया गया। वहीं नगर परिषद को सफाई करने और खराब सड़कों पर डस्ट डालने को कहा गया। बता दें कि चक्रधरपुर शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में करीब 33 लाइसेंसी अखाड़ा समिति हैं, जिनके द्वारा शोभायात्रा और झांकी निकाली जाती है। प्रशासन के निरीक्षण के दौरान केंद्रीय अखाड़ा समिति के पदाधिकारी और सदस्य भी शामिल थे।

टाटा मोटर्स कर्मियों की बस सेवा 7 को होगी बाधित

JAMSHEDPUR : टाटा मोटर्स कर्मचारियों के लिए चलने वाली बस सेवा 7 अप्रैल को रामनवमी के कारण बाधित रहेगी। इस सबंध में कंपनी ने सर्कुलर जारी कर कहा है कि टेल्को कॉलोनी, जेम्को, बर्मामाइंस, नीलडीह, मनीफीट, नामदा बस्ती, ग्वाला बस्ती, रामाधीन बगान, मिश्रा बगान, गोविंदपुर, आसनबनी, डोमजुड़ी, बाघमारा, गोराडीह, मुगार्गुद्दू, हितकू के अलावा अन्य क्षेत्र के कर्मचारी अपने आने जाने के लिए खुद के वाहन का उपयोग करें।

पुलिस ने किया दंगा नियंत्रण का मॉकड्रिल

CHAIBASA : रामनवमी पर्व को शांतिपूर्वक संपन्न कराने और किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए चाईबासा पुलिस पूरी तरह से मुस्तैद है। शुक्रवार को पुलिस केन्द्र, चाईबासा में दंगा नियंत्रण की तैयारियों का जायजा लेने के लिए ₹एंटी रायट मॉक ड्रिल₹ का आयोजन किया गया। इस अभ्यास में चाईबासा पुलिस के जवानों ने दंगारोधी सुरक्षा उपकरणों के साथ उपद्रवियों से निबटने और भीड़ को नियंत्रित करने का गहन अभ्यास किया। पुलिस का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आपात स्थिति में इन उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग किया जा सके।

पत्थर से कूचकर युवक की हत्या

AGENCY KHUNTI : खूंटी सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत बारूडीह पंचायत के चालम बरटोली गांव के गेंगेरलोर नामक स्थान पर लगभग 33 वर्ष के एक अज्ञात युवक को अज्ञात अपराधकर्मियों ने पत्थर से कुचकर गंभीर रूप से घायल कर दिया और उसे मृत अवस्था में छोड़कर फरार हो गए। मामले की जानकारी मिलने पर जिस समय पुलिस घटनास्थल पर पहुंची, उस समय घायल युवक की सांस चल रही थी। इसके बाद पुलिस उसे अस्पताल ले गयी, तो वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के माथे को पत्थर से बुरी तरह कूच दिया गया था। घटनास्थल के बगल में एक बड़ा सा खून सना पत्थर भी मिला है। घटना गुरुवार रात उस वक्त की बताई जाती है, जब क्षेत्र में हल्की बारिश हो रही थी। स्थानीय लोग

भी शव की शिनाख्त नहीं कर पाये। युवक केसरिया रंग का टी-शर्ट पहना हुआ है, जिस पर खूंटी के एक निजी स्कूल का लोगो और नाम अंकित है। इसे भी आधार बनाकर रात को ही पुलिस उक्त स्कूल और हॉस्टल में गई। इसके बावजूद उसकी पहचान नहीं हो सकी। तब पुलिस और आम लोगों ने सोशल मीडिया के सहारे युवक की पहचान करने में जुटे हैं।

एक बाइक पर गए थे चार युवक लेकिन लौटे तीन ही

घटनास्थल के आसपास गाय-बकरी चरा रहे चरवाहों ने गांव के लोगों को बताया कि एक बाइक पर सवार होकर चार युवक चालोम बरटोली के गेंगेरलोर की ओर गए थे, लेकिन जब वे वापस लौटे, तो उनकी संख्या तीन ही थी। बाइक सवार तीनों युवक बुरजू रोड की ओर चले गए। संभावना जताई जा रही है कि बाइक पर सवार चार में से तीन ने मिलकर एक की हत्या कर दी होगी। पुलिस ने शुक्रवार को सदर अस्पताल में शव का पोस्टामर्टम कराया। पुलिस मृतक का पहचान कराने का प्रयास कर रही है।

मोतियाबिंद के 5 मरीजों का कराया लेंस प्रत्यारोपण

JAMSHEDPUR : आनंद मार्ग यूनिवर्सल रिलीफ टीम ग्लोबल एवं पूर्णिमा नेत्रालय के सहयोग से शुक्रवार को मोतियाबिंद के 5 मरीजों का निशुल्क ऑपरेशन कर निशुल्क लेंस प्रत्यारोपण कराया गया। ज्ञात हो कि भारत सरकार ने 1976 में राष्ट्रीय अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम (एनपीसीबी) की शुरूआत की थी। जनसंख्या में रोकथाम योग्य अंधापन की व्यापकता को कम करने के लिए यह अभियान चलाया जाता है। यह अभियान 1 से 7 अप्रैल तक गदरा व सोनारी क्षेत्र में लोगों को जागरूकता कार्यक्रम के साथ नेत्र जांच शिविर लगाया गया था। इसमें लगभग 15 मोतियाबिंद एवं आंसू नलिका की समस्या के रोगी चिह्नित हुए थे। इनका ऑपरेशन 7 अप्रैल को किया जाएगा।

धनबाद मंडल कारा होगा शिफ्ट, पहुंचे जेल आईजी

DHANBAD : मंडल कारा धनबाद में व्यवस्थाओं और सुविधाओं का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को सुबह जेल आईजी सुदर्शन मंडल पहुंचे। उनके साथ कारा विभाग के अन्य अधिकारी भी थे। सुबह आठ बजे से 11 बजे तक उन्होंने मंडल कारा का निरीक्षण किया और सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान जेल आईजी ने पाया कि मंडल कारा धनबाद को दूसरी जगह ले जाने की जरूरत है। फिलहाल इसके लिए गोविंदपुर और बरवाअड्डा के बीच पंडुकी में जगह चिह्नित किया गया है, लेकिन इसके अधिग्रहण समेत अन्य प्रक्रिया को लेकर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हो सकी है। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है। जेल शिफ्टिंग को लेकर भी त्वरित कार्रवाई की

धनबाद मंडल कारा

जाएगी। निरीक्षण के बाद आईजी ने बताया कि जरूरत के अनुसार सारी सुविधाएं कैदियों को दी जा रही हैं। उन्होंने माना कि जेल में फोर्स की कमी है। धनबाद मंडल कारा में अधीक्षक भी नहीं हैं। ऐसी स्थिति में भी यहां व्यवस्था संतोषजनक है। उन्होंने कहा कि लगातार झारखंड की जेलों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी कड़ी में धनबाद मंडल की जांच की गई। उन्होंने बताया कि जेल में उपलब्ध संसाधन के अनुसार यहां सब ठीक है।

जन समस्या दूर करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता : डीसी

ग्रामीण की समस्या सुनते उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ● फोटोन न्यूज

LATEHAR : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में उपायुक्त कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को साप्ताहिक जन शिकायत निवारण का आयोजन किया गया। जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। जन शिकायत निवारण के दौरान उपायुक्त ने वहां उपस्थित सभी लोगों से एकझ्एक कर उनकी समस्या सुनी एवं आश्वासन दिया कि उनकी सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जांच कराते हुए शिकायतों का समाधान किया जाएगा। आज के जन शिकायत निवारण में कुल 12 आवेदन प्राप्त हुए जो मुख्य रूप से आंगनबाड़ी केंद्र में सेविका के चयन रद्द करने संबंधित, मुखिया को बदलने के संबंध में, शिक्षक स्थानांतरण संबंधित, भूमि विवाद से संबंधी जुड़े आवेदन आये। जन शिकायत में सभी शिकायतकर्ता की समस्या सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को कड़े शब्दों में निदेशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक सत्यापन करते हुए , समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करें।

रामनवमी जुलूस को लेकर रामगढ़ यातायात व्यवस्था में हुआ बदलाव

RAMGARH : रामनवमी के अवसर पर यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी की ओर से यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। चार से आठ अप्रैल तक समय 02:00 बजे दिन से 02:00 बजे रात्रि तक रामगढ़ शहर में भारी वाहनों और माल वाहक छोटे वाहनों का प्रवेश वर्जित कर दिया गया है। ट्रक, टेंपो, भारी वाहन, सवारी गाड़ी के आवागमन को पूर्णतः बंद कर दिया गया है। कोई भी मालवाहक गाड़ी को शनिचरा हाट से लेकर थाना चौक तक और थाना चौक से लेकर शनिचरा हाट तक प्रवेश वर्जित रहेगा। रांची से आने वाले कोई भी मालवाहक गाड़ी, ट्रक और बस पटेल चौक से कोरिया घाटी, नया मोड़, कुजू डायवर्सन (भाया सुभाष चौक) तथा हजारीबाग से आने वाले कोरिया घाटी, नया मोड़, कुजू डायवर्सन से पटेल चौक (भाया सुभाष चौक) तक प्रवेश वर्जित रहेगा। कोई भी मालवाहक ट्रक या बस बरकाकाना से लेकर सुभाष चौक तक एवं सुभाष चौक से लेकर बरकाकाना तक प्रवेश वर्जित रहेगा।

लापरवाही बरतने वाले अफसरों पर होगी कड़ी कार्रवाई : डीडीसी

AGENCY KHUNTI : उप विकास आयुक्त श्याम नारायण राम ने जिले के अधिकारियों को चेतावनी दी है कि वे विकास कार्यों की गुंणवत्ता का ध्यान रखें। गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं करानेवाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। डीडीसी समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को जिला योजना, विशेष केंद्रीय सहायता, डीएमएफटी, अन्य वर्क्स एजेंसियाँ, जिला अनाबद्ध निधि, नीति आयोग एवं प्रधानमंत्री-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन योजना के अंतर्गत स्वीकृत एवं क्रियान्वित योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों और एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक के दौरान

बैठक करते उपविकास आयुक्त श्याम नारायण राम ● फोटोन न्यूज

योजनाओं की प्रगति, व्यय की स्थिति एवं कार्यान्वयन की गुणवत्ता की समीक्षा की गई। उप विकास आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी योजनाएं निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण की जाएं। उन्होंने कार्य में लापरवाही नही बरतने एवं कार्य गुणवत्तापूर्ण सम्पन्न कराने को कहा। गुणवत्तापूर्ण कार्य नहीं होने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि सभी योजनाओं की जमीनी स्थिति का नियमित निरीक्षण किया जाए और अद्यतन रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, ताकि पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित की जा सके। वहीं कार्य पूर्ण होने के पश्चात ससमय हैंड ओवर करने सहित उपयोगिता प्रमाणपत्र एवं अन्य दस्तावेज जमा करने को कहा गया।

धूमधाम से मनाया गया जिला स्थापना दिवस, पर्यटन स्थलों का हुआ गुणगान

PHOTON NEWS LATEHAR: लातेहार जिला का स्थापना दिवस शुक्रवार को धूमधाम से मनाया गया। पं. दीनदयाल उपाध्याय, नगर भवन में विकास मेला सह परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम हुआ, जिसका उद्घाटन उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव व जिला परिषद की अध्यक्ष पूनम देवी सहित जनप्रतिनिधियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने लातेहार जिला के 24वें स्थापना दिवस पर सभी जिला वासियों को हार्दिक शुभकामना व बधाई दी। उन्होंने कहा कि लातेहार जिला पर्यटन स्थलों की खूबसूरती, हरी-भरी वादियों और संगीतमय झरना आदि के लिए विख्यात है एवं दूसरी और खनिज संपदा से परिपूर्ण है। जिला अंतर्गत पर्यटन और खनन के क्षेत्र में विकास हो रहा है' सरकार विभिन्न क्षेत्रों में निवेश कर

महिला को डमी चेक प्रदान करते डीसी व एसपी ● फोटोन न्यूज

लोगों के विकास एवं रोजगार सृजन के लिए प्रयासरत है। स्वास्थ्य, शिक्षा व खेल खुद के क्षेत्र में बेहतर करने लिए राज्य सरकार और जिला प्रशासन पूरी तरह से कटिबद्ध है और पूरी तरह से प्रयासरत भी है। राज्य सरकार आप सभी के लाभ के लिए विकास के लिए अनेकों योजनाएं चला रही है। सरकार की योजनाओं का लाभ लें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक ने जिलेवासियों को जिला स्थापना दिवस की शुभकामना देते हुए कहा कि ये कहना गलत नहीं होगा कि लातेहार जिले का एक गौरवशाली इतिहास रहा है। लातेहार जिले के चारों ओर पहाड़ों की एक विशाल श्रृंखला है। हरी-भरी वादियां, ऊंचे पर्वत और जंगलों में महुआ व पलाश की खुशबू। लातेहार जिला प्राकृतिक संपदा से परिपूर्ण है।

सभी सूचना तंत्र को एक्टिव रखें पदाधिकारी, छोटी समस्या भी वरीय पदाधिकारियों से साझा करने का दिया निर्देश

रामनवमी के जुलूस मार्गों की सीसीटीवी से की जाएगी निगरानी : डीसी

PHOTON NEWS LATEHAR: रामनवमी पर्व के मद्देनजर उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता एवं पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव ने शुक्रवार को संयुक्त रूप से शहरी क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न जुलूस निकालने के मार्गों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में जुलूस आवागमन को सुलभ बनाने सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने जुलूस हेतु निर्धारित मार्गों में रोशनी की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही सभी जगहों पर दंडाधिकारी और पुलिस बल पर्याप्त मात्रा में तैनात करने का निर्देश दिया गया। सुरक्षा के दृष्टिकोण से जुलूस मार्गों पर पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी लगाने का निर्देश दिया गया, जिससे जुलूस की निगरानी की जाएगी। इस दौरान उपायुक्त ने सभी अधिकारियों से समन्वय बनाकर समय सीमा में

कंट्रोल रूम में सीसीटीवी लगाने की प्रक्रिया देखते डीसी-एसपी ● फोटोन न्यूज

सभी कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को सड़क मार्ग में पड़ने वाले पेड़ों के डालियों, अव्यवस्थित बिजली के तारों आदि को व्यवस्थित करने का निर्देश दिया। रुट का निरीक्षण बाजार टांड़, थाना चौक तक किया गया। इस दौरान उपायुक्त ने कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। इससे पूर्व डीसी-एसपी ने विधि व्यवस्था से संबंधित समीक्षा बैठक की। बैठक में उपायुक्त ने जिले के सभी अंचल अधिकारियों, थाना प्रभारियों से अपने अंचल व थाना क्षेत्रों में रामनवमी को लेकर की जा रही तैयारियों की जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिले के सभी एसडीओ, एसडीपीओ व थाना प्रभारी को अलर्ट मोड में रहने का निर्देश दिया गया। साथ ही सभी सूचना तंत्र को एक्टिव करने का निर्देश दिया गया। बैठक में उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्रकार के धार्मिक यात्राएं, कार्यक्रमों, जुलूस, झांकी आदि में विशेष रूप से निगरानी की जाए। रामनवमी जुलूस संपन्न होने तक अपने अपने क्षेत्रों में सभी अंचल अधिकारी व थाना प्रभारी समन्वय बनाते हुए क्षेत्र का भ्रमण करेंगे और विधि व्यवस्था का जायजा लेंगे। कहीं भी किसी प्रकार की छोटी से छोटी समस्या हो तो तुरंत अपने सीनियर पदाधिकारी को सूचित करेंगे। इस मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार अजय कुमार रजक, विशेष कार्य पदाधिकारी गोपनीय शाखा श्रेयांश, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, एसडीपीओ अरविंद कुमार व प्रखंड विकास पदाधिकारी लातेहार, अंचल अधिकारी व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

BRIEF NEWS

श्री-श्री महाबली हनुमान भक्त मंडल के मुख्य संरक्षक बने नंद लाल साहू

RANCHI : श्री-श्री महाबली हनुमान भक्त मंडल के मुख्य संरक्षक सह कन्याकुब्ज स्वर्णकार परिवार के प्रमुख नंद लाल साहू एवं वरिष्ठ संरक्षक अरविंद सोनी व अरुण वर्मा को मंडल द्वारा चुनरी एवं तलवार भेंट कर सम्मानित किया गया। मौके पर समिति के अध्यक्ष अमित सोनी एवं कोषाध्यक्ष आयुष राज वर्मा उपध्यक्ष सौरव नायक, सुंदरम सिंह वह अन्य लोग मौजूद थे।

आजसू नेता आदिल अजीम ने पार्टी के सभी पदों से दिया इस्तीफा

RANCHI : वक्फ संशोधन बिल संसद में पास हो जाने और आजसू पार्टी के समर्थन से नाराज चान्हो जिला परिषद सदस्य आदिल अजीम ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने एक लेटर जारी किया, जिसमें लिखा मैं आदिल अजीम आजसू पार्टी की प्राथमिक सदस्यता एवं पार्टी के केंद्रीय सदस्य अथवा तमाम पदों से इस्तीफा देता हूं। वक्फ बिल हम भारतीय मुसलमानों के विरुद्ध है। मैं किसी भी सूरत-ए-हाल में इसे समर्थन देनेवाले पार्टी के साथ नहीं रह सकता। यह बिल संविधान के कई मौलिक अधिकारों का हनन करता है।

बीडीओ ने घाघरा पंचायत भवन में की विकास योजनाओं की समीक्षा

RANCHI : शुक्रवार को बेड़ो प्रखंड के घाघरा पंचायत भवन में नए वित्तीय वर्ष की शुरूआत के साथ एक साप्ताहिक समीक्षा बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी राहुल उरांव ने की। बैठक में मनरेगा, आवास योजना, 15वां वित्त, कृषि, पशुपालन, कल्याण सहित सभी विभागों की समीक्षा की गई। बीडीओ ने सभी विभागीय कर्मियों को नए सत्र में नई ऊर्जा और सकारात्मक सोच के साथ कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकासात्मक कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और कार्यशैली में बदलाव लाना अनिवार्य है, ताकि निर्धारित लक्ष्यों को समय पर प्राप्त किया जा सके। उन्होंने यह भी घोषणा की कि अब प्रत्येक सप्ताह किसी न किसी पंचायत में समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया जाएगा, जिससे अन्य पंचायतों में हो रहे कार्यों की जानकारी भी एक-दूसरे को मिल सके। बैठक के प्रारंभ में पंचायत मुखिया रमेश उरांव ने सभी पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए पंचायत स्तर पर बैठक आयोजित करने की पहल को सराहनीय बताया।

गोस्सनर कॉलेज में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने किया उद्घाटन, बोले-

विकसित भारत बनाने के लिए युवा आबादी देश की सबसे बड़ी शक्ति

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने रांची स्थित गोस्सनर कॉलेज में आयोजित डेवलप्ड इंडिया @ 2047: चार्टिंग मल्टी डिसिप्लिनरी एंड मल्टी इंस्टीट्यूशनल पाथ वेज फॉर इन्क्लूसिव ग्रोथ एंड ग्लोबल लीडरशिप विषय पर आधारित इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने भारत के विकास की दिशा में विभिन्न पहलुओं को उजागर किया और देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने का सुझाव दिया। राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत केवल आर्थिक समृद्धि का नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, सामाजिक और वैज्ञानिक समृद्धि का भी प्रतीक होगा। उन्होंने भारत की युवा जनसंख्या देश की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए उन्हें नवाचार, स्टार्टअप, शोध और उद्यमिता की ओर प्रेरित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार व अन्य ● फोटोन न्यूज

स्थानीय उत्पादों को दें बढ़ावा

राज्यपाल ने स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, खादी और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने की बात की और कहा कि भारत पारंपरिक ज्ञान और आधुनिकता का संयोजन करके वैश्विक उत्पादन केंद्र बन सकता है। उन्होंने इस सम्मेलन से उम्मीद जताई कि यह केवल शैक्षणिक विमर्श तक सीमित न रहे, बल्कि ठोस नीतिगत सुझावों के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देगा।

देश बन रहा आत्मनिर्भर

गवर्नर ने भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए अभियानों जैसे आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और वोकल फॉर लोकल का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इन पहलों के माध्यम से भारत न केवल आत्मनिर्भर हो रहा है, बल्कि वैश्विक नेतृत्व की ओर अग्रसर भी हो रहा है। राज्यपाल ने भारत के स्टार्टअप हब बनने का उल्लेख करते हुए इसे वैश्विक परिवर्तन के एक महत्वपूर्ण स्रोत के रूप में देखा। राज्यपाल ने शिक्षण संस्थानों से आग्रह किया कि वे छात्रों को सिर्फ नौकरी खोजने वाला न बनाकर रोजगार सृजन करने वाला बनाए। इसके अलावा, उन्होंने शोध कार्यों में मौलिकता और समाजोपयोगी समाधानों की आवश्यकता पर जोर दिया।

चप्पे-चप्पे पर तैनात रहेंगे जवान, डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन करेगा शहर की निगरानी

रामनवमी को लेकर पुलिस प्रशासन ने कसी कमर, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को रामनवमी है। इसे अभी से लेकर राजधानी राममय हो चुकी है। पूरा शहर भक्ति के माहौल में डूबा है। इस बीच प्रशासन ने अपनी ओर से पूरी तैयारी कर रखी है। वहीं पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम कर रखा है, त्योहारों के दौरान कोई अनहोनी न हो जाए। इसके अलावा शहर की सफाई व्यवस्था देखने का जिम्मा रांची नगर निगम का है। सफाई से लेकर शहर में लाइट की व्यवस्था दुरुस्त करने का निर्देश निगम कर्मियों को दिया गया है।

सीसीटीवी से की जाएगी मॉनिटरिंग : उपायुक्त ने रामनवमी जुलूस मार्गों पर सुगम यातायात व्यवस्था के लिए दंडाधिकारियों और पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति की बात कही। इसके अलावा प्रमुख चौक-चौराहों पर सीसीटीवी से निगरानी रखने, जुलूस मार्गों पर लाइट, बैरिकेटिंग, साफ-सफाई, मेडिकल टीम और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए दिशा-निर्देश दिए। सोशल मीडिया पर भी 24x7 निगरानी रखी जाएगी, ताकि असामाजिक तत्व भ्रामक संदेश न फैला सकें। उपायुक्त ने कहा कि रांची में हर साल की तरह इस वर्ष भी रामनवमी पर्व को सहयोग और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न किया जाएगा।

थाना प्रभारी पर होगी कार्रवाई : रांची के डीआईजी और एसएसपी चंदन सिन्हा ने पुलिस अधिकारियों को संवेदनशील इलाकों का दौरा करने और सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने का निर्देश दिया है। साथ ही उन्होंने इन इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करने का आदेश भी दिया है। एसएसपी ने स्पष्ट रूप से चेतावनी दी कि यदि किसी भी इलाके में गड़बड़ी होती है तो संबंधित थाना प्रभारी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सिटी कंट्रोल रूम में पुलिस को यह निर्देश दिया गया है कि वे शहर भर में लोगों की गतिविधियों पर निगरानी रखें और किसी भी संदिग्ध सूचना को तुरंत स्थानीय पुलिस तक पहुंचाएं।

ब्लैक स्पॉट्स पर लाइट लगाने का निर्देश : महारामनवमी के मद्देनजर रांची नगर निगम द्वारा शहर में विशेष सफाई और व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। प्रशासक संदीप सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को सभी रामनवमी आयोजन समितियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें विभिन्न समितियों से महत्वपूर्ण सुझाव लिए गए। पूजा समितियों ने शहर के मुख्य मार्गों के अलावा ब्लैक स्पॉट्स पर लाइट लगाने की अपील की। जिससे कि त्योहार के दौरान कोई घटना-दुर्घटना न हो जाए। वहीं सुझावों को ध्यान में रखते हुए प्रशासक संदीप सिंह ने संबंधित अधिकारियों और टीम को आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि रांची नगर निगम की टीम को युद्धस्तर पर सफाई व्यवस्था और अन्य व्यवस्थाओं का निष्पादन करने का निर्देश दिया गया है।

डीसी ने लिया शहर का जायजा

रामनवमी पर्व को शांतिपूर्वक और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह से तैयार है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री ने शुक्रवार को जिले के वरीय पदाधिकारियों के साथ चर्चा के बाद रामनवमी जुलूस के रूट व प्रमुख मंदिरों का जायजा लिया। इस दौरान हेहल मंडप टोली मंदिर, दक्षिण मुखी बजरंगबली मंदिर, विश्वनाथ शिव मंदिर पिस्का मोड़, श्री महावीर मंदिर पंडरा और तपोवन मंदिर निवारणपुर सहित अन्य मंदिरों में व्यवस्था का निरीक्षण किया।

- थाना प्रभारियों को सख्ती बरतने का दिया गया है निर्देश
- हर स्तर पर अलर्ट मोड में पुलिस
- रांची नगर निगम चला रहा विशेष सफाई अभियान
- महावीरी झंडों से पट चुकी है राजधानी

ड्रोन से की जा रही निगरानी

झारखंड पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड में है। पुलिस ने शहरी बस्तियों में विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष निगरानी अभियान शुरू किया है। खासकर उन क्षेत्रों में जहां रामनवमी के जुलूस के निकलने की संभावना है। रांची पुलिस ने ड्रोन की मदद से निगरानी की। मेन रोड, हिंदपीढ़ी, डेली मार्केट जैसे संवेदनशील इलाकों में पुलिस ने ड्रोन से छतों पर रखी गई संदिग्ध सामग्री जैसे ईंट और पत्थरों की पहचान की। वहीं तत्काल उसे हटाने का निर्देश दिया है।

27 प्रतिशत अल्पसंख्यकों के अधिकारों पर हमला कर रही केंद्र सरकार : शिल्पी नेहा तिर्की

PHOTON NEWS RANCHI : वक्फ बिल में संशोधन को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने इसे देश के 27% मुस्लिम, ईसाई, सिख, जैन और बौद्ध अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकारों पर हमला बताया। उन्होंने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 14, 25 और 30 के तहत अल्पसंख्यकों को अपनी संपत्तियों के स्वामित्व और धर्म का प्रचार करने के मौलिक अधिकार प्राप्त हैं। लेकिन इस विधेयक के माध्यम से भाजपा इन्हें छीनने की कोशिश कर रही है। कृषि मंत्री ने आरोप लगाया कि भाजपा मुस्लिम समुदाय की सशक्तीकरण की बातें करती है, लेकिन असल में यह समुदाय की भलाई के लिए नहीं, बल्कि अपनी राजनीतिक मंशाओं को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने भाजपा से सवाल किया कि अगर उन्हें मुस्लिम महिलाओं की इतनी चिंता है, तो क्यों नहीं वे बिहार विधानसभा चुनाव में मुस्लिम महिलाओं को 50% आरक्षण देने की बात कर रही है।

वक्फ संपत्ति को निशाना बना रही भाजपा

पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप बालमुचू और कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने भी भाजपा के दावों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि भाजपा आदिवासियों की जमीनों के संरक्षण के नाम पर सिर्फ दिखावा कर रही है, जबकि सीएनटी एसपीटी एक्ट को बदलने की कोशिशों ने पहले ही आदिवासियों के अधिकारों को नुकसान पहुंचाया है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा वक्फ संपत्तियों को निशाना बना रही है, जबकि देश में भाजपा का राजनीतिक माहौल सिर्फ अल्पसंख्यकों और आदिवासियों के खिलाफ है।

झारखंड में बेरोजगारी की स्थिति गंभीर राज्य सरकार उदासीन : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI : भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य में बढ़ती बेरोजगारी को लेकर राज्य सरकार पर कड़ा हमला किया है। उन्होंने कहा कि झारखंड में बेरोजगारी की स्थिति दिनों-दिन गंभीर होती जा रही है और यह राज्य सरकार की उदासीनता का परिणाम है। उन्होंने श्रम विभाग के ताजा आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि राज्य में 3,44,823 लोग नौकरी की तलाश में हैं, जिनमें 2,45,420 पुरुष और 99,382 महिलाएं शामिल हैं। ये आंकड़े राज्य में रोजगार संकट की गंभीरता को दर्शाते हैं, लेकिन सरकार की ओर से इसे दूर करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

शिक्षित बेरोजगारों की संख्या बढ़ी उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवा या तो राज्य से पलायन करने के लिए मजबूर हैं या फिर कम वेतन वाली और अस्थायी नौकरियों को अपनाने के लिए विवश हैं। प्रदेश अध्यक्ष ने यह भी कहा कि राज्य में शिक्षित बेरोजगारों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। लाखों युवा उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, लेकिन उनके लिए उपयुक्त नौकरियों का अभाव है। सरकारी भर्तियां या तो स्थगित कर दी जाती हैं या फिर पारदर्शिता की कमी के कारण विवादों में घिर जाती हैं। बढ़ते अपराध और निजी क्षेत्र में उद्योगों की सीमित संख्या के कारण रोजगार के अवसर बेहद कम सृजित हो रहे हैं।

नियोजन कार्यालय पंजीकरण तक सीमित : बाबूलाल ने आगे कहा कि राज्य के नियोजन कार्यालय सिर्फ बेरोजगारों के पंजीकरण तक ही सीमित रह गए हैं और नौकरी दिलाने की उनकी भूमिका लगभग समाप्त हो चुकी है। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से अपील की कि वे पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी से रोजगार सृजन और नौकरी उपलब्ध कराने के प्रयास करें, ताकि झारखंड के युवा राज्य के विकास में योगदान दे सकें और सम्मानजनक जीवन जी सकें।

श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति के पूजा पंडाल में मां के दर्शन को उमड़े श्रद्धालु

AGENCY RANCHI : शुक्रवार को श्री चैती दुर्गा पूजा महासमिति भुताहा तालाब द्वारा महासप्तमी के अवसर पर बेलवरण पूजा की गई। वहीं नव पत्रिका प्रवेश के साथ भव्य पूजा पंडाल का उद्घाटन किया गया। पंडाल के उद्घाटन के बाद ही मां के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी पूजा पंडाल का उद्घाटन महासमिति के मुख्य संरक्षक किशोर साहू, रमेश सिंह, उदय साहू और राजकुमार गुप्ता के हाथों हुआ। उद्घाटन के समय महासमिति के कई प्रमुख पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे। इनमें अध्यक्ष शंकर दुबे, महामंत्री गोपाल पारीक, कोषाध्यक्ष संजय सिंह, प्रवक्ता नमन भारतीय, मीडिया प्रभारी सौरभ राय समेत अन्य पदाधिकारीगण शामिल थे।

बजरंगबली के होंगे दर्शन : संस्था के अध्यक्ष श्री शंकर दुबे और प्रवक्ता नमन भारतीय ने बताया कि पहले और दूसरे मंगलवारी के सफल आयोजन के बाद अष्टमी को संध्या 7 बजे से भक्त जीवंत बजरंगबली के दर्शन करेंगे। 101 किलो शुद्ध घी से निर्मित लड्डू भोग के साथ ढोल नगाड़े और अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन किया जाएगा।

बेड़ो में सरना आदिवासी विकास समिति का मना चौथा स्थापना दिवस

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को सरना आदिवासी विकास समिति के चौथे स्थापना दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें झारखंड सरकार की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। इस अवसर पर मंत्री ने इंडीजीनियस पब्लिक स्कूल, जामटोली का उद्घाटन भी किया। कार्यक्रम में शिक्षा जगत से जुड़ी कई प्रतिष्ठित हस्तियां भी मौजूद थीं। अपने संबोधन में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि आज के बदलते दौर में शिक्षा को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। उन्होंने विशेष रूप से माताओं की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि अब मां को अपने बच्चों के पहले शिक्षक की भूमिका निभानी होगी। मंत्री ने स्कूल निर्माण को ऐतिहासिक शुरूआत बताते हुए इसे समाज के लिए मील का पत्थर कहा। उन्होंने स्कूल प्रबंधन को समाज में सकारात्मक सोच का प्रतीक बताते हुए भरोसा दिलाया कि वे व्यक्तिगत रूप से हमेशा स्कूल के साथ खड़ी रहेंगी।

त्योहारों के बाद रांची नगर निगम ने की कार्रवाई की तैयारी

राजधानी में अवैध रूप से चल रहे आरओ वाटर प्लांट पर लगेगा ताला

VIVEK SHARMA RANCHI : रांची नगर निगम ने शहर में पानी का कारोबार करने वाले आरओ संचालकों के लिए एक नोटिस जारी किया था। इसमें आरओ वाटर प्लांट संचालकों को रांची नगर निगम से लाइसेंस लेने का निर्देश दिया गया था। लेकिन, तीन महीने बीत जाने के बावजूद आरओ संचालकों ने लाइसेंस के लिए आवेदन ही नहीं दिया है। अब तक पूरे शहर से मात्र 4 लोगों ने आवेदन दिया है। इससे साफ है कि अवैध रूप से पानी का कारोबार करने वाले इन आरओ संचालकों को कार्रवाई का कोई डर नहीं है। हालांकि रांची नगर निगम ने इसके लिए पूरी तैयारी कर ली है। वहीं अवैध रूप से चल रहे प्लांट पर ताला लगा दिया जाएगा। इतना ही नहीं, एक्ट के तहत इन संचालकों पर कार्रवाई भी की जाएगी।

3 महीने की डेडलाइन खत्म : नगर निगम की ओर से आरओ संचालकों को तीन महीने का समय दिया गया था। इसके तहत लाईसेंस के लिए 5000 रुपये रजिस्ट्रेशन शुल्क और 20000 रुपये वार्षिक शुल्क जमा करने का निर्देश दिया गया था। यह कदम इसलिए उठाया गया था, ताकि नागरिकों को शुद्ध और सुरक्षित पानी उपलब्ध हो सके। वहीं, ग्राउंड वाटर निकालकर कारोबार करने वालों पर सख्ती बरती जा सके। लेकिन, डेडलाइन खत्म होने के बाद भी संचालक इंटरेस्ट नहीं दिखा रहे है।

5000 रुपये रजिस्ट्रेशन के लिए किए गए हैं निर्धारित

- लाइसेंस के लिए तीन महीने में मात्र आधा दर्जन संचालकों ने दिया आवेदन
- तीन महीने के अंदर लाइसेंस लेने का रांची नगर निगम ने दिया था अल्टीमेटम
- 20 हजार रुपये सालाना देना है पानी का कारोबार करने के लिए

जोन के आधार पर लाइसेंस

लाइसेंस देने के लिए पूरे शहर को चार जोन में बांटा गया है। इसके आधार पर लाइसेंस की स्वीकृति दी जाएगी। जिसमें सेफ जोन जहां पानी की आपूर्ति में कोई गंभीर समस्या नहीं है। इन क्षेत्रों में संचालित होने वाले वाटर प्लांट को आसानी से लाइसेंस मिल जाएगा। सेमी क्रिटिकल जोन के लिए पानी की किल्लत हो सकती है, लेकिन तत्काल कोई गंभीर संकट नहीं है। यहां प्लांट संचालकों को मार्च 2026 तक लाइसेंस दिया जाएगा। क्रिटिकल जोन में जहां पानी की कमी है और जल संकट एक बड़ी समस्या बन चुका है।

ये मांगे गए थे दस्तावेज

वाटर प्लांट संचालकों को लाइसेंस के लिए रजिस्ट्रेशन कराते समय कुछ आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया था। इसमें आधार कार्ड, कंपनी या फर्म रजिस्ट्रेशन, बिजली बिल, होल्डिंग रसीद, केंद्रीय भूगर्भ जल प्राधिकार का एनओसी (नोडल ऑफिसर का प्रमाण पत्र) और रेन वाटर हार्वेस्टिंग की योजना के दस्तावेज देना था। इन कागजातों की जांच के बाद निगम संबंधित प्लांट को लाइसेंस जारी करता। लेकिन संचालकों द्वारा इंटरेस्ट नहीं दिखाए जाने से साफ है कि उन्हें कार्रवाई का कोई डर नहीं है।

रांची में 19 व 20 अप्रैल को होगा भारतीय वायुसेना का पहला एयर शो

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में भारतीय वायुसेना का पहला एयर शो 19 और 20 अप्रैल को रांची में होगा। यह एयर शो सूर्य किरण एक्रोबैटिक टीम द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा और इसका आयोजन खोजा टोली आर्मी ग्राउंड में किया जाएगा। एयर शो से पहले 17 अप्रैल को इसका फुल ड्रेस रिहर्सल भी किया जाएगा। शुक्रवार को भारतीय वायुसेना के एक दल ने रांची के उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री से उनके कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान वायुसेना के अधिकारियों ने एयर शो की तैयारियों, कार्यक्रम की गतिविधियो और प्रशासनिक सहयोग के संबंध में चर्चा की। वायुसेना के अधिकारियों ने उपायुक्त को एयर शो की सभी गतिविधियों से अवगत कराया और रिहर्सल के दौरान और मुख्य कार्यक्रम के दिन की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी दी।

जिला प्रशासन करेगा सहयोग : उपायुक्त ने वायुसेना के अधिकारियों को आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन द्वारा एयर शो की सफलता के लिए हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। प्रशासन की ओर से आवश्यक प्रशासनिक तैयारी, प्रचार-प्रसार और तकनीकी सहयोग सुनिश्चित किया जाएगा ताकि यह आयोजन निर्बाध रूप से हो सके। इस मुलाकात में भारतीय वायुसेना से विंग कमांडर पी के सिंह और स्क्वाड्रन लीडर वालिया भी उपस्थित थे। साथ ही जिला प्रशासन के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी इस बैठक में शामिल हुए और एयर शो की सफलता के लिए अपने सहयोग का आश्वासन दिया।

समाचार सार

थैलेसीमिया पीड़ित बच्ची की मां से मिले झामुमो नेता

GHATSILA : उत्तरी मऊभंडार पंचायत अंतर्गत किताडीह गांव में झामुमो का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा। यहां उन्होंने थैलेसीमिया पीड़ित बच्ची की मां से मिले और हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत ने बताया कि मंत्री रामदास सोरेन के निर्देश पर पीड़ित के घर जाकर पूर्ण जानकारी ली गई है। 7 वर्षीय अमृता दंडपात के पिता देवव्रत दंडपात की मृत्यु 4 वर्ष पहले हो चुकी है। परिवार में विधवा मां संगीता दंडपात और 4 वर्ष की छोटी बहन है। विधायक प्रतिनिधि ने कहा राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजना के अंतर्गत बच्ची को पेंशन एवं नियम अनुसार पीड़िता को रक्त भी उपलब्ध कराया जाएगा।

भूतिया गांव से सटे जंगल में पहुंचे हाथी

BAHRAGORA : बहरागोड़ा प्रखंड के भूतिया गांव से सटे जंगल में शुक्रवार को दो हाथियों के पहुंचने की सूचना मिलने पर वन विभाग सतर्क हो गया है। विभाग ने आसपास के ग्रामीणों को सचेत रहने की सलाह दी है। ग्रामीणों से अपील की गई है कि वे जंगल की ओर जाने से बचें और हाथियों की फोटो या वीडियो बनाने का जोखिम न उठाएं। हाथियों को किसी भी तरह से परेशान न करें। वन विभाग की टीम हाथियों के मूवमेंट पर नजर रख रही है। हालांकि, अभी तक हाथियों ने किसी को भी किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाया है।

अनुमंडल अस्पताल में हुई पहली सिजेरियन डिलीवरी

GHATSILA : अनुमंडल अस्पताल, घाटशिला में पहली बार सिजेरियन डिलीवरी हुई है। राजस्टेट गांव की 26 वर्षीय नेहा नाज का शुक्रवार को सर्जरी कर प्रसव कराया गया। अस्पताल के बीपीएम मयंक कुमार ने बताया कि स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ पुष्पा हांसदा, निश्चेतक डॉ. राम सोरेन व एमओआइसी डॉ. राजेंद्र नाथ सोरेन की देखरेख में यह ऑपरेशन किया गया। महिला ने बालक को जन्म दिया है, जिसका वजन 3.6 किलोग्राम था। ऑपरेशन के बाद जच्चा-बच्चा स्वस्थ हैं। इस दौरान महिला का पति मोहम्मद रिजवान अली भी अस्पताल में मौजूद था।

किताब बेचने वाले स्कूलों पर कार्रवाई की मांग

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर अभिभावक संघ के अध्यक्ष डॉ. उमेश कुमार ने शुक्रवार को उपायुक्त व जिला शिक्षा अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा, जिसमें किताब बेचने वाले स्कूलों पर कार्रवाई की मांग की है। डॉ. उमेश ने कहा कि झारखंड शिक्षा न्यायाधिकरण संशोधन अधिनियम-2017 की धारा 7 अ (3) में प्रावधान है कि विद्यालय भवन, संरचना या परिसर का उपयोग केवल शिक्षा के उद्देश्य के लिए किया जाएगा और विद्यालय परिसर में अवस्थित कियोस्क से पुस्तक, वर्दी, जूते आदि क्रय के लिए अभिभावकों व छात्र-छात्राओं को बाध्य या प्रेरित नहीं करेगा।

एसबीआई ने तीरंदाज झानू हांसदा का किया सम्मान

JAMSHEDPUR : भारतीय स्टेट बैंक के गृह ऋण केंद्र में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज झानू हांसदा व टाटा स्टील कर्मी सह फुटबॉल कोच रहे प्रदीप कुमार पाल को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर गृह ऋण केंद्र के सहायक महाप्रबंधक विजय केरकेट्टा, असबी नाज, मुख्य प्रबंधक रजनीश रंजन व विनय कुमार, रिंटू रजक, मनोज कुमार आदि अतिथियों को पुष्पगुच्छ व शॉल भेंट किया।

अर्का जैन के शोधार्थियों ने किया जागरूक

JAMSHEDPUR : अर्का जैन विश्वविद्यालय के शोध विभाग ने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई और उन्नत भारत अभियान (यूबीए) सेल के सहयोग से हरिसुंदरपुर गांव में जागरूकता अभियान चलाया। इसका उद्देश्य ग्रामीणों को 'आयुष्मान भारत योजना' के तहत मिलने वाले स्वास्थ्य लाभों के प्रति जागरूक करना था।

अभिनेता मनोज कुमार को दी गई श्रद्धांजलि

JAMSHEDPUR : नाट्य संस्था पथ ने शुक्रवार को भारतीय सिनेमा के प्रसिद्ध अभिनेता, लेखक और निर्देशक मनोज कुमार को श्रद्धांजलि दी। सबसे पहले दो मिनट का मौन रखा गया, फिर संस्था के निदेशक मो. निजाम ने मनोज कुमार के जीवन, उनके सिनेमा के प्रति दृष्टिकोण और उनके बहुआयामी योगदान की चर्चा की। इस दौरान उनकी फिल्मों की विचारधारा, शैली और उनके संवादों की प्रस्तुति भी की गई। संस्था के कलाकारों ने 'उपकार' और 'पूरब और पश्चिम' के प्रसिद्ध दृश्यों का सजीव मंचन प्रस्तुत किया।

आदित्यपुर में मिला 16 लाख का ब्राउन शुगर, दो कारतूस बरामद

अफसर अली हत्याकांड के आरोपी जमील अंसारी ने पुलिसिया पूछताछ में किया था खुलासा

PHOTON NEWS ADITYAPUR : सरायकेला-खरसावां जिले का आदित्यपुर कुछ सालों से ब्राउन शुगर का हब बना हुआ है। यहां अक्सर इसका धंधा करने वालों के बीच मारपीट और हत्या तक की खबरें आती रहती हैं। पुलिस छापेमारी में भी तस्कर पकड़े जाते हैं, लेकिन इस मामले में शुक्रवार को जो खुलासा हुआ, वह चौंकाने वाला है। पुलिस ने 16 लाख रुपये का ब्राउन शुगर जब्त किया है।

दरअसल, आदित्यपुर थाना क्षेत्र के सीतारामपुर डैम के पास 14 मार्च को ब्राउन शुगर के कारोबारी मुस्लिम बस्ती, आदित्यपुर निवासी अफसर अली की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने अपराधी मोहम्मद जमील अंसारी उर्फ छोटा राजू को रिमांड पर लिया था। उसने पुलिसिया पूछताछ में चौंकाने वाला खुलासा किया।

पुलिस गिरफ्त में जमील अंसारी, बरामद ब्राउन शुगर व कारतूस

इसके बाद पुलिस ने आदित्यपुर की मुस्लिम बस्ती स्थित उसके घर से 77।47 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद किया, जिसका अनुमानित मूल्य करीब 16 लाख रुपये है। यही नहीं, उसके घर से 8 एमएम का दो कारतूस भी मिला।

अफसर अली हत्याकांड में दो अपराधी भेजे जा चुके जेल : यहां बता दें कि अफसर अली हत्याकांड मामले में पुलिस ने इससे पूर्व फकरे आलम और मोहम्मद करीम को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।

इसी हत्याकांड में आरोपी जमील अंसारी उर्फ छोटा राजू ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया था। कांड के अनुसंधानकर्ता पुलिस अवर निरीक्षक अरुण कुमार महतो ने जमील अंसारी को पूछताछ के लिए रिमांड पर लाया था। पूछताछ के दौरान जमील अंसारी ने बताया कि उसके घर की अलमारी में ब्राउन शुगर रखा गया है। उसके बाद एसडीपीओ समीर सवैया के नेतृत्व में आदित्यपुर थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह ने मुस्लिम बस्ती में दबिश दी। उसके घर से जमील का आधार कार्ड, पैन कार्ड और ई-श्रम कार्ड भी बरामद किया गया। अफसर अली हत्याकांड के बाद एसपी मुकेश कुमार लुणायत के निर्देश पर एसडीपीओ समीर कुमार संवैया के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया था। इसमें आदित्यपुर के थाना प्रभारी राजीव कुमार सिंह और गम्हरिया के थाना प्रभारी कुणाल कुमार के साथ आदित्यपुर व गम्हरिया थाना के एक दर्जन पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मियों को लगाया गया था।

घर के बाहर खड़ी कार में लगी आग

SERAIKELA : सरायकेला-खरसावां जिले के आदित्यपुर नगर निगम के वार्ड-2 में लगातार दूसरे दिन घर के बाहर खड़ी कार में आग लग गई। इससे स्थानीय लोगों में आक्रोश है। यह घटना जुलुमटांड़ बस्ती की है। घटना शुक्रवार सुबह करीब 3.30 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार विकास गोराई नामक युवक के घर के बाहर उसकी इंडिका कार खड़ी थी। अचानक उसमें आग लगी और टायर फटने लगे। विकास ने इसके पीछे असामाजिक तत्वों का हाथ होने की बात कही है। उसने बताया कि उसकी मां ने सबसे पहले कार को जलते हुए देखा। जब तक आग पर काबू पाया जाता, तब तक कार का आधा हिस्सा जल चुका था। सूचना मिलते ही आदित्यपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। बता दें कि गुरुवार को भी जमालपुर में असामाजिक तत्वों ने एक कार को आग के हवाले कर दिया था। लगातार दूसरे दिन इस तरह की घटना से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। निवर्तमान पार्षद अभिजीत महतो ने पूरे मामले की जांच कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है।

बहरागोड़ा में बालू माफिया ने ग्रामीणों का सिर फोड़ा

थाने में ग्रामीणों पर ही करा दी एफआईआर, ट्रैक्टर से कर रहे बालू की ढुलाई

PHOTON NEWS JSR: बहरागोड़ा थाना क्षेत्र के हरिहरपुर गांव में कई साल से सड़क निर्माण नहीं हुआ है। कुछ लोग इसी सड़क से ट्रैक्टर के जरिए अवैध बालू की ढुलाई कर रहे हैं। इससे सड़क की स्थिति और खराब हो गई। कुछ दिन पहले हुई बरसात में सड़क से गुजरना दुश्वार हो गया था। इस पर ग्रामीणों ने ट्रैक्टर से बालू लाद कर इस सड़क से ले जाने वालों से दूसरे रास्ते से ट्रैक्टर ले जाने को कहा तो वे लोग ग्रामीणों से नाराज हो गए। ग्रामीणों के साथ मारपीट की। ग्रामीणों का आरोप है कि युवकों ने उनके साथ मारपीट की। इस मारपीट में एक ग्रामीण का सिर भी फट गया। यही नहीं मारपीट करने वालों ने बहरागोड़ा थाना में ग्रामीणों के खिलाफ ही रिपोर्ट दर्ज कराई। ग्रामीणों का आरोप है कि पुलिस बालू की अवैध धुलाई करने वालों पर कार्रवाई नहीं कर रही है।

इसी नदी घाट से की जा रही बालू की निकासी व अपनी पीड़ा बतातीं महिला ● फोटोन न्यूज

विधायक के हस्तक्षेप का भी असर नहीं

बताते हैं कि एक रिटायर्ड पुलिसकर्मी 64 वर्षीय शक्ति घोष भी मारपीट में घायल हुए। इस मामले में ग्रामीणों ने बहरागोड़ा के विधायक समीर कुमार मोहंती से मामले की शिकायत की है। ग्रामीणों ने बताया कि विधायक ने बहरागोड़ा के सीओ को फौरन कार्रवाई करने और बालू का उठाव बंद कराने को कहा है। ग्रामीणों का कहना है कि विधायक के हस्तक्षेप के बाद भी अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। दोषी लोग अभी भी घूम रहे हैं। गांव में आकर ग्रामीणों को अनाप-शनाप बक रहे हैं। ग्रामीणों ने घाटशिला के सीडीपीओ को भी आवेदन देकर मामले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करने की मांग की है।

> बहरागोड़ा के हरिहरपुर में बालू की अवैध ढुलाई हो रही है। ग्रामीणों की मांग है कि बालू ढुलाई उनके गांव के रास्ते से नहीं हो, क्योंकि रास्ता खराब हो रहा है। इस मामले में मारपीट हुई थी। पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस मामले में कार्रवाई कर रही है।
>
> – राजाराम मुंडा, सीओ

कार के धक्के से हुई नाबालिग बच्चे की मौत

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मंझारी थाना अंतर्गत भरभरिया गांव निवासी प्रधान चातर की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को सुबह लगभग 8 बजे प्रधान चातर अपने गांव में सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान एक मारुति कार ने धक्का मार दिया। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे घटनास्थल से उठाकर सदर अस्पताल लाया गया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। सदर थाना थाना पुलिस को घटना की सूचना मिली तो सदर अस्पताल आकर शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम कराया। मृतक के परिजनों ने बताया कि प्रधान चातर गांव के स्कूल में वर्ग 5 वीं में पढ़ता था। शुक्रवार को सुबह वह घर से बाहर निकाल कर सड़क पार कर रहा था। इसी दौरान कार ने धक्का मार दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा सदर थाना भेज दिया।

एसडीयू व सीआईआई-यंग इंडियंस में हुआ एमओयू

समझौते की प्रति का आदान-प्रदान करते प्रतिनिधि ● फोटोन न्यूज

GHATSILA : सोना देवी विश्वविद्यालय और कनफेडरेशन आफ इंडियन इंडस्ट्रीज-यंग इंडियंस के बीच शुक्रवार को घाटशिला स्थित विश्वाविद्यालय कार्यालय में एमओयू हुआ। 3 वर्षों के लिए हुए करार में सीआईआई-वाईआई विद्यार्थियों को विकसित भारत के सपने को साकार करने का एक मंच प्रदान करेगा। संस्था 66 शहरों में सक्रिय है। वह विश्वविद्यालय के 250 छात्रों को प्रतिवर्ष अपनी योजना में शामिल करेगा। दोनों पक्ष एक-दूसरे को शैक्षिक सहयोग प्रदान करेंगे। एमओयू पर सहायक कुलसचिव अर्चना सिंह तथा मोक्षिता गौतम ने हस्ताक्षर किया, जबकि इस मौके पर विश्वविद्यालय की ओर से कुलाधिपति प्रभाकर सिंह, डॉ. नीत नयना, डॉ. सैकत चक्रवर्ती तथा सीआईआई-वाईआई से अंकिता नरेड़ी, उज्ज्वल महतो उपस्थित थे।

न्युवोको विस्टास करेगी वीसीएल का अधिग्रहण

JAMSHEDPUR : नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी), बेंच ने इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड- 2016 के तहत वडराज सीमेंट लिमिटेड (वीसीएल) के अधिग्रहण के लिए न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड की समाधान योजना को मंजूरी दे दी है। इस योजना में 1,800 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान शामिल है, जिसे विशेष आदेश के तहत स्वीकृत किया गया है। वडराज सीमेंट का मुख्यालय गुजरात के चोरयासी में है। इस अधिग्रहण की प्रक्रिया न्युवोको की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी वान्या कॉरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड (वान्या) के माध्यम से पूरी की जाएगी। इसके बाद वान्या का वीसीएल में विलय कर दिया जाएगा, जिससे वीसीएल न्युवोको की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बन जाएगी। न्युवोको अगले 1,000-1,200 करोड़ रुपये का निवेश वीसीएल के सात वर्षों से बंद पड़े संयंत्रों को पुनः चालू करने में करेगा। इन संयंत्रों के संचालन को सुचारू रूप से शुरू करने के लिए 15-18 महीनों में चरणबद्ध निवेश किया जाएगा और उत्पादन वित्त वर्ष 2027 की तीसरी तिमाही तक शुरू होने की उम्मीद है।

साल की लकड़ी सहित ट्रक पकड़ाया जंगल की ओर भागे चालक-खलासी

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिले के पोड़ाहाट वन क्षेत्र में सोंगरा और केरा वन विभाग ने अवैध रूप से साल की लकड़ी ले जा रहे ट्रक को जब्त किया है। हालांकि वन कर्मियों को देख चालक और लकड़ी माफिया मौके से फरार हो गया। जब्त लकड़ी की कीमत लगभग 5 लाख रुपये बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, पोड़ाहाट वन क्षेत्र के सोंगरा-केरा वन क्षेत्र अधिकारी (रेंजर) ललन उरांव को गुप्त सूचना मिली थी कि पोड़ाहाट वन क्षेत्र के बंदगांव थाना क्षेत्र में लकड़ी की तस्करी की जा रही है। सूचना महत्वपूर्ण थी, इसलिए रेंजर ने गुरुवार रात को एक टीम का गठन कर रवाना कर दिया। शुक्रवार सुबह लगभग 4 बजे वन विभाग की टीम जब बंदगांव प्रखंड के सोंगरा पंचायत के टेबो पहुंची, तो देखा कि रांची-चाईबासा मुख्य मार्ग में पहुंची तो देखा कि एक 10 चक्का ट्रक में कुछ लोग साल का बोटा चढ़ा रहे थे। जब वन विभाग की टीम ने अपनी गाड़ी रोकी तो लकड़ी माफिया, ट्रक चालक और खलासी गाड़ी लेकर भागने लगे। इसके बाद वन विभाग के कर्मचारी ट्रक का पीछा करने लगे, इसी बीच करीब 8 किलोमीटर दूर चालक और खलासी गाड़ी छोड़कर जंगल की ओर भाग गए।

बरामद ट्रक के साथ वन विभाग के कर्मचारी ● फोटोन न्यूज

ट्रक के मालिक का पता लगा रहा वन विभाग

सोंगरा के रेंजर ललन उरांव ने बताया कि जिस ट्रक को जब्त किया गया है, उसके नंबर से पता चला कि ट्रक हजारीबाग का है। अब इसके चेसिस नंबर से पता लगाया जाएगा कि इसका मालिक कौन है।

छठ के गीतों से गूंजते रहे स्वर्णरेखा व खरकई नदी के घाट, समाजसेवियों ने शिविर लगाकर चाय-पकौड़ी का किया वितरण

उगते सूर्य को अर्घ्य देने व्रतियों-श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

CHAKRADHARPUR : लोक आस्था के महापर्व चैती छठ में भगवान सूर्य को अर्घ्य देने के लिए शुक्रवार को नदी घाटों पर व्रतियों-श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। चक्रधरपुर शहर के पुराना बस्ती सीढ़ी घाट तथा मुक्तिनाथ धाम घाट पर सूर्योदय होने के साथ ही अर्घ्यदान प्रारंभ हो गया। इसके बाद व्रती व उनके परिजनों ने भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर खुद के लिए और शहर, समाज व देश के हित की कामना की। इधर गुरुवार शाम पुरानीबस्ती तथा थाना नदी घाट में छठ व्रतधारी व श्रद्धालुओं ने डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया था। इससे पहले बुधवार को नहाय-खाय के साथ 36 घंटा का निर्जला उपवास शुरू हो गया था। गुरुवार को छठव्रतधारियों ने संध्या बेला में विधिवत पूजा-अर्चना एवं स्नान के पश्चात खरना का प्रसाद ग्रहण किया था। शुक्रवार की सुबह अर्घ्य के बाद ही श्रद्धालुओं का व्रत पूरा हो गया। चैती छठ पूजा को लेकर शहर में नदी घाटों में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी रही। सूर्योदय से पूर्व भारी संख्या में व्रतधारी महिलाएं व श्रद्धालु घाटों में पहुंचे। वहीं चैती छठ पूजा को लेकर प्रशासन द्वारा नदी घाटों पर सुरक्षा का इंतजाम किया गया था। लेकिन नगर परिषद द्वारा व्रतधारियों के लिए किसी प्रकार की सुविधा नहीं कराई गई थी। नदी घाट में गंदगी पसरा पड़ा था। इससे पूजा को पहुंचे लोगों को दिक्कतें हुईं। व्रतधारी के लिए वस्त्र बदलने की व्यवस्था तक नगर परिषद की ओर से नहीं की गई थी।

नदी घाट पर अर्घ्य देतीं महिलाएं ● फोटोन न्यूज

महाकालेश्वर घाट पर सुबह में रही चहल-पहल

JAMSHEDPUR : जुगसलाई स्थित श्री श्री महाकालेश्वर छठ घाट पर शुक्रवार को उदीयमान सूर्यदेव को सैकड़ों व्रतियों-श्रद्धालुओं ने अर्घ्य दिया। इसे लेकर सुबह चार बजे से घाट पर चहल-पहल रही। महाकालेश्वर छठ घाट समिति द्वारा 5 चेंजिंग रूम बनाए गए थे, तो रोशनी की व्यवस्था भी की गई थी। लोगों के छठ घाट से वापस आने पर महाकालेश्वर समिति द्वारा व्रतधारियों के लिए चाय-पकौड़ी की व्यवस्था सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से की गई थी। असहाय लोगों को घर तक छोड़ने की व्यवस्था भी समिति ने की थी। इस घाट पर पानी कम है, इसलिए खतरे की आशंका नहीं रहती है। इस दौरान समिति को सहयोग के लिए विजय सिंह पप्पू, नारायण सिंह, मनीष कश्यप, कल्लू सिंह, अमर सिंह, राजेंद्र सोनकर, सीताराम अग्रवाल, पप्पू सिंह, श्याम गुप्ता आदि सदस्य उपस्थित रहे।

उदीयमान भुवन भास्कर को अर्घ्य के साथ चैती छठ संपन्न

GHATSILA : उदीयमान भुवन भास्कर को अर्घ्य के साथ चैती छठ शुक्रवार को संपन्न हो गया। अहले सुबह व्रतधारियों के साथ महिला-पुरुष तथा बच्चे स्वर्णरेखा नदी के लिए निकल गए थे। श्रद्धा व भक्ति के बीच गोपालपुर सूर्य मंदिर स्थित छठ घाट, मऊभंडार छठ घाट के अलावा अन्य घाटों पर उदीयमान सूर्य को अर्घ्य दिया गया। आस्था के महापर्व चैती छठ के अवसर पर पारंपरिक लोक गीत केरवा जे फरेला घवद के... जैसे कर्णप्रिय गीत गाते हुए कई लोग वाहन, तो कई लोग पैदल ही सुबह चार बजे नदी घाट के लिए निकल पड़े। उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही घाट पर प्रसाद पाने के लिए काफी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रही।

ऑटिज्म पीड़ितों से सहृदय व्यवहार का किया आग्रह

कार्यक्रम में उपस्थित लोग ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के अवसर पर शुक्रवार को सोनारी स्थित पीएएमएचजे लालफिक केंद्र में विशेष कार्यक्रम हुआ। इसमें ऑटिज्म पीड़ितों से सहृदय व्यवहार रखने का आग्रह किया गया। कार्यक्रम में जिला सामाजिक कल्याण पदाधिकारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में ऑटिज्म से प्रभावित लोगों के लिए समावेशी वातावरण बनाने की आवश्यकता पर बल दिया और प्रारंभिक निदान के महत्व को रेखांकित किया। संस्था पीएएमएचजे के सचिव पी. बाबू राव ने न्यूरोडायवर्सिटी (तंत्रिका विविधता) को समझने और अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस अवसर पर ऑटिज्म से प्रभावित बच्चों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए 10 शैक्षणिक किट निशुल्क वितरित किए गए, जो उनके दैनिक जीवन कौशल और शिक्षा में सहायक सिद्ध होंगे। इसके साथ ही, 13 विधिक संरक्षक प्रमाण पत्र भी संबंधित बच्चों के अभिभावकों को सौंपे गए, जिससे उन्हें कानूनी रूप से मान्यता और सहारा प्राप्त होगा।

चैती छठ के चौथे दिन उगते सूर्य को व्रतियों ने दिया अर्घ्य

चैती छठ पर्व के दौरान उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए श्रद्धालुओं की गंगा घाट पर भीड़

AGENCY ARARIA : चैत्र मास में मनाया जाने वाला लोक आस्था के महापर्व छठ के अंतिम अर्थात चौथे दिन फारबिसगंज प्रखंड के परमान नदी सहित नहर, पोखर आदि में शुक्रवार की सुबह उदीयमान सूर्य को अर्घ्य प्रदान किया गया। चैती छठ को लेकर गुरुवार शाम को अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य प्रदान करने के बाद शुक्रवार सुबह में बड़ी संख्या में छठव्रती छठ घाट पर जमा हुए और विधि विधान के साथ भगवान भास्कर की पूजा अर्चना कर उगते सूर्य को अर्घ्य प्रदान किया। घाट छठ से जुड़े लोक गीतों से गुंजायमान रहा। छठव्रती भी छठ गीतों को गुनगुनाते रहे। घाट पर जाने के लिए भक्त घर से अपने माथे या ठेलागाड़ी पर डाला लेकर पहुंचे। छठ को लेकर ज्योतिषाचार्य पंडित प्रमोद मिश्रा ने बताया कि किसी भी पर्व त्यौहार में उगते हुए सूर्य देव की ही पूजा अर्चना की जाती है, लेकिन छठ पूजा इसलिए भी खास है, क्योंकि यहां उगते और डूबते सूरज की पूजा की जाती है। मान्यता ऐसी है कि सूर्यास्त के बाद उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने से जीवन में चल रही सभी कठिनाइयां दूर होने के साथ सकारात्मक ऊर्जा का शरीर में संचार होता है। साथ ही सूर्य देव और छठी मां की कृपा से परिवार में सुख और शांति बनी रहती है।

BRIEF NEWS

मुख्यमंत्री ने अभिनेता मनोज कुमार के निधन पर व्यक्त की शोक संवेदना

PATNA : मुख्यमंत्री ने हिन्दी फिल्मों के प्रसिद्ध और लोकप्रिय अभिनेता एवं फिल्म निर्देशक मनोज कुमार के निधन पर शोक एवं दुख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक संदेश में कहा कि स्व मनोज कुमार हिन्दी फिल्मों के एक प्रसिद्ध और लोकप्रिय अभिनेता के साथ-साथ फिल्म निर्देशक भी थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्व. मनोज कुमार को भारतीय फिल्मों के सर्वोच्च सम्मान दादा साहब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। स्व० मनोज कुमार को 1992 में पद्म श्री सम्मान से भी सम्मानित किया गया था। उनके निधन से फिल्म जगत को अपूरणीय क्षति हुयी है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की चिर शान्ति तथा उनके परिजनों एवं प्रशंसकों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

शोभायात्रा में जोश में होश न खोएं : डीएम

ARARIA : रामनवमी शोभायात्रा को लेकर फारबिसगंज आदर्श थाना के परिसर में डीएम अनिल कुमार व एसपी अंजनी कुमार के संयुक्त अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक में सभी पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग और रामनवमी शोभायात्रा के आयोजन समिति के सदस्यगण मौजूद थे। अररिया एसपी अंजनी कुमार ने बैठक में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि रथ यात्रा को ससमय दोपहर 02 बजे ही निकाल दें। रथ यात्रा के दौरान विधि व्यवस्था व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन के द्वारा चाक चौबंद व्यवस्था किया गया है। एसपी अंजनी कुमार ने कहा कि साउंड पर नियंत्रण जरूरी है, क्योंकि साउंड और गाना ही विवाद का कारण बनता है। डीएम ने कहा कि शांति व्यवस्था इस बैठक का लक्ष्य है। कुछ ऐसा न करें जिससे दूसरे को परेशानी हो। जोश में होश नाहीं खोना है। डीएम अनिल कुमार ने बैठक में मौजूद शोभायात्रा आयोजन समिति के सदस्यों से भीड़ मैनेजमेंट के लिए क्या व्यवस्था किये जा रहे है।

जिला पुलिस व एसटीएफ की टीम ने की संयुक्त कार्रवाई

गया में 7 नक्सली गिरफ्तार, बड़ी घटना को अंजाम देने की थी तैयारी

AGENCY GAYA : बिहार के गया जिले की पुलिस और विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने एक बड़ी सफलता हासिल की। संयुक्त कार्रवाई में पुलिस ने 7 नक्सलियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किए। यह कार्रवाई इमामगंज थाना क्षेत्र के गंगटी बाजार में की गई। गया के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) आनंद कुमार ने शुक्रवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी।

पुलिस को मिली थी गुप्त सूचना

एसएसपी ने बताया कि 3 अप्रैल को पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गंगटी बाजार में कुछ नक्सली सक्रिय हैं। सूचना की पुष्टि के बाद एक विशेष टीम गठित की गई और उसे कार्रवाई के लिए भेजा गया। टीम जब गंगटी बाजार पहुंची तो एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने की कोशिश करने लगा। एसएसपी के मुताबिक, पुलिस ने तुरंत घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम रूपेश पासवान (पिता उमेश पासवान, कादिरगंज, इमामगंज) बताया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने कादिरगंज के तिलाठी पहाड़ी इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। वहां से हथियारों और विस्फोटकों का बड़ा जखीरा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने छापेमारी तेज की और 7 अन्य नक्सलियों को गिरफ्तार किया।

जानकरी देते वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आनंद कुमार व अन्य

हथियारों का जखीरा बरामद

एसएसपी ने बताया कि इस ऑपरेशन में पुलिस ने 3 एसएलआर, 1 सेमी-ऑटोमैटिक राइफल, 527 कारतूस, 7 एसएलआर मैगजीन, 2 इंसास मैगजीन, 1 केन बम, 6 डेटोनेटर और 3 मोबाइल बरामद किए। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई नक्सलियों के खिलाफ बड़ी कामयाबी है। बरामद हथियार और विस्फोटक इस बात के सबूत हैं कि नक्सली किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की तैयारी में थे। पुलिस अब गिरफ्तार नक्सलियों से पूछताछ कर रही है ताकि उनके नेटवर्क और योजनाओं का पता लगाया जा सके। गया एसएसपी ने यह भी बताया कि इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी है और संदिग्ध ठिकानों पर नजर रखी जा रही है।

नवादा में पचास हजार का इनामी अपराधी सतीश सहित तीन अरेस्ट

NAVADA : नवादा जिले के टॉप-10 वांछित अपराधी एवं 50 हजार रुपये का इनामी सतीश यादव को नवादा पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है। पकरीबरावां के पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि गिरफ्तार अपराधी सतीश ने वर्ष 2022 में वारिसलीगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम विशुनपुर में 1,24,800 रुपये के लूट की घटना को अंजाम दिया था। वह तब से फरार था। पुलिस ने इस पर 50 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया था। नवादा सहित कई जिलों में भी इसके लंबे अपराधी इतिहास हैं, जिसे गुप्त सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर पुलिस ने एक बड़ा काम किया है। उन्होंने बताया कि वारिसलीगंज थाना की पुलिस ने हत्या का प्रयास करने के मामले में दो अभियुक्त को गिरफ़्तार किया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों में पकरी बरमा के धमाल गांव के डोडा गांव निवासी मुसाफि र यादव तथा अंशु देवी है। दोनों पति पत्नी को हत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया।

रामनवमी को लेकर निकाला गया फ्लैग मार्च

AGENCY BHAGALPUR : जिले में रामनवमी को लेकर पुलिस एलर्ट मोड मे दिख रही है। शुक्रवार को पुलिस ने शहर में फ्लैग मार्च कर शांति व्यवस्था बनाए रखने का संदेश दिया। जिले में आगामी पर्व त्यौहार को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से स्पेशल फोर्स की भी तैनाती की गई है। आज का यह फ्लैग मार्च पुलिस लाइन से निकलकर पूरे शहर में पैदल कदमताल करते हुए भ्रमण किया। फ्लैग मार्च में स्थानीय थाना की पुलिस के साथ रैफ के जवान भी शामिल हुए। भागलपुर के वरीय पुलिस अधीक्षक हृदय कांत ने बताया कि रामनवमी के अवसर पर डीजे पर पूर्ण रूपेण पाबंदी रहेगी।

हमारे समाज में अश्लील गाने का कोई स्थान नहीं। अगर रामनवमी जैसे त्योहार पर अश्लील गाने बजाए जाते हैं या शोभा यात्रा में अश्लील गाने बजाए जाते हैं तो वैसे संस्थानों पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि बिना लाइसेंस के कोई भी संस्थान शोभायात्रा नहीं निकल सकती है। उन्हें पहले जिला प्रशासन से लाइसेंस लेना होगा, तभी वह शोभायात्रा निकालने के अधिकारी होंगे।

विधानसभा से लौटे छात्र छात्राओं को कुलपति ने दिया प्रमाण पत्र

BHAGALPUR : राष्ट्रीय सेवा योजना तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय भागलपुर एवं नेहरू युवा केंद्र भागलपुर द्वारा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित विकसित भारत युवा संसद 2025 के तहत अंतिम रूप से चयनित एकांश गुप्ता, रजत कुमार कश्यप, अपराजिता कुमारी, अनुषा प्रिया, तुलसी खुशी, सुमित कुमार, स्नेहा कुमारी, प्रतिक राज, मोहम्मद नौशाद करीम और शिवसागर शामिल हैं। इनमें रजत कश्यप और एकांश को छोड़कर शेष सभी टी एम बी यू के छात्र हैं।

आरपीएफ ने प्लेटफॉर्म नंबर दो से 10 नाबालिग बच्चों को किया रेस्क्यू

AGENCY KISHANGANJ : रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ ने चाइल्ड लाइन के सहयोग से बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 बच्चों को मुक्त करवाया है। बच्चों को बाल मजदूरी के लिए दूसरे शहरों में ले जाया जा था। यह कार्रवाई ऑपरेशन एएचटीयू के तहत की गई। आरपीएफ के सहायक अवर निरीक्षक एच.पी.एस. सिंह के नेतृत्व में आरपीएफ की टीम ने चाइल्ड हेल्प लाइन के साथ मिलकर यह अभियान चलाया। शुक्रवार को सहायक अवर निरीक्षक एच.पी.एस. सिंह में बताया कि प्लेटफार्म नम्बर-02 पर संदिग्ध हालत में घूम रहे इन बच्चों को देखा गया। पूछताछ में पता चला कि इनमें से कुछ बच्चे किशनगंज और पूर्णिया जिले के हैं। वहीं कुछ पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर जिले के रहने वाले हैं। सभी बच्चों की उम्र 13 से 16 साल के बीच है। पूछने पर आरपीएफ को बताया कि उन्हें काम करने के लिए अलग-अलग राज्यों में ले जाया जा रहा था।

डीएम ने चिकित्सा पदाधिकारी व स्वास्थ्य प्रबंधक का बंद किया वेतन

AGENCY NAVADA : नवादा के डीएम रवि प्रकाश ने शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र नारदीगंज, हिसुआ एवं खनवां का औचक निरीक्षण किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारदीगंज के समीक्षा के क्रम में पाया गया कि सर्जिकल वार्ड में रखी गयी कॉटन एवं सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट खुले में था। डीएम ने नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी एवं हेल्थ मैनेजर का वेतन अवरूद्ध करने का निर्देश दिया। उन्होंने बीएचएम को निर्देश दिया कि सभी वार्डों एवं अस्पताल को साफ-सफाई एवं कार्यालय को सुव्यवस्थित रखें। उन्होंने एमओआईसी को निर्देश दिया कि रोस्टर के अनुसार सभी डॉक्टर की उपस्थिति सुनिश्चित करायें एवं ससमय रोस्टर के अनुसार ही ओपीडी का संचालन करेंगे। ताकि दूर-दराज से आये हुए मरीजों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। रोस्टर के अनुसार आयुष चिकित्सक मोहम्मद इकबाल आजम अनुपस्थित पाए गए। जिलाधिकारी द्वारा स्पष्टीकरण देते हुए उनका एक दिन के वेतन की कटौती करने का निर्देश सिविल सर्जन नवादा को दिया। निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि एक्सरे मशीन कार्यरत नहीं था, संबंधित टेक्निशियन से पूछताछ करने पर बताया कि एक्सरे मशीन दो-तीन दिन से खराब पड़ा है, जिसपर जिलाधिकारी ने बीएचएम से पृच्छा किया कि इसकी सूचना मुख्यालय को कयों नहीं दी गयी। एक्सरे टेक्निशियन से पूछताछ करने पर पाया गया कि एनजीओ के तरफ से कार्यरत एक्सरे टेक्निशियन को एक्सरे के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।

अब मॉर्निंग हो गए बिहार के सरकारी स्कूल

PATNA : बिहार के सरकारी स्कूलों के लिए एक नया टाइम टेबल जारी किया गया है। ये नया टाइम टेबल 7 अप्रैल 2025 से 1 जून 2025 तक लागू रहेगा। इस दौरान सभी स्कूल सुबह 6:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक खुले रखने का फैसला लिया गया है। ये आदेश राज्य के प्रारंभिक और माध्यमिक स्कूलों के लिए है। शिक्षा विभाग ने स्कूलों के लिए एक मॉडल टाइम टेबल बनाया है। माध्यमिक शिक्षा विभाग ने इस बारे में आदेश जारी कर दिया है। नए टाइम टेबल के अनुसार स्कूल सुबह 6:30 बजे खुलेंगे। सबसे पहले 6:30 बजे से 7:00 बजे तक प्रार्थना होगी। इसके बाद कक्षाओं का समय शुरू होगा। पहली कक्षा सुबह 7:00 बजे से 7:40 बजे तक चलेगी। दूसरी कक्षा 7:40 से 8:20 तक और तीसरी कक्षा 8:20 से 9:00 बजे तक होगी।

रेल लाइन पुल के नीचे युवक का शव मिलने से सनसनी, जांच में जुटी पुलिस

AGENCY BHAGALPUR : जिले के कहलगांव थाना क्षेत्र के कैरिया पंचायत के सौर गांव स्थित एमजीआर रेल लाइन पुल (संख्या-16) के नीचे से शुक्रवार को एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने सुबह टहलते समय शव को देखा और तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दी। इधर सूचना मिलते ही कहलगांव पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। कहलगाँव थानाध्यक्ष अतुलेश सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान रसलपुर थाना क्षेत्र के एकचारी भोलसर निवासी स्व. धनंजय सिंह के 19 वर्षीय पुत्र राबिन कुमार के रूप में हुई है। युवक के सिर और चेहरे को पत्थर से कुचला गया है। प्रथम दृष्टया यह मामला हत्या का प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने घटनास्थल से एक मोबाइल फोन भी बरामद किया है। एफएसएल टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्र किए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मृतक के परिजन ने बताया कि एकचारी गांव में इन दिनों नौ दिवसीय विष्णु यज्ञ और मेला का आयोजन चल रहा है। बीते गुरुवार की शाम राबिन मेला देखने निकला था लेकिन वह घर वापस नहीं लौटा। अनहोनी से डरे परिजन ने काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। दो दिन पूर्व राबिन का गांव में किसी व्यक्ति से विवाद भी हुआ था और आशंका है कि उसी विवाद के चलते उसकी हत्या कर दी गयी है।

मैट्रिक व इंटर में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को डीएम ने किया सम्मानित

बच्चों की सफलता पूरे जिले के लिए गर्व का विषय : सौरभ जोरवाल

AGENCY EAST CHAMPARAN : जिला समाहरणालय स्थित डॉ राधाकृष्णन सभागार में शुक्रवार को वर्ष 2025 की मैट्रिक एवं इंटर की परीक्षा में जिला में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को डीएम सौरभ जोरवाल ने सम्मानित किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सम्मानित होने वाले सभी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चों की यह सफलता बच्चों के साथ उनके अभिभावक और पूरे जिला के लिए गर्व का विषय है। जिला प्रशासन और शिक्षा विभाग बच्चों की सफलता से काफी गौरवान्वित महसूस कर रहा है। उन्होने बच्चों से कहा कि आप सभी ने स्वयं को साबित करते हुए जो उच्च मानदंड स्थापित किया है उसे भविष्य में भी कायम रखिएगा।ऐसा विश्वास है,कि आप सभी कड़ी मेहनत करते हुए हर क्षेत्र में सफलता का परचम लहराएंगे। उन्होंने कहा कि आगे कठिन चुनौती मिलेगी जिसे हर हाल में पार पाना है। आप सभी लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करें और सफल होकर अपने माता-पिता, पूरे समाज जिला और राज्य का नाम रौशन करें। कार्यक्रम में सभी बच्चों के माता-पिता अभिभावक एवं संबंधित विद्यालय के शिक्षक उपस्थित थे। जिला शिक्षा पदाधिकारी ने कहा कि आगे की पढ़ाई जारी रखने के लिए सरकार द्वारा स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड स्कीम चलाई जा रही है जिसमें चार लाख रुपए तक की ऋण उपलब्ध हो जाती है। अगर किसी बच्चे को आगे की पढ़ाई में असुविधा हो तो वे बच्चे सरकार की इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। सम्मानित होने वाले बच्चों में मैट्रिक की परीक्षा में पूरे जिला में अव्वल आने वाले आदित्य कुमार, जिन्होंने 500 अंक की परीक्षा में 486 अंक प्राप्त किया है।

मैट्रिक व इंटर में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के साथ डीएम सौरभ जोरवाल व अन्य

पटना मरीन ड्राइव बना न्यू क्राइम स्पॉट, युवक की गोली मारकर हत्या

PATNA : मरीन ड्राइव पर शुक्रवार को एक और गोलीबारी की घटना हुई। अज्ञात बदमाशों ने एक युवक, शाहनवाज की गोली मारकर हत्या कर दी। वह सुल्तानगंज स्थित मस्जिद जा रहा था। यह घटना जेपी पथ पर गांधी मैदान की ओर जाते समय हुई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इलाके में दहशत का माहौल है। शुक्रवार को शाहनवाज अपनी स्कूटी से पटना सिटी के सुल्तानगंज मस्जिद जा रहा था। वह जेपी पथ से गांधी मैदान की ओर जा रहा था। तभी अपराधियों ने उसका पीछा किया। उसके बाद बदमाशों ने पीछे से उसके सिर में गोली मार दी। गोली लगते ही वह सड़क पर गिर गया। अपराधी घटना को अंजाम देकर आराम से फरार हो गए।

भाजपा नगर कमेटी की बैठक में पार्टी के स्थापना दिवस पर हुई चर्चा

AGENCY ARARIA : फारबिसगंज सार्वजनिक रेणु पुस्तकालय परिसर में भाजपा नगर कमिटी की बैठक नगर अध्यक्ष बीरेंद्र प्रसाद मिंटू की अध्यक्षता एवं मंडल प्रभारी चंद्रकला राय की मौजूदगी में हुई। बैठक में 6 अप्रैल को पार्टी के स्थापना दिवस पर साप्ताहिक कार्यक्रम के साथ 14 अप्रैल को संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती पर होने वाले कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की साथ रणनीति बनाई गई। बैठक में मुख्य रूप से पूर्व नगर अध्यक्ष रजत सिंह, महिला मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य शिवानी सिंह,महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष चांदनी सिंह,प्रसेनजीत चौधरी, संदीप कुमार, अर्नव सिंह गोलू आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मानवीय रिश्तों का बदलता गणित

रिश्ते, प्रेम और अपराध के बीच पनपने वाली तिकड़ी आज भारतीय समाज को व्यथित और चिंतित कर रही है। ऐसा तब हो रहा है, जब कि कोई भी व्यक्ति रिश्तों में ही जन्म लेता है, उसी में पलता और उसी के सहारे जीवन-यात्रा में आगे भी बढ़ता है। वस्तुतः इन रिश्तों का जैविक आधार है जो मां के पेट में स्थित गर्भ के साथ अनिवार्य जुड़ाव की व्यवस्था और अवस्था में शुरू होता है। यह एक अटूट, अपरिहार्य और अनिवार्य बंधन में बांधता है। अतः इस रिश्ते को जीवनपर्यंत चलते रहने की प्रासंगिकता बनी रहती है। सच कहें तो नया जीव अपने जनक (पिता) और जननी (माता) का उत्पाद होने के कारण वास्तविक अर्थ में उन दोनों का ऋणी होता है। कदाचित इसीलिए भारतीय समाज में ऋण की अवधारणा प्राचीन काल से सबके मन में बसी आ रही है। यह पीढ़ियों के बीच पारस्परिकता की सुदृढ़ आधारशिला रचती है। इसे बनाए रखने में संयुक्त परिवार और अन्य सहायक सामाजिक संस्थाओं और मान्यताओं की सहायक भूमिका थी। पीढ़ी-दर-पीढ़ी इस तरह की व्यवस्था अधिकांश क्षेत्रों में चलती रही है। आधुनिक युग में विस्थापन, पलायन, आव्रजन (माइग्रेशन) ने इस तरह की व्यवस्था को चुनौती दी है। जीवन को सुखी बनाने में आर्थिक तत्वों की बढ़ती आत्यंतिक भूमिका के चलते जीवन की परिस्थितियां तेजी से उलट-पलट रही हैं। इन सबके प्रभाव में युवा वर्ग का एक बड़ा हिस्सा भ्रमित हो रहा है और रिश्तों की अहमियत को नहीं पहचान पा रहा है। वह इन्हें नजरअंदाज कर रहा है और उसे स्वच्छंदता के दायरे में नए ढंग से परिभाषित करने में जुटा हुआ है। वह माता-पिता पक्ष के तमाम रिश्तों (यथा-मौसेरे, चचेरे, ममेरे, फुफेरे आदि) के लफड़े में नहीं पड़ना चाहता। इस तरह के सभी रिश्तों को अपने लिए अनावश्यक बंधन मानता है और सिर से उतार फेंकना चाहता है। अपने जीवन और कर्म में बाधा समझ कर वह इनसे किनारा रखता है। वह अक्सर उनकी अवहेलना और उपेक्षा करता है। और तो और अब रिश्तों से अलगाव की श्रेणी में माता-पिता भी शामिल होने लगे हैं। इसकी पुष्टि वृद्ध माता-पिता की देखरेख न करने की बढ़ती घटनाओं में आसानी से देखी जा सकती है। बचपन में माता-पिता या किसी प्रौढ़ अभिभावक की देखरेख के अभाव में शिशु के जीवन यानी उसके अस्तित्व की कल्पना नहीं की जा सकती। एक शिशु माता-पिता के साथ के रिश्तों के केंद्र में रहता है परंतु उम्र के साथ रिश्तों की दिशा, विस्तार और वरीयता बदलती है। किशोर और युवा होते-होते वह परनिर्भर (डिपेंडेंट) शिशु आत्मनिर्भर (इंडिपेंडेंट) होने लगता है। फिर वह समय भी आता है, जब शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास के दौरान वह रिश्तों की बागडोर अपने हाथों में लेकर उनकी दिशा बदलने लगता है। इस कार्य में भावनात्मक परिवर्तन खास भूमिका अदा करते हैं, जो किशोरावस्था विशेष रूप से सक्रिय होते हैं। लड़के और लड़कियां एक-दूसरे के प्रति आकर्षित होते हैं। व्यक्ति के विकास के चरणों का एक क्रम प्रत्येक संस्कृति में मिलता है। इसमें रिश्तों की बनावट और बुनावट केंद्रीय महत्व की होती है। व्यक्ति के विकास के लिए आवश्यक जीवन-रस रिश्तों से ही मिलता है। पिछले कुछ दिनों में ऐसी घटनाओं की खबरें मीडिया में तेजी से आ रही हैं जिनमें निजी रिश्तों में बढ़ती दरारों के चलते बहुत कुछ अवांछित हो रहा है। खासकर उन रिश्तों में जो युवाओं द्वारा खुद अपने निर्णय से सामाजिक मान्यताओं के अंकुश से परे जाकर अंजाम दिए जाते हैं। एक बात साफ है कि इन बेहद निजी मामलों के मूल में अक्सर भावनात्मक त्रासदी ही मुख्य है। पारस्परिक अविश्वास के कारण प्रतिशोध, धोखा और असंतोष की भावना तेजी से बढ़ती है। इस प्रसंग में यह भी रेखांकित किया जाना चाहिए कि आक्रामकता को आज एक परिपक्व और प्रौढ़ व्यक्तित्व की निशानी माना जा रहा है। एक सीमा के बाद रिश्तों के बीच उपजा भावनात्मक संघर्ष प्रज्वलित होकर हिंसक रूप लेने लगता है। हिंसा भड़कने पर बहुत कुछ जीवनविरोधी घटित होने लगता है। आज इस तरह की परिस्थितियों में न केवल आत्महत्याएं हो रही है, बल्कि एक दूसरे की जान तक ले ली जा रही है। इन स्वयंभू रिश्तों के बीच भावनात्मक उबाल बड़ी आसानी से अकेले व्यक्ति के स्व या आत्म के बोध को प्रभावित करता है। अहम को पहुंच रही चोट की तीव्रता उनमें गहरे मानसिक आघात को जन्म देती है। तब पति, पत्नी, साथी और प्रेमी एक दूसरे की हत्या तक करने के लिए तैयार हो जाते हैं। मौका पाते ही वे ऐसे जघन्य और आपराधिक कार्य को अंजाम देने में भी नहीं हिचकते। आज सहिष्णुता के सिमटते दायरों के बीच आपसी रिश्तों में दरारें तेजी से बढ़ रही हैं। इस संदर्भ में यह गौरतलब है कि आज तलाक और अलग-अलग जीवन बिताने (सेपेरेशन) के फैसले बड़ी आसानी से लिए जा रहे हैं। ऐसा लगता है मानों विवाह के बाद तलाक अगला संस्कार है। अकेले, स्वतंत्र और अपने ढंग से अमर्यादित जीवन जीने की प्रवृत्ति आधुनिकीकरण की पहचान होती जा रही है। इसके अंतर्गत जुड़ने और निजी जीवन को अपने पसंदीदा ढंग से जीने की छूट ली जाती है। इसलिए लिव-इन रिलेशनशिप का स्वेच्छाचार स्त्री-पुरुष के बीच अनर्गल शारीरिक संबंध बनाने की पर्याप्त छूट दे देता है। इस पर कोई सामाजिक नियंत्रण नहीं रहता है और अब इसे प्रौढ़ जीवन जीने की एक विधा मानी जाने लगी है। आत्म-निर्णय और एक-दूसरे के साथ रहने की मौखिक सहमति ही इसके लिए पर्याप्त होती है। इसे गैर-नाजायज मान कर विहित की श्रेणी में रखा जाता है। ऐसे रिश्तों के संदर्भ में समाज के मानक और परिवार की स्वीकृति की भूमिका गौण होती है। ऐसे बहुतेरे मामलों में ऊपरी आकर्षण ही प्रमुख होता है जो टिकाऊ नहीं होता है। जब यह आकर्षण आयु बढ़ने या किसी तीसरे के प्रति आकर्षण के कारण घटता है या ऊब, थकान के कारण नीरस और बासी पड़ने लगता है तो दोनों व्यक्तियों के बीच जुड़ने और जुड़े रहने का कोई ठोस आधार नहीं बचता और वे अलग हो जाते हैं।

कैसे रुकेगा राजनीति का अपराधीकरण

ANALYSIS

रमेश सर्राफ धमोरा

मौजूदा समय में राजनीति व्यवसाय बन चुकी है। राजनीति में वही लोग सफल होते हैं, जो या तो बड़े नेताओं के परिवार से हैं या फिर बहुत पैसे वाले हैं। राजनीति के क्षेत्र में अब सेवा, संगठन, वफादार कार्यकताओं का कोई महत्व नहीं रह गया है। राजनीति पूरी तरह पैसों की चकाचौंध में लिप्त हो गई है। एक समय था, जब धरातल पर काम करने वाला पार्टी कार्यकर्ता आगे चलकर जनप्रतिनिधि बनता था। जमीन से उठकर आगे आने वाला नेता आम जनता से जुड़ा रहता था और वह जनता के सुख-दुख से वाकिफ होता था। इसलिए वह आमजन के हित में काम करता था। मगर, अब लोग पैसे के बल पर पैराशूट से उतरकर राजनीति करने लगे हैं। पैसे के बल पर चुनाव जीत जाते हैं। इसलिए उन्हें आमजन की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं रहता है। ऐसे नेता पांचसितारा संस्कृति के वाहक होते हैं। ऐसे नेता राजनीति में आने के लिए पहले खूब पैसा खर्च करते हैं और जब किसी पद पर पहुंच जाते हैं तो जमकर भ्रष्टाचार कर पैसा कमाते हैं। ऐसे लोगों के कारण ही आज राजनीति समाज सेवा की बजाय व्यवसाय बन गई है। 1971 के लोकसभा चुनाव में झुंझुनू सीट पर देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने के कृष्ण कुमार बिड़ला को हराने वाले शिवनाथ सिंह गिल को मैंने 1998 से 2003 में विधायक के रूप में देखा है।

हमारे देश के राजनेताओं में दिन-प्रतिदिन नैतिकता कम होती जा रही है। कई बड़े नेता आए दिन विवादास्पद बयान देखकर चर्चा में बने रहते हैं। वहीं, बहुत से निर्वाचित विधायकों, सांसदों, मंत्रियों सहित अन्य जनप्रतिनिधियों पर आपराधिक मामले दर्ज हो रहे हैं। इससे राजनीति के क्षेत्र में काम करने वालों की छवि खराब हो रही है। देश की राजनीति में आज अपराध का इतना घालमेल हो गया है कि पता ही नहीं चलता कि कौन सा जनप्रतिनिधि अपराधी है और किसकी छवि स्वच्छ है। अपराधी प्रवृत्ति के लोगों के नेता बनने से जहां राजनीति दागदार हुई है। वहीं, नेताओं की जनता की दूरी भी बढ़ने लगी है। मौजूदा समय में राजनीति व्यवसाय बन चुकी है। राजनीति में वही लोग सफल होते हैं, जो या तो बड़े नेताओं के परिवार से हैं या फिर बहुत पैसे वाले हैं। राजनीति के क्षेत्र में अब सेवा, संगठन, वफादार कार्यकताओं का कोई महत्व नहीं रह गया है। राजनीति पूरी तरह पैसों की चकाचौंध में लिप्त हो गई है। एक समय था, जब धरातल पर काम करने वाला पार्टी कार्यकर्ता आगे चलकर जनप्रतिनिधि बनता था। जमीन से उठकर आगे आने वाला नेता आम जनता से जुड़ा रहता था और वह जनता के सुख-दुख से वाकिफ होता था। इसलिए वह आमजन के हित में काम करता था। मगर, अब लोग पैसे के बल पर पैराशूट से उतरकर राजनीति करने लगे हैं। पैसे के बल पर चुनाव जीत जाते हैं। इसलिए उन्हें आमजन की समस्याओं से कोई लेना-देना नहीं रहता है। ऐसे नेता पांचसितारा संस्कृति के वाहक होते हैं। ऐसे नेता राजनीति में आने के लिए पहले खूब पैसा खर्च करते हैं और जब किसी पद पर पहुंच जाते हैं तो जमकर भ्रष्टाचार कर पैसा कमाते हैं। ऐसे लोगों के कारण ही आज राजनीति

समाज सेवा की बजाय व्यवसाय बन गई है। 1971 के लोकसभा चुनाव में झुंझुनू सीट पर देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने के कृष्ण कुमार बिड़ला को हराने वाले शिवनाथ सिंह गिल को मैंने 1998 से 2003 में विधायक के रूप में देखा है। वह अपने क्षेत्र से जयपुर जाते या अपने घर से विधानसभा जाते हमेशा सरकारी बस का ही उपयोग करते थे। कभी निजी गाड़ियों से नहीं घूमते थे। इसी के चलते उन्होंने राजनीति में 50 साल लंबी पारी खेली थी। वह ईमानदार थे, इसीलिए ईमानदारी से रहते थे। आज हम देखते हैं कि राजनीतिक दलों के छोटे-छोटे कार्यकर्ता भी कई लाख रुपये की महंगी गाड़ियों में घूमते हैं। पार्टी का कोई नेता उनसे यह नहीं पूछता है कि इतनी महंगी गाड़ियां खरीदने के लिए पैसे कहां से आते हैं। सबको पता है कि राजनीति में आज छुटभैया नेता भी सत्ता की दलाली में पैसा कमा रहे हैं। दलाली के पैसों में बड़े नेताओं का भी हिस्सा होता है। इसीलिए उनकी तरफ कोई अंगुली नहीं उठाता है। चुनाव सुधार पर काम करने वाले गैर सरकारी संगठन एसोसिएशन आफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट में सामने आई है कि देश के 45 प्रतिशत विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस संगठन ने देश के 28 राज्यों और विधानसभा वाले तीन केंद्र शासित प्रदेशों के कुल 4123 विधायकों में से 4092 के चुनावी हलफनामे का विश्लेषण किया है। इसमें आंध्र प्रदेश के सबसे ज्यादा 174 में से 138 यानी 79 प्रतिशत विधायकों ने जबकि सिक्किम में सबसे कम 32 में से सिर्फ एक विधायक 3 प्रतिशत ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। तेलुगु देशम पार्टी के सबसे ज्यादा 134 विधायकों में से 115 यानी 86 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। उक्त रिपोर्ट से पता चला कि 1861 विधायकों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है। इसमें 1205 पर हत्या, हत्या की कोशिश, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 54 विधायकों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत हत्या के आरोप हैं। वहीं 226 पर धारा 307 और भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 के तहत हत्या की कोशिश के आरोप हैं। इसके अलावा 127 विधायकों पर महिलाओं के खिलाफ अपराधों के मामले दर्ज हैं। इनमें 13 पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 376 और 376 (2)(द) के तहत बलात्कार का आरोप है। धारा 376 (2)(द) एक ही पीड़ित के बार-बार यौन उत्पीड़न से संबंधित है। एसोसिएशन आफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की रिपोर्ट के अनुसार, 543 लोकसभा सदस्यों में से 251 (46 प्रतिशत) के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। उनमें से 27 को दोषी ठहराया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, लोकसभा में चुने जाने वाले आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे उम्मीदवारों की यह सबसे बड़ी संख्या है। कुल 233 सांसदों (43 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए थे। जबकि 2014 में 185 (34 प्रतिशत), 2009 में 162 (30 प्रतिशत) और 2004 में 125 (23 प्रतिशत) सांसदों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2024 में लोकसभा के लिए चुने गए 251 उम्मीदवारों में से 170 (31 प्रतिशत) पर बलात्कार, हत्या, हत्या का प्रयास, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध सहित गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। विश्लेषण से पता चला कि यह 2019 में 159 (29 प्रतिशत) सांसदों, 2014 में 112 (21 प्रतिशत) सांसदों और 2009 में 76 (14 प्रतिशत) सांसदों की तुलना में भी वृद्धि है। एडीआर के अनुसार, 18वीं लोकसभा में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी भाजपा के 240 विजयी उम्मीदवारों में से 94 (39 प्रतिशत) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं। कांग्रेस के 99 विजयी उम्मीदवारों में से 49 (49 प्रतिशत) ने आपराधिक मामले घोषित किए हैं और समाजवादी पार्टी के 37 उम्मीदवारों में से 21 (45 प्रतिशत) पर आपराधिक आरोप हैं। विश्लेषण में पाया गया कि 63 (26 प्रतिशत) भाजपा उम्मीदवार, 32 (32 प्रतिशत) कांग्रेस उम्मीदवार और 17 (46 प्रतिशत) समाजवादी पार्टी उम्मीदवारों ने गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इसमें कहा गया है कि सात (24 प्रतिशत) टीएमसी उम्मीदवार, छह (27 प्रतिशत) डीएमके उम्मीदवार, पांच (31 प्रतिशत) टीडीपी उम्मीदवार और चार (57 प्रतिशत) शिवसेना उम्मीदवार गंभीर आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार केरल के 20 में से 19 (95 प्रतिशत) सांसदों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं जिनमें से 11 गंभीर अपराधों से जुड़े हैं।

जैव अर्थव्यवस्था की बढ़ती महत्ता

जैव अर्थव्यवस्था आर्थिक रूप से तेजी से महत्वपूर्ण होती जा रही है। जैव अर्थव्यवस्था का वर्तमान वैश्विक मूल्य 4 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर होने का अनुमान है और कुछ अनुमानों से संकेत मिलता है कि यह 30 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर तक बढ़ सकता है, जो विश्व आर्थिक मूल्य का एक तिहाई है। दुनिया जैव-नवाचार द्वारा संचालित एक नई औद्योगिक क्रांति के कगार पर है। उभरती अर्थव्यवस्थाओं में भारत की जैव अर्थव्यवस्था नवाचार, समृद्धि और बढ़ते वैश्विक महत्व की एक आकर्षक कहानी है। केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के अनुसार, भारत की जैव अर्थव्यवस्था 2014 में 10 बिलियन डॉलर से बढ़कर 2024 में 165.7 बिलियन डॉलर हो गई है। उन्होंने राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में बाइरैक स्थापना दिवस समारोह के दौरान भारत जैव अर्थव्यवस्था रिपोर्ट 2025 जारी की। उन्होंने कहा कि यह घातीय वृद्धि भारत की भविष्य की आर्थिक सफलता के महत्वपूर्ण चालक के रूप में जैव प्रौद्योगिकी के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। विश्व जैव अर्थव्यवस्था मंच द्वारा किए गए मूल्यांकन में जैव अर्थव्यवस्था के लिए जैव प्रौद्योगिकी, जैव संसाधन या जैव पारिस्थितिकी दृष्टिकोण का उपयोग किया गया था। संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और भारत जैव प्रौद्योगिकी पर बहुत अधिक ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जबकि यूरोपीय संघ जैव संसाधन और जैव पारिस्थितिकी दृष्टिकोण की ओर अधिक झुका हुआ है। अब ऐसे संकेत हैं कि दृष्टिकोणों को और अधिक गहन बनाने के लिए विस्तारित किया जा रहा है ' इस प्रकार, यह विषय नया नहीं है। जो नया है, वह यह है कि डिजिटलीकरण, स्वचालन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे नए उपकरण इस क्षेत्र की विकास गतिविधि को तेज कर रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप तेजी से उत्पाद लॉन्च हो रहे हैं और निवेशकों का विश्वास बढ़ रहा है। चीन के राष्ट्रीय विकास और सुधार आयोग के अनुसार, नई योजना 14वीं पंचवर्षीय योजना की आवश्यकताओं को पूरा करती है, जिसने जैव प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी के एकीकरण और नवाचार को बढ़ावा देने के साथ-साथ जैव चिकित्सा, जैविक प्रजनन, जैव सामग्री, जैव ऊर्जा और अन्य उद्योगों के विकास को गति देने का संकल्प लिया है, ताकि जैव अर्थव्यवस्था को व्यापक और मजबूत बनाया जा सके। योजना के अनुसार, जैव अर्थव्यवस्था- एक ऐसा मॉडल जो चिकित्सा, स्वास्थ्य सेवा, कृषि, वानिकी, ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण, सामग्री और अन्य क्षेत्रों को गहराई से एकीकृत करते हुए जैविक संसाधनों की सुरक्षा और उपयोग पर ध्यान केंद्रित करता है- 2025 तक उच्च गुणवत्ता वाले विकास को बढ़ावा देने में एक प्रमुख प्रेरक शक्ति बन जाएगा। 2025 तक सकल घरेलू उत्पाद में जैव अर्थव्यवस्था के अतिरिक्त मूल्य का अनुपात लगातार बढ़ेगा और चीन में कम से कम 10 बिलियन युआन के वार्षिक राजस्व के साथ जैव अर्थव्यवस्था फर्मों की संख्या में बड़ी वृद्धि दिखने की उम्मीद है। 2035 तक चीन समग्र शक्ति के मामले में वैश्विक जैव अर्थव्यवस्था में सबसे आगे रहने की उम्मीद करता है। जैव अर्थव्यवस्था में 2030 तक भारत की अर्थव्यवस्था को 10 ट्रिलियन डॉलर तक बढ़ाने की क्षमता है। चीन पहले ही अपनी जैव अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए आवश्यक कदम उठा रहा है, लेकिन इस क्षेत्र में हमारी मूलभूत ताकत को देखते हुए यदि केंद्र सरकार के प्रयासों को राज्य और स्थानीय सरकारों और समाज के प्रयासों के साथ जोड़ दिया जाए, तो हम निःस्संदेह वैश्विक बाजार पर हावी हो जाएंगे। जैव अर्थव्यवस्था भारत की अर्थव्यवस्था को कृषि और फार्मास्यूटिकल्स जैसे क्षेत्रों में नए उद्योग, उद्यम और रोजगार के अवसर पैदा करके और साथ ही देश के आर्थिक आधार में विविधता लाकर विकास करने में सहायता कर सकती है। यह कृषि उत्पादकता और मृदा स्वास्थ्य को बढ़ाकर, पौष्टिक, जलवायु-अनुकूल फसलें पैदा करके और किसानों को जैव उर्वरक जैसे नवीन जैव प्रौद्योगिकी और जैविक विकल्प प्रदान करके भारत की खाद्य सुरक्षा में सुधार कर सकती है। जैव अर्थव्यवस्था में प्रगति से नई फार्मास्यूटिकल्स, टीकाकरण की खोज हो सकती है और स्वास्थ्य सेवा की पहुंच और लागत बेहतर हो सकती है, जिससे स्वास्थ्य परिणामों में सुधार हो सकता है। हीमोफीलिया ए के लिए भारत के पहले जीन थेरेपी क्लिनिकल परीक्षण को मंजूरी दी गई है, जिससे अनुवांशिक रक्त विकारों के उपचार को बढ़ावा मिलेगा। जैव अर्थव्यवस्था में भारत में रोजगार सृजन की क्षमता है, विशेष रूप से बायोफार्मास्यूटिकल्स और बायोएनर्जी जैसे उद्योगों में, साथ ही बायो-मैन्युफैक्चरिंग हब के विकास के माध्यम से टियर 2 और 3 शहरों में उद्यमशीलता को प्रोत्साहित किया जा सकता है। भारत की जैव अर्थव्यवस्था एक संपन्न स्टार्टअप वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। भारत में बायोटेक स्टार्टअप की संख्या 2023 में 8,531 से बढ़कर 2030 में 35,000 होने का अनुमान है। भारत कम लागत वाली दवाइयों और टीकों के दुनिया के सबसे बड़े निर्यातकों में से एक है; बायोलॉजिक्स और बायोसिमिलर उद्योगों में अतिरिक्त विस्तार से भारत के निर्यात में सुधार हो सकता है। उदाहरण के लिए भारतीय निर्माताओं ने विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा ऑर्डर की गई पूरी वैक्सीन मात्रा का 25% प्रदान किया। जैव अर्थव्यवस्था बंद लूप उत्पादन और खपत के माध्यम से अपशिष्ट को कम कर-के और संसाधन दक्षता को अधिकतम करके परिपत्र अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देती है। उदाहरण के लिए कृषि अपशिष्ट को बायोगैस (अवायवीय पाचन) में बदला जा सकता है। बचे हुए हिस्से का उपयोग पोषक तत्वों से भरपूर उर्वरक के रूप में किया जा सकता है, जिससे अपशिष्ट कम होगा और पुनः उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।

Social Media Corner

सच के हक में...

बिम्सटेक वैश्विक भलाई को आगे बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। यह जरूरी है कि हम इसे मजबूत करें और अपने जुड़ाव को और गहरा करें। इस संदर्भ में, मैंने हमारे सहयोग के विभिन्न पहलुओं को शामिल करते हुए 21-सूत्रीय कार्य योजना प्रस्तावित की।

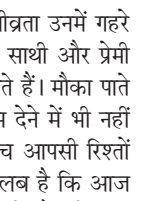

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

मैंने दलित और आदिवासी समुदायों के शोधकर्ताओं, कार्यकर्ताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की, जिन्होंने केंद्रीय बजट का एक हिस्सा दलितों और आदिवासियों के लिए समर्पित करने के लिए एक राष्ट्रीय कानून की मांग की। कर्नाटक और तेलंगाना में ऐसा कानून लागू है, और इससे समुदायों को महत्वपूर्ण लाभ मिल रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर भी, यूपीए सरकार ने दलितों और आदिवासियों के लिए उप-योजनाओं की अवधारणा पेश की थी। हालाँकि, मोदी सरकार ने इस प्रावधान को कमजोर कर दिया है और इन समुदायों को बजट का केवल एक छोटा सा हिस्सा आवंटित कर रही है। दलितों और आदिवासियों ने प्रतिनिधित्व के लिए लंबे समय से संघर्ष किया है। आज, हमें पूछना चाहिए - यह सुनिश्चित करने के लिए क्या अतिरिक्त कदम उठाए जा सकते हैं कि दलितों और आदिवासियों को सत्ता में सार्थक हिस्सेदारी मिले और शासन में उनकी आवाज हो?

(राहुल गांधी का 'एक्स' पर पोस्ट)

जलवायु परिवर्तन पर देश में नई नीति की जरूरत

भारतीय रिजर्व बैंक के मार्च बुलेटिन में प्रकाशित अध्ययन में एक गंभीर चिंता जताई गई है, जो देश में वर्षा के वितरण में तेजी से आ रहे बदलाव और खाद्यान्न फसलों पर इसके असर से जुड़ी है। अध्ययन कहता है कि भारतीय कृषि अब भी काफी हद तक मॉनसून पर निर्भर है। आधुनिक सिंचाई सुविधाओं के विस्तार और जलवायु परिवर्तन से बेअसर रहने वाले नई किस्मों के बीज तैयार होने से राहत तो मिली है, मगर मॉनसूनी बारिश अब भी निर्णायक होती है। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के दौरान होने वाली वर्षा खरीफ सत्र में कृषि उत्पादन के लिए बेहद जरूरी है। वर्षा का तरीका बदलने या सूखे जैसी स्थिति से फसल उगाने का चक्र बिगड़ जाता है और कीटों एवं पौधों से जुड़ी बीमारियों की समस्या भी बढ़ जाती है। पर्याप्त और समान वर्षा होने से कृषि उत्पादकता बढ़ जाती है। मॉनसून में अच्छी बारिश रबी सत्र के अनुकूल होती है। मिट्टी में पर्याप्त नमी रहने और जलाशयों में पानी का स्तर अधिक रहने से गेहूं, सरसों और दलहन जैसी फसलों की बुआई के लिए आदर्श स्थिति तैयार होती है। खरीफ सत्र में मोटे अनाज, तिलहन, दलहन और चावल की उपज में सालाना वृद्धि के आंकड़े देखें तो जिस साल दक्षिण पश्चिम मॉनसून सभी फसलों के लिए बेहतर रहा उस साल उत्पादन भी ज्यादा रहा लेकिन अतिवृष्टि ने मक्के और तिलहन की उपज बिगाड़ी। अध्ययन में कहा गया है कि उत्पादन इस बात पर भी निर्भर करता है कि मानसूनी बारिश कब आती है। उदाहरण के लिए जून और जुलाई में कम बारिश मक्का, दलहन और सोयाबीन के लिए खासतौर पर नुकसानदेह होती है, क्योंकि मिट्टी में नमी कम होने के कारण बुआई अटक जाती है और पौधों की शुरूआती बढ़वार पर भी असर पड़ता है। इसी तरह कटाई के समय अत्यधिक वर्षा से तिलहन उत्पादन घट जाता है। पिछले साल मॉनसून में शानदार वर्षा और सटीक ठंड रहने से चालू वित्त वर्ष में फसलों का उत्पादन बेहतर रहने की उम्मीद है। अनुमान है कि पिछले साल के मुकाबले खरीफ का उत्पादन 7.9 प्रतिशत और रबी का 6 प्रतिशत बढ़ सकता है। भारतीय मौसम विभाग ने 2025 के लिए मॉनसून के अनुमान जारी नहीं किए हैं मगर विश्व मौसम विज्ञान संगठन का अनुमान है कि भारत में इस साल वर्षा सामान्य या इससे अधिक हो सकती है। ध्यान रहे कि जलवायु परिवर्तन के कारण बारिश के पैटर्न में आने वाले बदलाव कृषि उत्पादन पर ज्यादा असर डाल सकते हैं। मौसम की अतिरंजना अब अनोखी बात नहीं रह गई है। भारत में पिछले साल 365 में से 322 दिन मौसम की अति दिखी थी। इससे देश में 4.07 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में लगी फसलें प्रभावित हुईं। 2023 में 318 दिन मौसम ऐसा रहा था। जब तक इन प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने के लिए बहु-आयामी नीति नहीं अपनाई जाती है तब तक ऐसी घटनाएं बढ़ती ही रहेंगी। पिछले साल कम और असमान वर्षा के कारण गर्म हवा और बाढ़ की 250 घटनाएं सामने आईं। जलवायु परिवर्तन की वजह से बढ़ते तापमान और बाढ़ के कारण फसलों का उत्पादन घटने और इनमें पोषक तत्व कम होने का खतरा बढ़ता जा रहा है। बदलती परिस्थितियों को देखते हुए जलवायु के अनुकूल कृषि कार्यों की तरफ कदम बढ़ाना आवश्यक हो गया है। कृषि में जलवायु परिवर्तन सहने की क्षमता रखने तौर-तरीके, नालियों की प्रणाली में सुधार, बाढ़ एवं सूखा प्रबंधन और तकनीक अपनाकर कृषि क्षेत्र में क्षमता एवं टिकाऊपन बढ़ाया जा सकता है। लंबे अरसे के लिए जल प्रबंधन पर भी हमें सतर्क रहना होगा। जैविक या रसायन रहित कृषि के बजाय प्राकृतिक कृषि को प्रोत्साहित करना होगा। इससे अलग-अलग मियाद वाली विविध फसलों से किसानों की आय ही नहीं बढ़ती बल्कि मिट्टी की गुणवत्ता भी बढ़ती है। कुल मिलाकर भारत को जलवायु परिवर्तन का प्रभाव कम करने और अनुकूल रणनीति अपनाने के लिए काम करना होगा।

वक्त और ठिकाना

बोआओ फोरम फॉर एशिया सम्मेलन में शिरकत के लिए चीन गए बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की टिप्पणियों पर भारत में तीखी प्रतिक्रिया हुई है और उनकी अंतर्निहित मंशा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। एक गोलमेज सम्मेलन में बोलते हुए यूनुस ने पूर्वोत्तर भारतीय राज्यों सेवन सिस्टर्स का जिक्र लैंड-लॉक्ड इलाके के रूप में करते हुए, क्षेत्र में संपर्क और व्यापार के अभाव पर जोर दिया। भारत की विशाल तटरेखा की अनदेखी करते हुए उन्होंने दावा कर डाला कि बांग्लादेश महासागर तक पहुंच का संरक्षक है और उन्होंने इन भारतीय राज्यों को बाजार व उत्पादन के ठिकाने के रूप में पेश करते हुए चीन से कहा कि वह भूटान, नेपाल और बांग्लादेश के साथ-साथ इन्हें भी चीनी अर्थव्यवस्था के विस्तार के रूप में देखे। उनके सोशल मीडिया खातों पर साझा की गई उनकी टिप्पणियों के अन्य निहितार्थ भी थे। पिछले अगस्त में बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना की सत्ता से बेदखली के पश्चात उनके पद संभालने के बाद से यह उनकी चीन की पहली यात्रा थी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमलों और यूनुस सरकार द्वारा हसीना को स्वदेश भेजने की मांग पर भारत के साथ तनाव बना हुआ है। नई दिल्ली की ओर कोई न्योता नहीं मिलने के मद्देनजर, यूनुस के चीन यात्रा के निर्णय को एक कूटनीतिक झिड़की और शायद इस संकेत के रूप में देखा गया है कि बांग्लादेश अपनी विदेश नीति की दिशा बदल रहा है। विदेश मंत्रालय ने टिप्पणी करने से इनकार किया है, लेकिन राजनीतिक नेता कूद पड़े हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने इन टिप्पणियों को आपत्तिजनक और घोर निंदनीय करार देते हुए यह इशारा किया कि इन टिप्पणियों का लक्ष्य चिकेंस नेक के जरिए भारत की रणनीतिक दुर्बलता की ओर ध्यान खींचना था। अन्य क्षेत्रीय नेताओं और विपक्षी सदस्यों ने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि वह ढाका के समक्ष अपनी नाखुशी प्रकट करे।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

AI tools are fuelling a free-for-all

Anew phenomenon is catching on in the digital sphere. Users are flooding social media platforms like X, Instagram and Facebook with their portraits, family pictures and other images drawn in the style of legendary Japanese animator Hayao Miyazaki. He is the founder of the famed Ghibli Studio, which in the past four decades has created iconic animation characters. The typical style of drawing characters in light, pastel shades has come to be known as the Ghibli art. However, the art being posted online by users is not original but generated by artificial intelligence (AI) tools available for free on a trial basis. With just a few clicks, one can transform a picture into the trademark Ghibli art. Millions of users, including politicians, fashion and sports influencers, and celebrities, are using AI tools to create images in this style.Though generative AI tools — which are used for content creation — have been around for some time, the current trend has been triggered by a new tool developed by OpenAI. Text-based or large language models (LLMs) models like ChatGPT take textual inputs and generate desired material like articles, book chapters, social media posts, etc. The latest multimodal generative AI tools can take text, images, videos, voice and music as inputs and generate desired output images and videos. Tools like Midjourney, Stable Diffusion and DALL-E can take in text as input and give output as images. For instance, one can ask DALL-E to generate a painting of a Delhi street in the style of MF Husain or Jamini Roy and it would do so within a few seconds. Then there are image-to-image tools like Lensa that can provide altered versions of the input images.The images generated in the Ghibli style have caught the public imagination because they look cute and funny. The fun part, however, masks serious issues concerning text and image-generative AI systems. Any AI system is based on real data collected from various sources. AI tools should be 'trained' using massive amounts of data (text, images, music, etc.). If an LLM is asked to generate a small story in the style of Amitav Ghosh or Ruskin Bond, it would do so by digging into massive amounts of data that would have been based on the works of these authors. Much of this material is copyrighted, and AI companies have not bought the rights from authors to 'train' their systems. The same is happening with the works of Ghibli Studio or the paintings of masters like Husain.

AI companies say they are only using data available in the public domain, but the creative world is not buying this claim. The 'fair use' doctrine in copyright laws is being misused by technology companies. The existing copyright frameworks are inadequate to deal with this kind of infringement. Cases against technology companies are already in courts in North America and Europe.The larger question that generative AI raises is about the assault on the very idea of creativity. A painting, book, cartoon character or a piece of music are all forms of creative expression by individuals. They are all cultural products, born out of individual experience and context. For example, the work of the Ghibli Studio is a window to Japanese society and culture, just as the productions of Walt Disney Studio reflect American culture.Assigning such creative works as products of a machine or an AI system goes against the very idea of human creativity and passion. An artist may take months to finish a painting or a writer may take years to write a novel or a non-fiction book. Hundreds of hours of hard work go into the making of a cartoon or animation strip. Therefore, creators must get credit and money. AI companies are indulging in what critics say is data laundering and robbing creators of both credit and money. With every new generative AI model — built on the work of millions of creators — the valuation of AI firms rises by billions of dollars. They sell these models for thousands of dollars to users across the world, while creators get nothing. Image generators are not artists, but they are a challenge to artists.Generative AI has already started disrupting the creative industry globally. The most obvious impact of these products is job loss for artists, illustrators and designers in the animation industry. While AI-generated images lack the depth and expression of human-created images, they are of generally acceptable quality.

Shielding the guilty officials and betraying the public

The attitude of senior officers to shield the misconduct and wrongdoings of juniors eventually leads to indiscipline, bad behaviour and corruption.

There is this unfortunate tendency of some senior police officers and some in other government departments to shield, cover up or overlook the misconduct and wrongdoings of junior officers and subordinate staff. Such misplaced sense of loyalty and support eventually leads to a breakdown of discipline and results in subsequent gross misconduct on the part of such subordinate staff. This happened in Punjab during the late eighties and early nineties when fake encounters had become the norm for the state police.During the mid-eighties, an air service was started between Kota and Delhi. A small shelter at the airport served as its office. General Officer Commanding (GoC) of the division in Kota, who was the seniormost army officer in Rajasthan, was stopped by a deputy superintendent of police (DSP) who wanted to carry out his body search before he was to board the aircraft. The GoC was in uniform and from where the DSP was standing, one could see the pilot jeep along with a number of military police personnel as the GoC arrived. The GoC did not allow the DSP to carry out his body search. The DSP was rude and had misbehaved.

On return from Delhi, the GoC wrote to the DG Police in Jaipur about the conduct of this DSP. The DGP did not respond, but his staff officer wrote back, justifying the DSP's conduct. The GoC pursued the case through staff channels. Finally, the Prime Minister's Office (PMO) issued instructions to the police to suspend the DSP and initiate disciplinary action against him.The attitude of senior officers to shield the misconduct and wrongdoings of juniors eventually leads to indiscipline, bad behaviour and corruption.There is this incident which took place in Patiala on the intervening night of March 13-14, wherein four police inspectors and eight policemen in civil dress beat up a serving colonel of the Army (Col Pushpinder Singh Bath) and his son while they were having food at a roadside dhaba.

The police personnel were apparently drunk, both with the false sense of authority and, perhaps, liquor as well. Otherwise, at least one the four inspectors would have tried to restrain the others from assaulting the colonel and his son. Even when the colonel told them that he was an army officer and showed his identity card, they did not stop beating him, but instead snatched his card and phone. They continued to hit him with sticks as he lay unconscious on the ground and kept beating his son as he tried to shield his father. These policemen told the son to collect the identity card the next morning only if they survived this encounter.A day before, these police personnel had staged an encounter and, for them, this was yet another encounter. The way the policemen continued to beat the colonel was nothing short of an attempt to murder. The colonel's arm and his son's nose were fractured.The colonel's wife raised the alarm. She was driven from pillar to post as she tried to bring the case to the notice of the authorities. The SSP, Patiala, tried to strike a compromise between the colonel's family and the police personnel and cover up the case. The policemen apologised and sought forgiveness from the colonel's family for their conduct and, at the same time, gave a veiled threat to the family as it had to live in Patiala and so also these police personnel.If one were to delve into the past record of these police inspectors, it is possible that it would be found that their previous wrongdoings had been covered up or, perhaps, even rewarded.Some two days after this serious crime, a false FIR was registered against some unknown persons in the name of the owner of the dhaba where this incident took place. Two features of this FIR are intriguing. One, the identity of the culprits in this crime was shown as 'not known' and it was recorded that the colonel and his son were drinking liquor when this incident took place.

Two, the names and other details of these police personnel were known to the police and the medical examination of the colonel and his son, carried out in the civil hospital, showed that they had not taken liquor.Subsequently, attempts were made by senior police officers to strike a compromise between the colonel's family and the police personnel.A second FIR by Col Pushpinder Singh was recorded after eight days, only when the incident had come into the public gaze and ex-servicemen had staged a 'dharna' in front of the deputy commissioner's office. Attempts seem to have been made to exclude the name of one of the four inspectors involved in this crime. These policemen were merely suspended and not arrested and, that too, when pressure was built on the SSP, Patiala.The police constituted a team of senior police officers to look into the case. However, this incident of criminal assault, where an attempt seems to have been made to kill the colonel, is too serious a case to be dealt by a departmental inquiry. The colonel's wife made desperate attempts to meet senior police officers, but they could not see her as they were rather busy. The Chief Minister finally agreed to meet her on March 31.The response to her pleas from senior police officers made her realise that fair play may not come about. So, she demanded that the case be handed over to the CBI for an unbiased investigation.

Finally, a spirited advocate took up this case with the Punjab and Haryana High Court. Soon after, Colonel Bath's application before the high court too surfaced. These two applications have been clubbed and the court has taken up the case.At one time, the Punjab police was considered the best in the country. Today, it is rated rather low. This slide must be arrested. Lawlessness, free flow of drugs and illegal dispatch of young people to foreign countries by fake companies are rampant. Corruption, too, persists.The Punjab Police has many competent officers. They must put an end to illegal activities. They must attend to the wrongdoings of the junior staff, enforce discipline and ensure their good behaviour towards the public at large. It is well within their capability and capacity to bring law and order back on rails and restore the Punjab Police's standing in the country.

A welcome change

Opposition picks debate over protest on Waqf Bill

IN a rare and refreshing move, the Opposition's INDIA bloc has chosen to engage in a parliamentary debate over the contentious Waqf (Amendment) Bill instead of resorting to protests and walkouts. This marks a departure from the usual theatrics that have often stalled legislative business, depriving the public of substantive discussions on crucial issues. This decision is a much-needed reaffirmation of democratic principles. Contentious as the Waqf Bill may be, a rigorous parliamentary debate offers a platform for parties to present their arguments, expose contradictions in the ruling party's stance and allow citizens to understand the full implications of the legislation. By pressing for a vote, the Opposition is compelling fence-sitters and NDA allies to take a clear position, thereby ensuring greater accountability.

The Bill has elicited diverse perspectives. Proponents argue that including non-Muslims in Waqf boards will enhance transparency and curb mismanagement. Conversely, critics contend that this inclusion could undermine Muslim authority over their endowments and potentially lead to government overreach. Additionally, some fear that the Bill may facilitate the confiscation of historic mosques and other properties, further marginalising the Muslim community. The INDIA bloc has also sought the support of non-aligned parties like the BJD and the YSR Congress to strengthen its stand. Such strategic outreach highlights the importance of alliances in parliamentary decision-making.

While heated debates are inevitable, as seen in the ongoing Lok Sabha discussions, they remain far superior to disruptions that leave pressing issues unaddressed. If this approach is sustained, it could herald a more mature and effective parliamentary process, where laws are debated on merit rather than reduced to political flashpoints. Democracy thrives when elected representatives engage in informed deliberation rather than staged protests. This approach should become the norm rather than the exception.

The dangers of excavating the past

The 'thousand years of slavery' makes emotions raw and leads to excavations that cannot be the priority of the Republic.

HISTORY is a minefield which can lead to great, unwelcome and unnecessary problems when India's overwhelming priority should be national consolidation, development and promotion of its strategic interests. The difficulties created by a deliberate focus on history, as is taking place now, become greater when persons, groups and parties view it through ideologically driven current political and electoral considerations. This inevitably leads to some historical figures and their clans being either stigmatised or applauded by different persons or groups.The question is whether the ruling dispensation's by now clear emphasis of India having undergone 'a thousand years of slavery' has let loose a genie. And, if so, what would be its consequences? Indeed, would it, as the ruling dispensation desires, lead to the coming together of the Hindus? Or, are there dangers that it will have the opposite impact — not only make old historical scars itch but also open social fissures among the Hindus who have remained closed over the centuries?One recent painful example of the social and political consequences of 'a thousand years of slavery' projection was witnessed in Parliament in the exchange over Rana Sanga. Ramji Lal Suman, Samajwadi Party Rajya Sabha member from UP, made unpalatable comments on Rana Sanga, who is venerated by the Rajput community as a hero. He is considered a hero by others too. Not only was there a furore in Parliament on the issue but Suman's comments also led to his house in Agra being attacked allegedly by a Rajput community group.Suman's own party has been drawn into the controversy, but it is treading a fine line. It does not wish to annoy either Suman's base or the Samajwadi Party's Rajput followers. As for Suman, media reports indicate that he has not withdrawn his comments. This controversy has not consolidated the Hindus but has had, in a small way, the opposite impact.Recently, in his podcast talk with Lex Fridman, Modi, recalling the contribution of Mahatma Gandhi to India, observed: "Another key factor to consider is India's fight for independence. India was ruled by the Mughals, the British and several other foreign powers. Despite being bound by the shackles of colonial rule for centuries, the flame of independence burned brightly in every corner and nook of India, never fading, always fuelling the desire for freedom."Significantly, but not surprisingly, Modi has included the Mughals as a foreign colonial power in his formulation. This is obviously in line with the idea of 'a thousand years of slavery'. This idea is leading to demands — and these demands may only grow in time — by some sections that symbols of Mughal rule should not be allowed to stand.

Positive remarks on some controversial historical figures such as Aurangzeb also inflame passions in these hypersensitive times. The controversy surrounding Mughal Emperor Aurangzeb's grave which erupted last month led to demands by sections of the VHP and Bajrang Dal that the grave be removed from its location in Khuldabad, Chhatrapati Sambhajinagar district. The media quoted a memorandum given by the VHP to Maharashtra CM Devendra Fadnavis, stating inter alia: "Having his memorial in India is an endorsement of his injustices; the grave should be properly removed…."

A little over two weeks after the VHP's views, RSS' former sarkaryavah (general secretary) Suresh Bhaiyyaji Joshi said that the controversy over Aurangzeb's grave was "unnecessary." He clarified that as Auranzeb had died in Khuldabad, he was buried there and anyone can visit his grave.It is interesting that the RSS toned down the VHP's demand; thus, indicating that the manner in which actions will unfold on handling the 'thousand years of slavery' period's remnants is not clear within the ruling dispensation.As during the period of British colonialism, during Mughal times or those of the Sultanate, too, there were some Indians who opposed the rule through different means and others who collaborated with it. During the Muslim period, a number of Indians got converted to Islam, while during the British rule, some became Christians.After Independence, the Congress party and others that emerged from the National Movement did not stigmatise those who had collaborated with the British rulers. Indeed, Sardar Patel ensured that the Indian Civil Service and other elements of the bureaucracy continued to serve independent India, as did the British Indian army, which became the army of the Republic. The judiciary, too, continued and, finally, India adopted the British political system, too.Naturally, the heroes of the Republic were not those who aided the British or kept themselves completely aloof from the National Movement but those who led the fight for freedom. Also, these institutions imbibed the spirit of the Republic.Now, the impulses which wisely guided the Republic in its early years have given way to the stigmatisation of those who were impacted by western modes of thought which emerged from the European Enlightenment as 'Macaulay's children'. It is overlooked that 'Macaulay's children' never turned their back on India's ancient traditions but wanted a hierarchical society to become egalitarian and follow the path shown by the Republic's Constitution. The term 'Macaulay's children' is used by those who also have stressed the notion of a thousand years of slavery.So, now will those who were influenced by the Indo-Persianate culture (which has disappeared from India) be stigmatised? And what of those Hindu clans that had collaborated with the Mughals? Will a distinction be drawn between those who entered into 'matrimonial alliances' with the Mughals and those who refused to do so as they considered them humiliating? Certainly, such alliances were not on an equal basis during the Mughal period. Many clans that entered into matrimonial alliances with the Mughals held senior positions in the Mughal forces and administration. How should these Hindu grandees be looked upon? Naturally, Maharana Pratap and later Shivaji refused to submit to Mughal writ and they are rightly looked upon as heroes today.The 'thousand years of slavery' makes emotions raw and leads to excavations that cannot be the priority of the Republic as it confronts the challenges of these dramatically changing technological and global dynamics.

Trump tariff blitz wrecks Wall Street, markets suffer biggest fall since Covid

Wall Street plunged over Trump's new tariffs, worst since 2020
S&P 500 fell 4.8%, Dow down 1,679 points, Nasdaq dropped 6%
Tariffs may cut US growth by 2% and hike inflation to 5%

New Delhi. Wall Street shuddered, and a level of shock unseen since Covid's outbreak tore through financial markets worldwide on Thursday on worries about the damage President Donald Trump's newest set of tariffs could do to economies across continents, including his own.The S&P 500 sank 4.8%, more than in major markets across Asia and Europe, for its worst day since the pandemic crashed the economy in 2020. The Dow Jones Industrial Average dropped 1,679 points, or 4%, and the Nasdaq composite tumbled 6%.Little was spared in financial markets as fear flared about the potentially toxic mix of weakening economic growth and higher inflation that tariffs can create. More than $2 trillion in value vanished, according to Howard Silverblatt, a senior index analyst at S&P Dow Jones Indices.Everything from crude oil to Big Tech stocks to the value of the US dollar against other currencies fell. Even gold, which hit records recently as investors sought something safer to own, pulled lower. Some of the worst hits walloped smaller US companies, and the Russell 2000 index of smaller stocks dropped 6.6% to pull more than 20% below its record.Investors worldwide knew Trump was going to announce a sweeping set of tariffs late Wednesday, and fears surrounding it had already pulled Wall Street's main measure of health, the S&P 500 index, 10% below its all-time high. But Trump still managed to surprise them with "the worst case scenario for tariffs," according to Mary Ann Bartels, chief investment officer at Sanctuary Wealth.Trump announced a minimum tariff of 10% on imports, with

the tax rate running much higher on products from certain countries like China and those from the European Union. It's "plausible" the tariffs altogether, which would rival levels unseen in roughly a century, could knock down US economic growth by 2 percentage points this year and raise inflation close to 5%, according to UBS.

Such a hit would be so big that it "makes one's rational mind regard the possibility of them sticking as low," according to Bhanu Baweja and other strategists at UBS.Wall Street had long assumed Trump would use tariffs merely as a tool for negotiations with other countries, rather than as a long-term policy. But Wednesday's announcement may suggest Trump sees tariffs more as helping to solve an ideological goal than as an opening bet in a poker game. Trump on Wednesday talked about wresting manufacturing jobs back to the United States, a process that could take years.

If Trump follows through on his tariffs, stock prices may need to fall much more than 10% from their all-time high in order to reflect the recession that could follow, along with the hit to profits that U.S. companies could take. The S&P 500 is now down 11.8% from its record set in February.

US trade policy offers both challenges and opportunities

New Delhi. The US government's decision on tariff on Indian imports is expected to have a major impact across multiple sectors. The new levies are likely to hit India's $32 billion gems & jewellery exports hard, given the US accounts for $11.58 billion, or 34%, of these exports."While the tariff's application to competing nations presents both challenges and opportunities, it is expected to significantly impact India's diamond and jewellery sector, a cornerstone of its exports to the US," the Gem & Jewellery Export Promotion Council said in a statement. "In the short run, we see challenges in sustaining India's export volume of $10 billion to the US market." The US is India's largest goods export destination, about $78 billion in annual exports, or 18% of India's total exports (FY24).

India has an annual goods trade surplus of about $35 billion with the US. Auto parts and aluminium exports remain outside the scope of the latest 27% levy, though they will still be subject to the previously announced 25% tariff. This is expected to affect Tata Motors' JLR (exported from the UK), which derives 33% of its sales from North America.

"The tariff could force price hikes or cost-cutting measures to maintain margins. Given its premium positioning, JLR may have some resilience, but near-term volume pressure is expected," said Sanket Kelaskar, analyst - institutional equity at Ashika Group. Since passenger vehicle exports from India to the US constitute less than 1% of total PV exports, tariff will not impact domestic automotive OEMs.The auto component industry will face challenges. India's auto components exports is 29% of industry revenues in FY24, with 27% of these exports going to the US.

Smartphone exports unlikely to be derailed by tariff move

NEW DELHI. India is in a better position compared to its key competitors in the electronics export sector, particularly China, Vietnam, Thailand, and Indonesia, following the Trump administration's tariff announcement, according to experts.

However, they advise the Indian government to continue negotiating with the US to lower tariffs and pursue a bilateral trade agreement. As per Donald Trump's announcement on April 2, 2025, Vietnam, Thailand, Indonesia, and Malaysia face tariff rates of 46%, 36%, 32%, and 24%, respectively. In contrast, Idia's reciprocal tariff rate stands at 27%.In 2023-24, India exported $10 billion worth of electronics to the US. However, countries such as Saudi Arabia, the UAE, Brazil, and the Philippines have secured lower tariff rates, posing a threat to India's electronics exports.

"Several developing countries have secured notably lower tariff rates compared to India, including Brazil, Turkey, Saudi Arabia, the UAE (each at 10%), and the Philippines (17%). Saudi Arabia and the UAE represent near-term threats to India's electronics exports due to their SEZs, competitive manufacturing environments, and potential labor-cost advantages. Brazil's favorable tariff treatment, despite historical trade barriers, adds to strategic ambiguity and warrants careful monitoring," said Pankaj Mohindroo, Chairman of the India Cellular and Electronics Association (ICEA). Ajay Srivastava, founder of GTRI, shares a similar viewpoint he said that in the electronics, telecom, and smartphone sectors, countries like Vietnam and Thailand are likely to lose cost competitiveness due to the steep US tariffs."As global brands seek to diversify supply chains away from high-tariff countries, India can emerge as a preferred destination for new manufacturing setups and component assembly lines," said Srivastava.

Biggest plunge for the dollar in a decade as Trump's tariffs send shockwaves through the global economy

NEW DELHI. Financial markets around the world are reeling following President Donald Trump's latest and most severe volley of tariffs, and the dollar slumped by as much as 2.6 percent versus the euro, its biggest intraday plunge in a decade, and suffered sharp losses also against the yen and British pound.

The U.S. stock market may be taking the worst of the tariff shock. Little was spared as fear flared globally about the potentially higher inflation and weakening economic growth that tariffs can create. Prices fell for everything from crude oil to Big Tech stocks to small companies that invest only in U.S. real estate.

"The simultaneous decline in both stocks and the US dollar speaks volumes about investor confidence in Trump's trade policy," said City Index and FOREX.com analyst Fawad Razaqzada.

The U.S. Senate voted 51-48 to counter Trump's tariffs on Canada by ending the presidential emergency declaration on fentanyl Trump used to justify them. The resolution has little chance of passing the Republican-controlled House but shows the limits of GOP support for Trump's vision of remaking the U.S. economy by restricting free trade.A new AP-NORC poll shows Trump's dramatic changes to the federal government have yet to emerge as an obvious political winner or loser.And while U.S. Secretary of State Marco Rubio and the Trump administration's new envoy to NATO seek toreassure wary allies of the U.S. commitment to the alliance, the current Supreme Allied Commander Europe tells senators that if the U.S. relinquishes this commander role, it could put large numbers of U.S. troops under non-U.S. command for the first tWorld readers react to "brutal" new tariffsFrench President Emmanuel Macron called for suspending investment in the United States until what he called the "brutal" new tariffs had been "clarified."But the 27-nation EU and other countries also showed willingness to negotiate as they refrained from immediate retaliatory measures, with almost a week until the harsher US levies actually take effect.Beijing said it was "maintaining communication" with Washington over trade issues, and EU trade chief Maros Sefcovic planned to speak with US counterparts on Friday.

Sensex tanks over 700 points as Wall Street bloodbath sinks Indian IT stocks

Sensex, Nifty plunge as Wall Street crash rattles markets
Trump's tariffs hammer Indian IT, auto, metal stocks hard
Global trade war fears deepen market volatility, say analysts

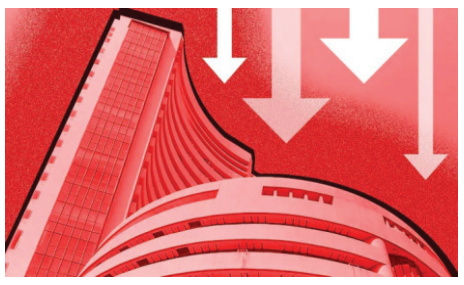

NEW DELHI. Benchmark stock market indices fell sharply after opening on Friday as the bloodbath on Wall Street hit information technology and auto stocks on Dalal Street.The S&P BSE Sensex was down 698.89 points to 75,596.47 at around 10:06 am, while the NSE Nifty50 was trading 269.50 points lower at 22,980.60.

All the other broader market indices declined sharply as volatility rose due to chaos triggered by US President Donald Trump's reciprocal tariffs announcement, which led to heightened fears of a global recession.Vaibhav Porwal, Co-Founder of capital market company Dezerv, said tariffs will create near-term market volatility. "In this market environment, gains will likely be concentrated in select stocks rather than broadly distributed, making careful stock selection and active management strategies more effective than passive approaches," Porwal said.

It may be noted that auto, metal and IT stocks have been hit hard as Donald Trump's reciprocal tariffs have threatened to significantly hit the revenues of these export-heavy sectors. Tata Motors' shares were down nearly 5% amid concerns about exports of Jaguar Land Rover (JLR) vehicles to the US. Companies like Hindalco, Tata Steel, L&T and JSW Steel also witnessed a steep decline.

Heavyweight Reliance Industries also tumbled over 2.3% during the session. Some of the stocks that are likely to be in focus today include HDFC Bank, Zomato, DMart.Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services, said, "Markets are going through heightened uncertainty which is likely to last some time. A trade war has been triggered by Trump and retaliatory tariffs from China, EU and others are on the cards. This will only extend the period of uncertainty and confusion in the market."

"It appears that a contraction in global trade and decline in global growth are inevitable in the present context. Decline in global growth will impact India's growth,too, even though we might do better than other large economies," he added."Investors can wait for the dust to settle down. For the short term, it would be better to focus on domestic consumption-driven themes and pharma in the externally-linked segments.

US tech, retail stocks lead rout after Trump's tariff blow

NEW DELHI. Megacap US tech companies including Apple and retail giants Walmart and Nike led a global market meltdown as President Donald Trump's sweeping new tariffs heightened fears of a spike in costs across a wide range of industries.The tariffs, which threaten to destabilize the world trade order and unsettle businesses, mark a sharp reversal from just a few months ago when hopes of business-friendly policies under the Trump administration pushed US stocks to record highs.Trump said he would impose a 10% baseline tariff on all US imports along with higher duties on dozens of other countries, pushing U.S. tariffs to the highest in more than a century according to Fitch Ratings.Analysts and economists warned that hefty tariffs on imports from Asian manufacturing hubs and potential retaliatory measures could rattle global supply chains, dent corporate profit margins and significantly raise recession risks.Ken Mahoney, CEO of Mahoney Asset Management in Montvale, New Jersey, said some pre-announcements can be expected this earnings season. "What guidance can a company really give in this scenario when things are looking so dire?""Even before tariffs were actually set in stone, we heard from companies like Walmart and

Delta, for example, ... that they were already seeing a slowdown as the tariff talk just started so we can only imagine what they are going to say now," he said.The Dow Jones Industrial Average fell more than 3% and the benchmark S&P 500 was down almost 4%.

TECH HARDWARE AND SEMICONDUCTORS

An 8.8% drop in Apple's shares was the biggest weight on the S&P 500. More than 90% of its manufacturing is based in China, one of the hardest-hit countries by the tariffs, according to an estimate from Citi.Rosenblatt Securities estimated the iPhone maker could face $39.5 billion of tariff costs, adding that "if these costs were just eaten by Apple, we estimate a near 32% hit to operating profit and EPS, annualized."Makers of PCs and AI servers will be hit hard as well. The U.S. imported nearly $486 billion in electronics last year, the second-biggest sector for imports, after machinery, according to Census Bureau data.

Asian stocks slide after Wall Street surrenders to hit by Trump's tariffs

HONG KONG. Asian shares slid further Friday after US President Donald Trump's tariffs sent shudders through Wall Street at a level of shock unseen since the COVID-19 pandemic pummeled world markets in 2020.

Everything from crude oil to Big Tech stocks to the value of the US dollar against other currencies has fallen. Even gold, a traditional safe haven that recently hit record highs, pulled lower after Trump announced his "Liberation Day" set of tariffs,' which economists say carries the risk of a potentially toxic mix of weakening economic growth and higher inflation.Markets in Shanghai, Taiwan, Hong Kong and Indonesia were closed for holidays, limiting the scope of Friday's sell-offs in Asia.Tokyo's Nikkei 225 lost 4.3% to 33,263.58, while South Korea's Kospi sank 1.8% to 2,441.86.The two US allies said they were focused on negotiating lower tarifs with Trump's administration.Australia's S&P/ASX 200 dropped 2.

2% to 7,684.30.In other trading early Friday, the US dollar fell to 145.39 Japanese yen from 146.06. The yen is often used as a refuge in uncertain times, while Trump's policies are meant in part to weaken the dollar to make goods made in the US more price competitive overseas.The euro gained to $1.1095 from $1.1055.Trump announced a minimum tariff of 10% on global imports, with the tax rate running much higher on products from certain countries like China and those from the European Union. Smaller, poorer countries in Asia were slapped with tariffs as high as 49%.It's "plausible" the tariffs altogether, which would rival levels unseen in more than a century, could knock down US economic growth by 2 percentage points this year and raise inflation close to 5%, according to UBS.

That's such a big hit it "makes one's rational mind regard the possibility of them sticking as low," according to Bhanu Baweja and other strategists at UBS.Trump has previously said tariffs could cause "a little disturbance" in the economy and markets. On Thursday he downplayed the impact.

What has he done' Startup leaders criticise Piyush Goyal's 'dukaandari' jibe

Startup ecosystem leaders' response came after Piyush Goyal took a firm stance and said that while Indian startups were busy building food delivery platforms and fantasy gaming apps, those in countries like China were working on EVs, semiconductors, batteries, and AI.

New Desk. Startup founders and leaders have stepped up to defend India's startup ecosystem after Union Minister Piyush Goyal questioned its direction and focus. China, is under the spotlight after a strong statement from Union Commerce Minister Piyush Goyal.Speaking at the Startup Maha Kumbh on Thursday, Goyal criticised the current direction of Indian startups. He pointed out that while many Indian startups are focusing on food delivery, betting, and fantasy sports, Chinese startups are working on electric vehicles, battery technology, semiconductors, and artificial intelligence.

"Do we have to make ice cream or chips? Dukaandari hi karna hai (Do we just want to do shopkeeping)?," Goyal asked during his speech. He questioned whether the country was content with creating gig jobs instead of aiming for deeper innovation and long-term progress in key technologies.These comments have led to strong responses from well-known names in the startup and tech world.

Mohandas Pai, former CFO of Infosys and a prominent investor, said the comparison with China was unfair and unhelpful. He raised concerns about the role of government policies in slowing down the growth of deep tech in India.

"These are bad comparions. India has startups in all those areas too but they are small. Minister @PiyushGoyal should not belittle our startups but ask himself what has he done as our Minister to help deep tech start ups grow in India?" Pai wrote on X.He further blamed India's financial system and regulations for creating hurdles."We have a hostile @FinMinIndia @nsitharaman who harassed start ups on Angel tax for many years, do not allow endowments to invest, insurance cos still do not invest whereas they do globally. @RBI regularly harasses overseas investors on remittances and AIFs, treat them badly, cos FE rules. China invested 845 billion dollars from 2014 to 2024. India only 160 billion dollars! Why is Minister

Zepto founder Aadit Palicha also responded

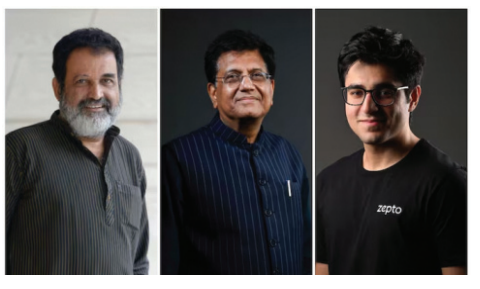

and defended India's consumer internet startups and highlighted the impact of Zepto, which began only 3.5 years ago.

Zepto became a unicorn in 2023 and is one of the industry pioneers in quick e-commerce. It started the 10-minute delivery service via its online app, which has been adopted by its competitors."It is easy to criticise consumer internet startups in India, especially when you compare them to the deep technical excellence being built in US/China. The reality is this: there are almost 1.5 lakh real people who are earning livelihoods on Zepto today," Palicha said.He also pointed out that Zepto pays over Rs 1,000 crore in taxes to the government each year, has brought in over a billion dollars of foreign direct investment, and has invested hundreds of crores into India's supply chains, especially for fresh fruits and vegetables."If that isn't a miracle in Indian innovation, I honestly don't know what is," he added.Palicha further argued that large-scale internet companies are important for developing future technologies. "Why doesn't India have its own large-scale foundational AI model? It's because we still haven't built great internet companies," he said.He gave global examples to support his point. "Most technology-led innovation over the past two decades has originated from consumer internet companies. Who scaled cloud computing? Amazon. Who are the big players in AI today? Facebook, Google, Alibaba, Tencent – all started as consumer internet companies," he said.Palicha also explained that these companies have access to the best data, talent, and capital, which helps them drive innovation.

Only Delhi women to be allowed for free bus rides with smart cards

The move comes days after CM Rekha Gupta in the Assembly alleged corruption in the existing pink ticket system under the previous AAP government.

NEW DELHI. The free bus rides scheme for women launched during Aam Aadmi Party's tenure will now have a rider. According to officials, the scheme will now be available to women residing in the national capital.

The women will now be given lifetime smart cards to avail the free ridership in DTC buses replacing the pink tickets, said officials. For this, the Delhi government will soon launch a registration process where the beneficiaries would be asked to produce proof of residence to ensure that they are residents of Delhi. "As per the eligibility criteria, the lifetime smart card will be issued only to women residing in Delhi, allowing them to travel anywhere, any time without any limitations," an official said. The move comes days after CM Rekha Gupta in the Assembly alleged corruption in the existing pink ticket system under the previous AAP government. "We are committed to providing this service to women... Corruption will not be tolerated. We will introduce digital travel cards for women, putting an end to the 'pink corruption' tied to physical tickets," Gupta said. "The card will allow women to travel freely on public buses anytime, eliminating corruption linked to ticketing," she added, emphasising that the ticketing system will be fully digitised to enhance efficiency.

She also said that the entire system would be modernised, and the flawed existing schemes would be revamped to ensure transparency and efficiency. "Our goal is to make Delhi's public transport more accessible, reliable and globally recognised," Gupta said during the Budget Session of the Assembly, highlighting the broader efforts to make public transports more inclusive and efficient, particularly for women. The free bus ticket scheme was launched by the AAP on the occasion of Bhai Dooj in 2019. Women receive single-journey passes in the form of pink tickets, with the government covering the cost of Rs 10 per ticket.

Govt to soon launch registration process

The Delhi government will soon launch a registration process where the beneficiaries would be asked to produce proof of residence to ensure they are residents of Delhi. As per the eligibility criteria, the lifetime smart card will be issued only to women residing in Delhi, allowing them to travel anywhere, any time without any limitations," an official said. The move comes days after Chief Minister Rekha Gupta in the assembly alleged corruption in the existing pink ticket system.

Over 50,000 power cuts lasting over five hours in last 10 years in Delhi: Minister Sood

NEW DELHI. Power Minister Ashish Sood on Thursday accused the Aam Aadmi Party (AAP) of misleading the public on power outages in the capital. Speaking at a press conference at the Delhi secretariat, Sood dismissed opposition claims, stating that the AAP government presided over 51,958 power cuts lasting over five hours in the last 10 years, averaging 14 long outages per day. Soood said the government is considering legal action against those spreading falsehoods and disturbing peace.

He asserted that no power grid in the world can function without scheduled shutdowns and questioned why prolonged power cuts occurred under Atishi's tenure despite AAP's claims of transforming the sector. Citing data from BSES and Tata Power, Sood detailed power cut incidents from 2015 to 2024, with peak outages in 2016 (8,659 instances) and the lowest in 2022 (2,692 instances).

He also dismissed Atishi's claim that data on power cuts was available on the state load dispatch centre (SLDC) website, stating that no such figures exist in official records.

Looking ahead, Sood said the government is working on transformer upgrades, removing overhead cables, and collaborating with the Public Works Department (PED) and the Delhi Jal Board to prevent waterlogging-related outages. With summer demand expected to rise to 9,200 MW, he assured that the government is implementing load balancing, setting up a 24-hour control center, and reviewing power purchase agreements. The AAP has repeatedly accused the BJP-led Delhi government of mismanaging the city's power supply, citing frequent outages since it took office.

Delhi HC says high speed alone doesn't prove rash or negligent driving

NEW DELHI. The Delhi High Court has ruled that driving at a high speed cannot automatically be deemed as rash and negligent behavior and stressed that speed alone is insufficient to establish culpability unless supported by concrete evidence of reckless conduct. Justice Saurabh Banerjee made the observation while discharging a man accused of driving at high speed and fatally hitting two pedestrians.

The accused had been convicted by a trial court under Sections 279 (rash driving) and 304A (causing death by negligence) of the IPC, 1860, and sentenced to two years of rigorous imprisonment. Reversing the conviction, the court noted a significant lack of evidence to demonstrate that the accused was driving in a reckless or negligent manner.

"Even assuming that the petitioner was driving at a 'high speed', the same is not sufficient to conclude that he was, in fact, driving the car in a 'rash and negligent' manner," Justice Banerjee said.

The court pointed out that neither the witnesses nor the prosecution had defined what constituted "high speed" in the case or provided any specific details about the speed at which the vehicle was being driven.

The HC observed that merely because the car, allegedly being driven at a 'high speed', hit two pedestrians, leading to their death, it is not adequate for a court of law to hold that the petitioner was being 'rash and negligent'. It further criticised the prosecution's case for its overall inconsistencies and lack of conclusive proof. "Succinctly put, there being an overall infirmity and unfilled lacunae in the case set up by the prosecution, it was not able to prove beyond reasonable doubt that the petitioner was indeed driving the car in a 'rash and negligent' manner, which resulted in the demise of the two pedestrians," the court observed.

Heritage tag for Delhi Old Secretariat likely soon

After Independence, the building saw a lull in activity until Delhi was granted an Assembly in 1952.

NEW DELHI. The iconic Old Secretariat building — which houses the Delhi Legislative Assembly — may soon become a heritage site. Unveiling a plan to convert the 115-year-old structure into a heritage site, Assembly Speaker Vijender Gupta on Thursday said that he would take it up with Union Minister of Culture Gajendra Singh Shekhawat.

Once a symbol of imperialism, the Vidhan Sabha building housed both the Central Legislative Council (Parliament) and a temporary Central Secretariat when the capital of British India was shifted from Kolkata (then Calcutta) to Delhi in December 1911. After Independence, the building saw a lull in activity until Delhi was granted an Assembly in 1952.

However, the Assembly was disbanded in 1956. The building assumed fresh significance in 1966 as a Metropolitan Council was established in Delhi. The building has been the seat of the Delhi legislature since 1993. The Old Secretariat was designed by E Montague Thomas in 1912 and was completed in eight months. The Assembly had plans in 2022 to renovate the execution house — a two-room suite outside the Assembly chamber that can be accessed via a staircase — and throw it open to the public.

Master plan to ensure clean water in Delhi

Verma says initiative aims to tackle long-term water shortages and improve infrastructure

NEW DELHI. Water Minister Parvesh Verma on Thursday inspected the Wazirabad Water Treatment Plant (WTP) and Sewage Treatment Plant (STP), announcing a 50-year master plan to ensure a sustainable and clean water supply for the city. The initiative aims to tackle long-term water shortages and improve infrastructure, he said.

A major component of the plan involves desilting the Wazirabad Barrage to double its storage capacity within the next one to one-and-a-half months. Verma stated that this measure will help prevent shortages, particularly during the summer months. He also criticized past administrations for neglecting Delhi's water infrastructure, emphasizing that his government is committed to transparency and effective governance. The minister also highlighted efforts to curb Yamuna pollution and illegal encroachments. "The Delhi Jal Board (DJB) has enlisted the help of the Indian Army's Territorial Army to prevent encroachments and waste dumping into the river," he said. He assured stricter surveillance and tougher enforcement against violators to restore the Yamuna's health.

Verma also announced the implementation of a comprehensive water management strategy to replace crisis-driven solutions with long-term reforms. The plan includes upgrading pipelines, preventing water leakage, and enhancing the distribution network to reduce wastage. He noted that outdated pipelines and illegal water extraction have contributed significantly to Delhi's water issues, but the new approach will address these problems systematically.

To maintain transparency, Verma disclosed that the Total Dissolved Solids (TDS) level in Wazirabad's water stands at 170, which meets safety standards set by the World Health Organization (WHO) and Indian regulations. "I drank the treated water myself and verified its safety. Instead of fear-driven politics, we are taking concrete steps to guarantee clean water for every citizen," he said.

He also revealed plans for an IT-based dashboard to enable real-time tracking of water intake and output at WTPs and STPs. Reaffirming the government's commitment to ensuring uninterrupted clean water access for all Delhi residents, he stated, "Those using the water crisis for political gain will have to answer for their actions.

Over 300 seized vehicles gutted in police yard fire in Delhi

NEW DELHI. More than 300 vehicles seized by Delhi Police were destroyed in a fire that broke out on Thursday at the malkhana in Nehru Place, located in the southeastern part of the national capital, officials said.

Fire officials reported receiving an alert about the blaze around 2 pm. The caller informed them that the fire was spreading across vehicles parked at the malkhana (yard) behind the MTNL office in Nehru Place. In response, five fire tenders were dispatched to the scene. Firefighters managed to bring the fire under control and began cooling operations.

The fire had affected two-wheelers, three-wheelers, and cars in the open area of the malkhana. No casualties were reported in the incident, according to senior fire officials.

The vehicles, which were parked in the malkhana, had been seized under the 207 Motor Vehicle Act and 66 Delhi Police Act. Initial investigations indicate that approximately 300 to 400 vehicles were destroyed in the fire, the officials said, adding that the exact cause of the blaze remains under investigation. In a separate incident, a car caught fire on Wednesday night in the Ambedkar Nagar area of South Delhi. No injuries were reported in the incident.

Police said they received a PCR call around 9 pm regarding the fire. Upon arrival at the Khanpur to Chirag Delhi road, officers found a car engulfed in flames. The driver, Shakeel Ahmad, a resident of Jamia Nagar, stated that the fire started suddenly while he was driving.

5-7 per cent fee hike in new DU academic session likely

According to projections, the university expects to collect more than Rs 246 crore in revenue from tuition fees in the financial year 2025-26.

NEW DELHI. Delhi University is planning to increase "nominal 5%-7%" fees charged from students in the academic year 2025-26, with Vice-Chancellor Professor Yogesh Singh saying the hike will be applicable for all courses.

In an exclusive interview with this newspaper, Professor Singh says that the fee hike is not to strengthen the finances of the university, but to compensate for inflation.

"We don't want to hike the fees very heavily for the students. It will be a regular hike. Fees alone don't run the varsity. We have adequate budget and support from the Central government," he said.

"Under the Higher Education Funding Agency, we've got Rs 1,000 crore and Rs 900 crore for the Institute of Eminence tag. We have recently purchased furniture worth Rs 100 crore and spent over Rs 100 crore on upgrading our library. We are trying to work harder to spend the money for the future of our students," he said.

According to projections, the university expects to collect more than Rs 246 crore in revenue from tuition fees in the financial year 2025-26.

The V-C talked about revamping the student election process in the university. "It is time for the university to rethink the election system. We are yet to decide if direct or indirect elections will be held to appoint DUSU members," he said.

Delhi Assembly to install 500 kVA solar panels within 100 days

NEW DELHI. The Delhi Assembly has announced plans to install 500 kVA capacity solar panels within 100 days, which is expected to save approximately Rs 15 lakh per month in electricity costs, Speaker Vijender Gupta said on Thursday. Gupta emphasised that the initiative would promote solar energy, sending a message to the public to adopt renewable energy and work towards zero electricity bills.

Additionally, Gupta revealed that the Assembly aims to go paperless before the upcoming monsoon session under the National e-Vidhan Application (NeVA) project. As part of the initiative, a media desk will be established, equipped with 25 computers, an internet connection, and printers.

Addressing the press, Gupta also highlighted the accomplishments of the new Delhi government, stating that in the 40 days since its formation, two sessions had been held and concluded successfully. The seven-day budget session was completed in a record 27.56 hours, he noted. Gupta shared that the budget, tabled on March 25, was discussed for just 7.13 minutes by 36 members, including those from the opposition Aam Aadmi Party (AAP). The only calling attention motion accepted during the session was moved by the opposition to discuss power cuts.

Gupta expressed surprise that despite being present on the Assembly premises, the opposition did not participate in the discussion on their own motion. He questioned the opposition's absence while they claimed to have been prevented from speaking on the issue of power cuts. "The Opposition will have to answer about this in the next session," he said.

The Speaker also criticized "politically motivated" disruptions by the opposition, stating that they were handled "sternly" during the budget session. For the first time, one day of the session was dedicated to private members' resolutions, and a record 78 matters were raised under the special mention rule. Gupta further noted that eight reports from the Comptroller and Auditor General (CAG) on the performance of the previous Delhi government were tabled in the House, but the opposition did not participate in the discussions.

Additionally, a resolution under Rule 107 was passed to dispose of over 300 matters carried forward from the previous Assembly's committees.

In a cultural milestone, the Assembly also celebrated the Hindu New Year for the first time, marking another achievement of the current session.

House needs around 600 KW of power: Speaker

Speaker Vijender Gupta said on Thursday, "The Assembly needs around 600 KW of power and it has two solar plants with 100 KW capacity each. The installed solar power capacity will be increased to fulfil our energy needs fully with solar power." Addressing a press conference, Gupta said the Assembly will promote solar energy to send a message to public to adopt it and ensure zero bills against electricity consumption.

NEWS BOX

South Korea court upholds President Yoon's impeachment, ousts him over martial law

Seoul South Korea's Constitutional Court on Friday decided to oust President Yoon Suk Yeol, upholding parliament's impeachment motion over his short-lived imposition of martial law last year that sparked the country's worst political crisis in decades.

With Yoon's ouster, a presidential election is required to take place within 60 days, according to the country's constitution.Yoon's lawyer said that he feels miserable after the court upholds his impeachment.Prime Minister Han Duck-soo will continue to serve as acting president until the new president is inaugurated.The ruling caps months of political turmoil that has overshadowed efforts to deal with the new administration of US President Donald Trump at a time of slowing growth.

Separately, 64-year-old Yoon faces a criminal trial on insurrection charges. The embattled leader became the first sitting South Korean president to be arrested on January 15 but was released in March after a court cancelled his arrest warrant.The crisis was triggered by Yoon's December 3 declaration of martial law, which he has said was needed to root out "anti-state" elements, and the opposition Democratic Party's alleged abuse of its parliamentary majority that he said was destroying the country.Yoon lifted the decree six hours later after lawmakers defied efforts by the security forces to seal off parliament and voted to reject it. Yoon has said he never intended to fully impose emergency military rule and tried to downplay the fallout, saying nobody was hurt.

Months of protests have followed, and it remains unclear if the political chaos sparked by Yoon's martial law declaration will now be eased by the court ruling.

Trump confident in TikTok sale as US ban deadline approaches

world. President Donald Trump again downplayed risks that TikTok is in danger of being banned in the United States, saying he remains confident of finding a buyer for the app's US business by a Friday deadline.

The hugely popular video-sharing app, which has over 170 million American users, is under threat from a law that passed overwhelmingly last year and orders TikTok to split from its Chinese owner ByteDance or face a ban in the United States.Motivated by widespread belief in Washington that TikTok is ultimately controlled by the Chinese government, the law took effect on January 19, one day before Trump's inauguration.But the Republican president quickly announced a delay that has allowed it to continue to operate; that delay is set to expire on April 5.We have a lot of potential buyers. There's tremendous interest in TikTok," Trump told reporters onboard Air Force One late Sunday."We have a lot of people that want to buy TikTok. We're dealing with China also on it, because they may have something to do with it," he said, adding "I'd like to see TikTok remain alive."

Any deal to divest TikTok from ByteDance will require the approval of Beijing, and Trump has said he may offer to reduce tariffs on China as a way to get Beijing's approval for the sale.Trump, though he supported a ban in his first term, has lately become the app's greatest defender, seeing it as a reason more young voters supported him in November's election.

One of his major political donors, billionaire Jeff Yass, is also a major stakeholder in parent company ByteDance.

ByteDance on board? -

Several proposals for TikTok's US business have emerged since the law began to make its way through Congress last year. But according to The New York Times, citing people involved in coming up with a solution, the most likely fix would see existing US investors in ByteDance roll over their stakes into a new independent global TikTok company.Additional US investors would be brought on to reduce the proportion of Chinese investors. Trump at one point said the US government could also take a stake through a newly announced national sovereign fund.

You Cannot Annex Another Country": Denmark PM To US Over Greenland

Oslo. Accusing the US of subjecting Denmark and Greenland to "pressure and threats," Danish Prime Minister Mette Frederiksen firmly rejected US attempt to annex the Greenland, citing international law."You cannot annex other countries -- not even under the pretext of international security," Frederiksen said at a press conference with Greenlandic officials in Nuuk, the capital of Greenland. "National borders, sovereignty, territorial integrity - these are rooted in international law. These principles were established after World War II so that small countries would not have to fear large ones."Meanwhile, she expressed deep concern over what she described as pressure and threats from the United States. "When you seek to take over part of the Kingdom (of Denmark)'s territory, when we are subjected to pressure and threats by our closest ally, what are we to think about the country we have admired for so many years?" Frederiksen said.

The press conference, which was broadcast live by Danish broadcaster DR, was held amid US President Donald Trump's continuous expression of interest in acquiring Greenland, an autonomous territory of Denmark, Xinhua news agency reported.

Mute Egede, the outgoing Greenlandic prime minister, who spoke alongside Frederiksen and the incoming leader Jens-Frederik Nielsen, praised the Danish prime minister's stance and emphasised the progress made in Denmark-Greenland relations in recent years.He said that while challenges remain, the two sides are cooperating more closely. "Today's global situation obliges us to work together. Good friends and allies must stand together to defend the values we have long shared in the Western world," he said.

AI-Generated Research Paper Is Latest Spin On Climate Change Denial

Washington. Climate change deniers are pushing an AI-generated paper questioning human-induced warming, leading experts to warn against the rise of research that is inherently flawed but marketed as neutral and scrupulously logical.

The paper rejects climate models on human-induced global warming and has been widely cited on social media as being the first "peer-reviewed" research led by artificial intelligence (AI) on the topic.

Titled "A Critical Reassessment of the Anthropogenic CO2-Global Warming Hypothesis," it contains references contested by the scientific community, according to experts interviewed by AFP.

Computational and ethics researchers also cautioned against claims of neutrality in papers that use AI as an author.The new study -- which claims to be entirely written by Elon Musk's Grok 3 AI -- has gained traction online, with a blog post by Covid-19 contrarian Robert Malone promoting it gathering more than a million views.After the debacle of man-made climate change and the corruption of evidence-based medicine by big pharma, the use of AI for government-funded research will become normalized, and standards will be developed for its use in peer-reviewed journals," Malone wrote.There is overwhelming scientific consensus linking fossil fuel combustion to rising global temperatures and increasingly severe weather disasters.

Illusion of objectivity

Academics have warned that the surge of AI in research, despite potential benefits, risks triggering an illusion of objectivity and insight in scientific research."Large language models do not have the capacity to reason. They are statistical models predicting future words or phrases based on what they have been trained on. This is not research," argued Mark Neff, an environmental sciences professor.

The paper says Grok 3 "wrote the entire manuscript," with input from co-authors who "played a crucial role in guiding its development."Among the co-authors was astrophysicist Willie Soon -- a climate contrarian known to have received more than a million dollars in funding from the

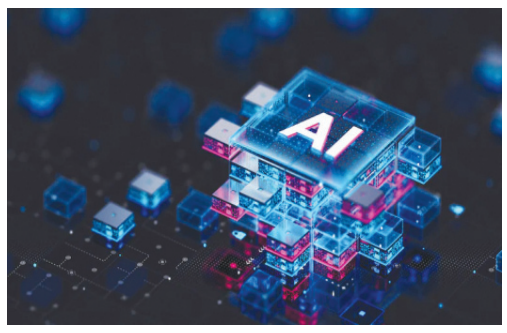

fossil fuel industry over the years.Scientifically contested papers by physicist Hermann Harde and Soon himself were used as references for the AI's analysis.

Microbiologist Elisabeth Bik, who tracks scientific malpractice, remarked the paper did not describe how it was written: "It includes datasets that formed the basis of the paper, but no prompts," she noted. "We know nothing about how the authors asked the AI to analyze the data."Ashwinee Panda, a postdoctoral fellow on AI safety at the University of Maryland, said the claim that Grok 3 wrote the paper created a veneer of objectivity that was unverifiable."Anyone could just claim 'I didn't write this, the AI did, so this is unbiased' without evidence," he said.

Opaque review process

Neither the journal nor its publisher -- which seems to publish only one journal -- appear to be members of the Committee of Publication Ethics.The paper acknowledges "the careful edits provided by a reviewer and the editor-in-chief," identified on its website as Harde.It does not specify whether it underwent open, single-, or double-blind review and was submitted and published within just 12 days.

No food, one toilet: Passengers fume as 30-hour Turkey airport ordeal drags on

Virgin Atlantic flight made emergency landing in Turkey on April 2

Over 250 passengers, many of them Indians, stranded at Diyarbakir Airport

Passengers facing lack of food, toilets, and charging points

world. More than 250 passengers, including several Indians, have been stranded for over 30 hours at Turkey's Diyarbakir Airport after a Virgin Atlantic flight from London to Mumbai was forced to make an emergency landing.Flight VS358 departed London's Heathrow airport at 11:40 a.m. local time on April 2 and was scheduled to land in Mumbai at 1:40 a.m. on April 3. However, the plane made an unscheduled landing at Diyarbakir airport around 7 p.m. local time after a passenger required urgent medical attention.Following what

Virgin Atlantic described as a "hard landing", the aircraft was deemed unfit to fly due to a technical issue. Passengers were disembarked, but while the crew was transported to a hotel, passengers remained confined to a restricted area within the small regional airport, which lacks adequate facilities."We are actively exploring all options, including the operation of an alternative aircraft, to ensure customers can reach Mumbai as soon as possible," the UK-based airline said in a statement on Thursday.Passengers, however, painted a grim picture of their ordeal. X users detailed a lack of basic amenities, including insufficient food, limited toilet facilities, and a lack of charging points for electronic devices."It's been 24 hours and not a single airline representative has met the passengers. They have barely any food, one toilet amongst 275 pax, phones running out of batteries as they don't have Turkish adapters. There are babies, pregnant women, diabetics and old people in this ordeal," wrote AAP leader Preeti Sharma-Menon on X, requesting government intervention.The Indian Embassy in Turkey said it is in contact with the airport and other authorities."The Embassy of India, Ankara is in constant communication with Virgin Atlantic Airlines, Diyarbakir Airport Directorate, and the Ministry of Foreign Affairs.

Indian-origin Catholic priest Arul Carasala shot dead in Kansas: What we know

Indian-origin Catholic priest Father Arul Carasala was fatally shot in Seneca, Kansas, on Thursday. The Immaculate Conception Church confirmed his death, describing the incident as a "senseless act of violence."

UPDATED. Indian-origin Catholic priest Father Arul Carasala was shot dead in Kansas' Seneca on Thursday. The Immaculate Conception Church in St. Mary's, Kansas confirmed his death on Facebook."Urgent Prayer Request: One of our priests, Fr. Arul Carasala in Seneca, was fatally shot today," the church posted.Father Carasala was from Hyderabad, India. He worked at Saints Peter and Paul Catholic Church in Seneca.Authorities haven't released any information about the conditions surrounding his fatal shooting.

Who is Arul Carasala?

Father Arul Carasala was born and raised in South India. He was ordained as a priest in 1994 in Diocese of Cuddapah, Telangana. He moved to Kansas in 2004 at the invitation of Archbishop James P. Keleher.

Father Carasala has been working in Kansas ever since and became a US citizen on May 20, 2011 in Kansas.

Earlier than serving at Saints Peter and Paul Catholic Church in Seneca, Father Carasala served at a number of other parishes in KansasHe became the pastor at various parishes, including St. Vincent de Paul in Onaga and St. Patrick in Corning.Kansas City Archbishop Joseph Fred Naumann announced his death.

"I am heartbroken to share the tragic news of the death of Fr. Arul Carasala, who was fatally shot earlier today," Naumann wrote."This senseless act of violence has left us grieving the loss of a beloved priest, leader, and friend."The Knights of Columbus organised a Rosary ceremony at Sts. Peter and Paul Parish in Seneca, followed by a Mass presided over by Archbishop Naumann in memory of Father Carasala.

Kansas Speaker of the House, Dan Hawkins, also shared his condolences. He said, "It is heartbreaking to hear of the news of the fatal shooting of Fr. Arul Carasala. My deepest prayers go out to all who knew him, as they grapple with this senseless act of violence and tragic loss to the faith community."

Trump's approval rating hits new low amid tariff announcement

world. President Donald Trump's approval rating has dropped to 43%, the lowest since he took office. According to a Reuters/Ipsos poll, most Americans are not happy with his tariff strategy and his administration's management.The survey, which lasted three days and closed on Wednesday, indicated a 2-point drop from a survey taken in late March. It is also 4 points below the 47% approval rating which he received shortly after his inauguration in January.Trump's approval had been highest in early 2017 at 49%. His lowest in his first term was 33% in December 2017.Despite his current approval being lower than it was earlier this year, it's higher than it was for most of his first term. While Joe Biden had a lower 35% just before the November election.

Are Americans satisfied with aggressive Trump policies?

One of the main areas where Trump's popularity declined is in how he manages the economy. Only 37% of people sanctioned his performance on economic matters, and only 30% sanctioned his response to the high cost of living, an issue President Biden is also grappling with.Most Americans are particularly concerned about Trump's tariffs on items such as automobiles and automotive parts. Almost half of respondents indicated that they think the new tariffs will harm them and their families.Trump's tariff hikes have created uncertainty in the stock market. His aggressive policies have also resulted in a shift in the way the US engages with the world by disrupting long-standing diplomatic norms.Another problem that has been of concern is how the Trump administration manages a military situation.The survey found that 74% of individuals felt that it was irresponsible for Trump's staff to talk about a military strike on militants in Yemen on a popular messaging app, Signal.Only 22% of respondents felt that it was merely an error. 70% of people said Trump should be held accountable for the gaffe.Trump's foreign policy approval rating also fell to 34%, from 37% in January. But he still got a higher approval rating for his immigration handling, with 48% of Americans approving.

India Deploys Relief Teams, Aid To Myanmar After Deadly Earthquake

Mandalay. India's National Disaster Response Force (NDRF) is actively leading the efforts as part of Operation Bharma, with rescue and relief operations underway in Myanmar.The country is currently recovering from the devastating 7.7 magnitude earthquake that hit on March 28, following which India, being the first responder in times of crisis in the neighbourhood, had been providing vital assistance to the country.NDRF Deputy Commander Kunal Tiwari, who is overseeing the search and rescue operations, shared insights into the ongoing efforts on Wednesday.Mr Tiwari mentioned that the NDRF team consists of 80 personnel, supported by four specially trained canines and advanced equipment for rigging, lifting, cutting, and bridging.

Despite the challenges, Mr Tiwari expressed confidence in their readiness to overcome them. He also highlighted the team's expertise in managing recovery operations, including handling the recovery of mortal remains with dignity and respect.

"Our team has a total of 80 members. We have four canines and heavy team equipment like rigging, lifting, cutting, and bridging. Our team is fully equipped," he said.The NDRF Deputy Commander also spoke about the significant support received from Myanmar's local population and emphasised the strong bond between India and Myanmar, noting that while India has extended a helping hand, the people of Myanmar have shown immense warmth and respect in return."As India has taken one step forward to help Myanmar, so have the people of Myanmar taken two steps forward with us. Wherever we are going, we get their full support. So it is because of this bonding between Myanmar and India that we are able to carry forward with our work," Mr Tiwari added.Regarding aftershocks, Mr Tiwari assured that safety is a top priority for the team. All personnel are equipped with personal protective equipment (PPE), and thorough safety protocols, including marking escape routes and safe zones, are strictly followed before commencing any work."Safety first is our principle. All of us trained for it. We all have good PPE, which gives us local protection. Before starting any work, we mark the escape route properly and the safe zone; the safety officer is informed," he said.Mandalay, the city hardest hit by the earthquake, has been divided into four sectors: Alpha, Bravo, Charlie, and Delta. The Delta sector, which is the most affected area, is under India's responsibility and has seen significant intervention, with India covering 11 of the 15 designated work sites.

A local Myanmar monk expressed deep appreciation for India's efforts, stating that he was satisfied and grateful for the assistance provided. Another local, Hussain, also expressed his thanks, describing the arrival of the Indian team as a source of great relief."We got a great sense of relief when you came. You (Indians) are very hard-working people. We are very happy and at peace. We have benefitted a lot from the arrival of NDRF. May god shower blessings upon India and its leadership," he said.As part of Operation Brahma, India has already delivered 625 metric tonnes of humanitarian aid and disaster relief materials to Myanmar as of Tuesday.The operation reflects India's commitment to being a first responder in the region, providing essential search and rescue, medical aid, and disaster relief in the wake of the March 28 earthquake.Operation Brahma is a comprehensive effort involving multiple branches of the Indian government to address the widespread devastation caused by the earthquake and support Myanmar's recovery.The Indian Army has also set up a Field Hospital, providing medical support to the people.According to the Indian Army's release, the medical team successfully conducted 23 surgeries, over 1,300 laboratory investigations, and 103 X-ray procedures as of Thursday evening.

NEWS BOX

Rohit Sharma's bizarre chat with Zaheer goes viral: 'Jab karna tha, maine kiya'

NEW DELHI. Mumbai Indians' (MI) batter Rohit Sharma's chat with Lucknow Super Giants (LSG) mentor Zaheer Khan has been going viral on social media. The opening batter hasn't been in the best of forms in the ongoing season, having scored just 21 runs from three innings so far. He began the season with a four-ball duck against Chennai Super Kings (CSK) and further scored 8 and 13 in the next two matches respectively.Amid his poor form, a clip posted by Mumbai Indians has been going viral on social media where Rohit can be heard saying that he doesn't need to do anything anymore. The video is being widely shared by fans as his chat is being seen as a comment on his current form."Jab karta tha maine kiya barabar se, mujhe ab kare ki zaroorat ni hai (I've done a lot in the past now I don't need to do anything)," said Rohit in a video shared by Mumbai Indians on their X account.Recently, Rohit was also seen talking to MI owner Neeta Ambani

following his another poor outing against Kolkata Knight Riders (KKR) in the last game at the Wankhede Stadium in Mumbai. Rohit got dismissed for 13 (12) by Andre Russell for the first time in his IPL career as he holed out to mid-off.Earlier in the previous season, Rohit found himself in the middle of another controversy as his chat with KKR assistant coach Abhishek Nayar also went viral. The former MI captain was heard saying "Ye mera last hai (this my last)," as fans began speculating his shift from Mumbai to some other franchise.

Ahead of the 2024 season, Rohit was unceremoniously removed from the captaincy with Hardik Pandya being given the leadership duties following his transfer from Gujarat Titans (GT). The entire incident resulted in several controversies for Mumbai as reports of divisions inside the camp also surfaced in the media.

Rishabh Pant under pressure as struggling Lucknow host rejuvenated Mumbai

- Mumbai Indians beat Kolkata Knight Riders in their last game
- Lucknow Super Giants lost their last game vs Punjab Kings
- Rishabh Pant has scored just 17 runs from three innings so far

NEW DELHI. Having finally got their campaign started with a victory in the previous encounter, Mumbai Indians (MI) will be eager to continue their winning momentum as they take on Lucknow Super Giants (LSG) on Friday, April 4 at Ekana Stadium in Lucknow. The Hardik Pandya-led side had a disastrous start to the season, losing their opening encounter against arch-rivals Chennai Super Kings (CSK) by four wickets.They further failed to chase down 197 against the Gujarat Titans (GT) and lost by 36 runs. However, the first home game finally turned out to be the game-changer for MI, who beat the defending champions Kolkata Knight Riders (KKR) to open their account on the points table.The youthful exuberance of Ashwani Kumar, coupled with the energy of the local crowd, seems to have rejuvenated Mumbai and set them up perfectly for the rest of the season. If history is any example, the five-time champions' campaign just skyrockets after a few initial hiccups. The Hardik Pandya-led side will aim to continue their past record and make sure that their campaign goes from strength to strength from here onwards.On the other hand, Lucknow have had a mixed season so far under the leadership of their new captain, Rishabh Pant. They managed to lose the opening game against Delhi Capitals (DC) from a dominating position but hammered the hard-hitting Sunrisers Hyderabad (SRH) in the second game. However, Punjab Kings' (PBKS) eight-wicket win over them in the third encounter exposed frailties in their playing combination.Captain Pant also hasn't had a good start personally, having accumulated just 17 runs from the first three games, and the wicket-keeping blunders have further added to his woes. Hence, Pant has a lot to prove both as a captain and player against Mumbai Indians as Lucknow aim to bounce back to winning ways.

HEAD-TO-HEAD: LSG vs MI

Lucknow is the only team from the present IPL season who boast a dominating record over Mumbai Indians, having beaten them just once out of the six matches played between the two teams. Be it home or away, MI haven't been able to stamp their authority over LSG, which will give the opposition massive confidence heading into the fixture.

Team News: LSG vs MI

Lucknow have been bolstered by the return of star seamer Akash Deep. However, uncertainty remains on the return of Mayank Yadav. On the other hand, there are no injury concerns in the MI camp.

Lucknow Super Giants (LSG) Predicted XI: Mitchell Marsh, Aiden Markram, Nicholas Pooran, Rishabh Pant (WK/C), Ayush Badoni, David Miller, Abdul Samad, Digvesh Singh Rathi, Shardul Thakur, Avesh Khan, Ravi Bishnoi,

LSG vs MI, pitch, weather report IPL 2025: Will Lucknow give a high-scoring thriller

New Delhi. The Lucknow Super Giants will welcome the Mumbai Indians to Ekana stadium on Friday, April 4 as Rishabh Pant and his side look to bounce back from their loss to the Punjab Kings. LSG were hammered by PBKS in their home ground in a one-sided affair in the end.This led to LSG mentor Zaheer Khan publicly taking a dig at the Lucknow curator for not allowing his side enjoy 'home advantage.' Mumbai, on the other hand, have got their season up and running with a thumping win over the defending champions, Kolkata Knight Riders, in Mumbai. The MI side were greatly boosted by the performance of Ashwani Kumar, who produced a brilliant bowling performance against KKR.With both teams aiming for a win, let's see how the pitch and weather conditions in Lucknow will help in having a good IPL 2025 clash.

LSG vs MI, IPL 2025: Lucknow pitch report

The pitch in Lucknow has always been known to be on the slower side, with a lot of help for the spinners as it is a red soil one. We saw in the first match in Lucknow this season that most of the help will be for the team chasing a target at the Ekana stadium.While teams batting first and chasing have won 7 matches each out of the 15 played in the IPL at the venue, we can expect whoever wins the toss to bowl first and chase a target.LSG vs MI, IPL 2025: Lucknow weather forecastAccording to Accuweather, it is expected to be a hot day on Friday in Lucknow. The temperature is expected to reach a high of 38 degree celsius, with the temperature at toss time, 7 pm IST, being 33. As the match progresses, the temperature is expected to drop a bit.

James Franklin rues SRH's poor death bowling against KKR: Didn't get it quite right

- SRH slumped to a 80-run defeat to KKR
- SRH dropped to the bottom of the points table SRH leaked 66 runs in their last 4 overs

New Delhi. Sunrisers Hyderabad (SRH) bowling coach James Franklin said that the Orange Army weren't up to the mark in the death overs in their Indian Premier League (IPL) 2025 match against Kolkata Knight Riders (KKR) on Thursday at the Eden Gardens.

After asking KKR to bat first, SRH did get the wickets of Sunil Narine and Quinton de Kock early, but then conceded 200 runs. The Sunrisers also let their guard down in the death overs as the Knight Riders hammered 66 runs in their last four overs with Venkatesh Iyer and Rinku Singh in the middle. Thereafter, the Sunrisers got bowled out for 120 in 16.4 overs.'Didn't quite execute'Franklin, who played 20 IPL matches for the Mumbai Indians (MI) in 2011 and 2012, said that had SRH bowled well in the second half of their innings, they would have been able to restrict the home

team to around the 180-run mark."It's likely a combination of both the assessment and the execution. For example, the 65 runs off the last four overs probably reflect that we didn't get it quite right," Franklin said in the post-match press conference.

IPL 2025 Coverage | IPL Points Table | IPL Schedule

"At the halfway stage, KKR were 84 or 85 for two. If we'd managed the back 10 overs better, we probably could have kept them to 170-180, but we didn't quite execute," Franklin said."As a coach, sometimes you reflect and wonder, could we have done things better? Could we have been a bit braver in some aspects? Those are conversations we'll have in the coming days before we go again on Sunday. It's about reflecting, particularly with the players who were out there, and making sure we come back better, especially with our execution in the death overs," Franklin added.

The Sunrisers will be looking to bounce back when they face Gujarat Titans on Sunday, April 6 at the Rajiv Gandhi International Stadium in Hyderabad. The Orange Army slipped to the bottom of the table after losing to the Knight Riders.

Sai Kishore: Benchwarmer to key cog in Gujarat Titans' wheel

CHENNAI. R Sai Kishore has been one of the best finger spinners in the Indian domestic circuit for a few years now. But the Tamil Nadu left-arm orthodox bowler had to bide his time to become a regular playing member in the Indian Premier League (IPL).

In his first IPL stint at Chennai Super Kings, Sai Kishore warmed the bench for two successive seasons as he was expectedly behind Ravindra Jadeja, a master of his craft, in the pecking order.

Go Beyond The Boundary with our YouTube channel. SUBSCRIBE NOW!

While the tweaker broke into the Gujarat Titans (GT) XI in the business end of their title-winning campaign in 2022, he had to be content with a bit-part role in the previous

three-year cycle because of the presence of top-quality spinners in Rashid Khan and Noor Ahmad. But this year, he has been a regular feature.On Wednesday at the M Chinnaswamy Stadium against Royal Challengers Bengaluru, it was his spell of 2 for 22 that went a long way in Titans winning the game. The lanky left-armer was bought back by Titans for Rs 2 crore using the 'Right To Match' card at the mega auction.

With Noor making the move to CSK, Sai Kishore, who has a phenomenal economy of 5.98 in 73 T20 matches, has been elevated to a frontline spinner in the 'playing XII' (including the Impact Player). The 28-year-old is leading the wickets chart for GT with six scalps in three matches."I'm actually looking forward to this season (playing more matches). All this while, I've watched a lot of games and learnt a lot. I've been very honest with myself and have worked really hard. Let us hope that this season is a wonderful one," said Sai Kishore after GT's win over Mumbai Indians in Ahmedabad.

The left-arm slow bowler has underlined his credentials with match-influencing spells in less-than-favourable conditions for the spinners. When PBKS put on a boundary-hitting exhibition in Ahmedabad, Sai Kishore produced a miserly effort of 3 for 30.

On Wednesday, he foxed the RCB batters with variations, which included angles, speeds and type of deliveries.

From Olympic heartbreak to winning bagful of medals: Rower Tyagi's story

CHENNAI: As New Year 2024 dawned, rower Ajay Tyagi was in a happy space and dreaming of qualification for the Paris Olympics. And why not? He was already in the national camp and the next few months were going to present him ample opportunities to make it to his maiden Games.Things, however, went downhill from there as he was excluded from the camp and went out of contention to qualify for the marquee event. It was a difficult period for Tyagi, a Havildar in the Indian Army, who even thought of quitting the sport and communicated the same to his coaches. "Had they not convinced me, I would have left the sport last year," 25-year-old Tyagi told this daily following his return from Tasmania, Australia where he won two gold and a silver at the 2025 Australian Rowing Championships.He then made a return to the sport during the Indoor Nationals in Moga, Punjab in July 2024 and won gold in the lightweight pair event. "Representing the country in the Olympics is every athlete's dream and I was no different. I don't know why I was excluded from the camp ahead of the 2024 Games. I didn't compete at the 2024 National

Championships as I was told to focus on my preparations. Later, they picked only gold medallists from the nationals for the camp."Tyagi's return coincided with the Indian Army hiring services of Australian coach Antony Patterson and it changed his outlook towards the sport completely. "He brought his training methods. We were made to take tests every month and our progress was gauged from our performances there. I saw huge improvements in my timings both in water and on ergometer. My timings have improved by 6-7 seconds outdoors while the timings on ergometer saw an improvement by four seconds. Earlier, we used to work on ergometer for 30 minutes but the foreign coach made us work there for an hour. It improved our stamina," noted the rower, who hails from Ghaziabad, Uttar Pradesh.An improved Tyagi was ready for his second stint and the hard miles he had done started to bear fruit as he went on a medal-winning streak. It all started with his first maiden gold of the National Games in February in Uttarakhand. He finished on the top of the podium at the lightweight men's double sculls along with his partner Ujjwal Kumar Singh.

Sumeeth eager to share hard-earned wisdom to youngsters

- Having recently called time on his playing career, former badminton doubles ace from Telangana determined to lift current crop of players

CHENNAI. B Sumeeth Reddy recently made one of the biggest decisions of his life. Having dedicated his life to badminton for over two decades, he called time on his professional career. His playing days might have ended but it's also the beginning of a new chapter, a chapter he hopes will bring wealth of success. Brimming with hard-earned wisdom, Sumeeth, having donned the hat of a coach, is now eager to pass on the knowledge to youngsters in the days to come.

"I only wanted to do it (retire) when I felt like I couldn't improve any further than whatever I was during my peak. Lately, I could feel that my body wasn't able to keep up. I had lost a lot of power due to a back issue. Despite that, I used to manage because of my experience. Even last week, I was World No 25. However, I couldn't get myself into the top-10, something that was always in my mind. Maybe, I could have pushed a little more but that would not fulfill my goal," he said.

Once recommended by the doctors to quit playing the sport (due to a back injury), the man from Telangana had overlooked their suggestion to soldier on and carve out a respectable career for himself. Against all odds, Sumeeth, alongside partner Manu Attri, had made history in 2016 by becoming the first men's pair from the country to qualify for the Olympics. Manu and Sumeeth climbed as high as World No 17 at their peak. That might pale in comparison to what Satwiksairaj Rankireddy and Chirag Shetty has produced, but it was a significant push for Indian badminton then. It was not just his personal injury that Sumeeth was battling, the Indian doubles department, for various reasons including the results, did not use to get the attention required to thrive at the elite level. He has played alongside other notable players like Ashwini Ponnappa and N Sikki Reddy, with whom he tied the knot in 2019, in the mixed doubles category as well. Being part of the Olympics is something that

medal. I had always missed it by a whisker. That was special. We also had some big scalps against top-ranked players. That was special too. All those Grand Prix wins were also quite special," he recalled.Despite the injury that ended his aspirations to become a singles star (he was former India junior No 1 in singles) and despite the challenges that tested players from doubles category then, will remain in his heart forever. "Getting selected for the Olympics was special. Only 13 spots (three others would be part of continental quota) were there and to be part of that number was always special. I had to wait 12 or 16 years to get the Commonwealth

Sumeeth is filled with gratitude. "We were lucky that we were at one of the top centres in the country, the Gopichand Academy. The atmosphere was always positive, looking to win big titles. Apart from that, my dad has always been a source of strength and motivation. He was also a national athlete. Obviously, he couldn't get any support from my grandparents and he wanted me and my brother to pursue sports. He always supported me. I could see him day in and day out and that pushed me to achieve bigger things in life."The 33-year-old is encouraged by the talent in store, especially Treesa Jolly and Gayatri Gopichand apart from Satwik and Chirag. But he also felt that doubles players, especially the youngsters, still have a lot of learning to do."When I started, I had helped them (Treesa and Gayatri) for a month before China. They have done pretty well. Recently, they won against a Korean pair (Kong Hee Yong/Kim Hye Jeong) and that was really good. The pair from Korea had been winning all the top tournaments. Winning against them was also special. I'm also taking care of the mixed doubles pairs and upcoming players.

Shanaya Kapoor

Slams Man For Negligence Towards Pet In Viral Video: 'You Do Not Deserve...'

Shanaya Kapoor never minces her words when it comes to advocating the safety of pets. Having said that, the soon-to-be actress recently dropped a post on social media wherein she reacted to a viral video that showcased a pet in grave danger. In her post, Shanaya reshared the purported clip along with a note to express her anger for the pet owner's negligence towards his pup. She also remarked that the pets do not deserve to suffer due to humans' careless attitude.Calling out people for neglecting the safety of furry canines, Shanaya Kapoor wrote, "No pet deserves to suffer due to human negligence. If you can't ensure their safety, you do not deserve a pet. Heartbreaking."

As for the video shared by the actress, it shows a man rushing to catch his train with his dog in tow. In his hurry, the man forced his pet to board but owing to the speed of the train, the canine struggled to jump. Consequently, the dog tragically fell off the platform and was nearly run over by the train but somehow, it managed to crawl to the other side. The text overlay the video reads, "When money can't buy wisdom.A golden retriever barely survived after being dragged onto the railway tracks due to its owner's careless

attempt to board a moving train. Pets trust us with their lives, yet negligence like this puts them in grave danger. How irresponsible have we become?"

In terms of work, Shanaya Kapoor's slate looks solid. She has films like Aankhon Ki Gustaakhiyan with Vikrant Massey, Bejoy Nambiar's Tu Yaa Main and Vrushabha with Mohanlal in her kitty. That's not all. Shanaya has also bagged the lead role in the third project of the Student Of The Year franchise. News18 Showsha, regarding Karan Johar's film, also got informed that actor Tusharr Khanna has auditioned for the male lead in the movie and is being considered by the makers for the same. "Auditions for the male lead have been happening for a long time now. Tusharr (Khanna) also auditioned, and it went well. The casting team is impressed and is considering signing him as one of the male leads. But nothing has been finalised as of now," the source said.Shanaya's Aankhon Ki Gustaakhiyan is expected to hit the big screens by mid-2025.

> In her post, Shanaya Kapoor reshared the viral video along with a note to express her anger for the pet owner's negligence towards his pup.

Kareena Kapoor Khan

Shares A Sneak Peek Of Her Date, Internet Can't Keep Calm

Kareena Kapoor Khan is called the fashionista of Bollywood and her every public appearance proves it. She recently delighted her fans by sharing a glimpse of her date night. Taking to her Instagram handle, the Singham Again actress posted a video featuring herself and the background drama. In no time, it went viral, and fans called her queen.Taking to her handle, Kareena shared a video

in which she was seen getting ready for the date night and looking gorgeous. "How the date went 1.04.2025." One of the fans wrote, "Bollywood queen." Another wrote, "Dreamy bebo." After making a glamorous statement at Vivienne Westwood's debut show at the Gateway of India, Mumbai, actor Kareena Kapoor kept it simple and casual as she was spotted in the city. The actor attended a book launch in Mumbai. For her appearance at the event, she made a chic statement as she opted for a purple bandhani shirt that she had paired with a pair of jeans.However, there have been ongoing discussions about her Hollywood debut. Recently, during a fashion show event, she talked about it.In the video, shared by Manav Manglani, we can see the host asking about a situation where an AD enters her vanity and says, 'shot is ready' but Kareena immediately replied saying 'but I am not'. She further elaborated saying 'what happens in my vanity stays in my vanity..". Her answer left everyone in laughing and hooting.On the cinematic front, Kareena Kapoor was most recently seen in Singham Again. Directed by Rohit Shetty, the film starred Ajay Devgn, Ranveer Singh, Akshay Kumar, Tiger Shroff, Deepika Padukone, Arjun Kapoor, and Jackie Shroff in key roles.Looking ahead, she is all set to collaborate with Meghna Gulzar for her next project, reportedly titled Daayra. Kareena will also light up the screens with her highly anticipated project, Veere Di Wedding 2. The film is a sequel to the 2018 film that starred Sonam Kapoor, Shikha Talsania.

Rhea Chakraborty's Friend Recalls Trauma After Sushant Singh Rajput Case: 'Her Mom Could Barely Speak'

Five years after Sushant Singh Rajput's death sent shockwaves through India, the Central Bureau of Investigation (CBI) officially closed the case, citing no foul play and confirming it was a suicide. While the final report may bring legal closure, the emotional scars left on those caught in the storm—particularly actress Rhea Chakraborty and her family—remain deep and unhealed.Now, Rhea's close friend Nidhi Hiranandani has come forward in a powerful interview with Indian Express to speak about the chaos, trauma, and isolation the Chakrabortys endured during the relentless media and legal trial that followed Sushant's death. Her account paints a picture of a family ripped apart not just by accusations, but by a public narrative that left no room for empathy or nuance.

Nidhi remembers the exact moment the nightmare began. "Rhea's parents treated Sushant like family," she said. "They were shattered when he passed. I saw how they broke down, how their mental health was already suffering. What Rhea went through was unprecedented. I felt helpless watching their life being ripped apart."

In the months following Sushant's death in June 2020, Rhea became the face of the scandal. She was accused by the late actor's family of financial misconduct, abetment to suicide, and controlling his life. The Narcotics Control Bureau later arrested her for allegedly procuring drugs for Sushant—a charge that would later be weakened by lack of substantial evidence. She spent nearly a month in jail before being granted bail. But the damage, Nidhi says, had already been done.

"There was a wave of hatred, and everybody was riding it," Nidhi recalled. "We were begging and pleading with people to talk for us, to speak out. But nobody wanted to. No one wanted to focus on the truth—they just wanted someone to hate. Rhea became that person. She became the scapegoat."

Malaika Arora Gives A Peek Into Her New Tattoo: 'Sabr, Shukr'

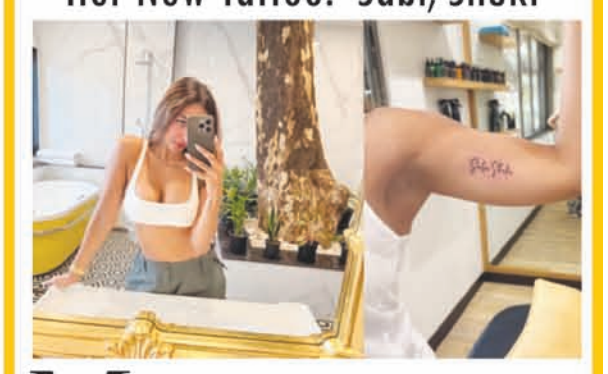

Malaika Arora shared a peek into what she has been up to lately. Through a bunch of pictures, she showcased a glimpse of her fashion diaries, self-care routine and work schedule. Malaika's photo dump immediately went viral, capturing fans' attention, mostly for the new tattoo on her arm. The actress, in a slide, shared the photo of her fresh ink art that read, "Sabr, Shukr (Patience, gratitude)."Posing for a glamorous mirror selfie, Malaika Arora's first image of the carousel is worth taking a look. The actress followed the same with a few shots of her appearance at the Lakme Fashion Week X FDCI event. For her time at the star-studded

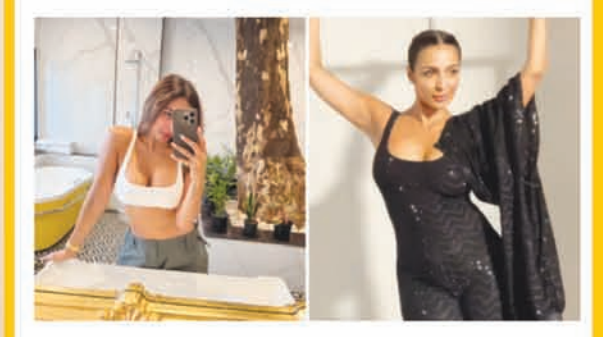

event, she opted for a black crystal-encrusted romper by Namrata Joshipura.

The fourth slide allows viewers a closer look into Malaika Arora's recently done tattoo. Next, she added a photo of her morning meal featuring a fried egg, bread toast, blueberries and pomegranates. The subsequent slide comes with a screenshot of British singer Ed Sheeran's Photograph song.A quote is also attached in the next slide. It reads, "Yes, it is important to be soft and kind in the world, but it is essential we also know when to draw swords. When to fight tooth and claw for what we believe in and love. To strike a balance between the shadow in our heart and the light. As the nature of the rose is both flower and thorn, the complete human soul is both devil and God."

In the final few slides, we get a glimpse of Malaika Arora's swimming sessions by the pool. Her side note attached to the post read, "The week that it was (two red heart emojis)."

Talking about her new tattoo, Malaika Arora recently told ETimes, "I don't get them just for the sake of it, they have deep personal meaning. This particular one symbolises the year that 2024 has been for me. The words 'patience' (sabr) and 'gratitude' (shukr) are very comforting. These words resonate with me when I think about where I am now, compared to where I was just a year ago."In the same interaction, Malaika Arora also admitted that she last got inked after her official separation from her former husband Arbaaz Khan.